हिन्दी दैनिक
रोजनामा इन्डो गल्फ
www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com
सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम
पटना,शनिवार | 03 अगस्त 2024 | वर्ष : 02 अंक : 83 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

राजभवन के नोटिस पर भड़के सिद्धारमैया, कहा- केंद्र की कठपुतली के रूप में काम कर रहे राज्यपाल

एजेंसी

कर्नाटक: कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को कारण बताओ नोटिस जारी करने के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत की आलोचना की और उन पर केंद्र सरकार और भाजपा-जद(एस) द्वारा हेरफेर करने का आरोप लगाया। यह नोटिस मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) साइट वितरण में कथित अनियमितताओं से संबंधित है। बेंगलुरु में पत्रकारों को संबोधित करते हुए सिद्धारमैया ने टवऊअ घोटाले में किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया। इसके साथ ही उन्होंन कहा कि मेरी भूमिका वहां नहीं है। मेरी भूमिका कहां है ?सिद्धारमैया ने बताया कि निर्णय लेने के बाद मंत्री परिषद द्वारा राज्यपाल को मुझे दिए गए कारण बताओ नोटिस को वापस लेने और टीजे अब्राहम द्वारा दायर शिकायत को खारिज करने की सलाह देने के बाद विवरण पहले ही दिया जा चुका है। उन्होंने आगे केंद्र सरकार पर "राजभवन का दुरुपयोग" करने और लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को अस्थिर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

South China Sea में ड्रैगन को घेरने के लिए भारत ने कस ली

वियतनाम के साथ जो समझौते हुए हैं वह बहुत कुछ संकेत दे रहे हैं

हम आपको बता दें कि दोनों शीर्ष नेताओं के बीच बातचीत के दौरान यह भी निर्णय लिया गया कि भारत वियतनाम को 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर की ऋण सुविधा प्रदान करेगा, ताकि मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश की समुद्री सुरक्षा को मजबूत किया जा सके।

एजेंसी

नई दिल्ली: हाल ही में संपन्न क्वॉड समूह की बैठक के दौरान दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती आक्रामकता से निबटने के उपायों पर चर्चा की गयी थी। क्वॉड देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को प्रगाढ़ करने के कदमों पर भी चर्चा की थी। अब भारत और वियतनाम ने दक्षिण चीन सागर के विषय पर आपस में जो सहमति बनाई है उसके चलते ड्रैगन का परेशान होना स्वाभाविक है। हम आपको बता दें कि वियतनाम के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच अहम समझौते हुए हैं। कुछ महीनों पहले भारत के रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री ने वियतनाम की यात्रा की थी। हम आपको बता दें कि दक्षिण चीन सागर में चीनी आक्रामकता से परेशान वियतनाम को साथ लेकर भारत चीन को कड़ा सबक सिखाना चाहता है।भारत और वियतनाम ने अपनी रणनीतिक साझेदारी का विस्तार करने के लिए जिस कार्ययोजना को मंजूरी दी है उसका बड़ा प्रभाव आने वाले समय में देखने को मिल सकता है। हम

आपको बता दें कि दोनों देशों ने रक्षा संबंधों को बढ़ाने और चीन की बढ़ती सैन्य ताकत के मद्देनजर दक्षिण चीन में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयासों को दोगुना करने की प्रतिबद्धता जताई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके वियतनामी समकक्ष फाम मिन्ह चिन्ह के बीच हुई व्यापक वार्ता में दक्षिण चीन सागर और समग्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिति पर प्रमुखता से चर्चा हुई। मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत विकास का समर्थन करता है, न कि विस्तारवाद का। उनकी इस टिप्पणी को चीन के विस्तारवादी व्यवहार की ओर परोक्ष संकेत के रूप में देखा जा रहा है।हम आपको बता दें कि दोनों शीर्ष नेताओं के बीच बातचीत के दौरान यह भी निर्णय लिया गया कि भारत वियतनाम को 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर की ऋण सुविधा प्रदान करेगा, ताकि मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश की समुद्री सुरक्षा को मजबूत किया जा सके। इसके साथ ही दोनों पक्षों ने 2024-2028 की अवधि के दौरान व्यापक रणनीतिक साझेदारी के कार्यान्वयन के लिए ह्यकार्य योजनाह्ल सहित कुल नौ समझौतों और दस्तावेजों को अंतिम रूप दिया।इसके अलावा, मोदी और चिन्ह ने एक संयुक्त बयान में दक्षिण चीन सागर में शांति, स्थिरता, सुरक्षा और नौवहन एवं उड़ान की स्वतंत्रता बनाए रखने के महत्व की पुष्टि की, साथ ही धमकी या बल प्रयोग का सहारा लिए बिना यूएनसीएलओएस के अनुसार विवादों का शांतिपूर्ण समाधान करने का आह्वान किया। हम आपको बता दें कि दक्षिण चीन सागर हाइड्रोकार्बन का एक बड़ा स्रोत है जिस पर संप्रभुता के चीन के व्यापक दावों को लेकर वैश्विक चिंताएं बढ़ रही हैं। इस पर वियतनाम, फिलीपीन और ब्रुनेई सहित क्षेत्र के कई देशों के जवाबी दावे हैं।संयुक्त वक्तव्य के मुताबिक, ह्यह्यदोनों नेताओं ने दावेदारों और अन्य सभी देशों द्वारा सभी गतिविधियों के संचालन में गैर-सैन्यीकरण और आत्म-संयम के महत्व को रेखांकित किया, तथा ऐसी कार्रवाइयों से बचने पर जोर दिया, जो स्थिति को और जटिल बना सकती हैं।ह्लह्ल बयान में कहा गया कि मोदी और चिन्ह ने इस

चूहेदानी तैयार है, संजीव हंस जैसे सब भ्रष्टाचारी फंसेंगे; करप्शन पर बोले बिहार बीजेपी चीफ दिलीप जायसवाल

एजेंसी

पटना: बिहार बीजेपी के नवनियुक्त अध्यक्ष और राजस्व-भूमि सुधार मंत्री दिलीप जायसवाल ने राज्य में भ्रष्टाचार को लेकर बड़ा बयान दिया है। जायसवाल ने कहा कि संजीव हंस जैसे लोगों पर कार्रवाई जारी है। और ऐसे जितने भी भ्रष्टाचारी होंगे वो सभी फंसेंगे, हमने चूहेदानी तैयार कर ली है। ये बात बीजप्रदेश अध्यक्ष ने शुक्रवार को भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। इससे अलावा बिहार की चार सीटों पर होने वाले उपचुनाव की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की।बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी संभलाने के बाद दिलीप जायसवाल एक्शन मोड में चल रहे हैं। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होने कहा कि हमने चूहेदानी तैयार कर ली है। अभी तो एक संजीव हंस हैं, बहुत सारे लोग, जितने भी भ्रष्टाचारी होंगे, सब चूहेदानी में फंसेंगे। कुछ दिन पहले ही जायसवाल ने अपने मंत्रालय को लेकर बड़ा बयान दिया था। और कहा था कि गरीबों का कोई काम बिना पैसा लिए नहीं हो रहा है। और खुद ये कबूल किया था कि अंचल स्तरीय कार्यालयों में दाखिल-खारिज समेत जमीन से जुड़े अन्य कार्यों में भ्रष्टाचार फैला है। जिसे मुंशी और दलालों ने और भी पेंचीदा बना दिया है। जिससे विभाग की बदनामी हो रही है। साथ ही अधिकारियों महीने में करप्शन को 10 फीसदी कम करने का कैंपेन शुरू करने की अपील की थी। आपको बता दें टैक्स चोरी मामले में आईएएस संजीव हंस के खिलाफ ईडी की जांच चल रही है। कई जगह छापेमारी कर करोड़ों की अवैध संपत्ति का खुलासा हुआ है। जिसमें हंस के करीबियों पर शिंकजा कसने लगा है। जिसमें सीएम और साला तक शामिल है। पूव विधायक गुलाब यादव के खिलाफ ही प्रवर्तन निदेशालय की जांच चल रही है। कई बेनामी संपत्तियां संजीव हंस और गुलाब यादव के नाम हैं। इससे अलावा आज भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बिहार में चार सीटों के उपचुनाव को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक के बाद जायसवाल ने कहा कि उपचुनाव को लेकर हमलोगों ने बैठक की है।

रूस के लिए लड़ते हुए कितने भारतीयों ने गंवाई जान? सरकार ने पेश किया आंकड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली: सरकार ने संसद को सूचित किया कि यूक्रेन युद्ध के दौरान रूसी सशस्त्र बलों में काम करने वाले आठ भारतीय मारे गए हैं, जबकि 12 अन्य पहले ही सेना छोड़ चुके हैं। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि अन्य 63 व्यक्ति शीघ्र छुट्टी की मांग कर रहे हैं। सिंह ने कहा कि आठ मौतों की सूचना मिली है, जहां मृतकों की नागरिकता भारतीय के रूप में सत्यापित की गई है। राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में सिंह ने कहा कि चार नागरिकों के शवों को भारत लाने के लिए सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। इसके अलावा, रूसी संघ की सरकार ने सूचित किया है कि मृत व्यक्तियों के परिवारों को उनके द्वारा हस्ताक्षरित अनुबंध के अनुसार मुआवजा प्रदान किया जाएगा।मंत्री ने कहा कि सरकार को कथित तौर पर अस्पष्ट परिस्थितियों में रूसी सेना में भर्ती किए गए कुछ भारतीय नागरिकों की शीघ्र रिहाई की सुविधा के लिए अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

देवेंद्र फडणवीस ने खुद के भाजपा अध्यक्ष बनने की खबरों को बताया अफवाह, बोले- यह केवल मीडिया में चर्चा है

एजेंसी

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) जल्द ही पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति कर सकती है। इस तरह की चर्चा लगातार हो रही है क्योंकि जेपी नड्डा का कार्यकाल समाप्त हो गया है। जेपी नड्डा को मोदी 3.0 कैबिनेट में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री के साथ-साथ रसायन और उर्वरक मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया है। अब रिपोर्ट्स से संकेत मिल रहा है कि पार्टी अपने नए अध्यक्ष का नाम तय करने के करीब है। इस तरह का दावा किया गया था कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र

फडणवीस को राष्ट्रीय पार्टी अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की उम्मीद है।हालांकि, देवेंद्र फडणवीस ने इसको पूरी तरह से खारिज कर दिया है।

दिल्लीआशा किरण शेल्टर होम में 14 बच्चों की मौत, आतिशी ने दिए मजिस्ट्रेट जांच के आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली: विकलांगों के लिए दिल्ली सरकार द्वारा संचालित आश्रय गृह में जनवरी 2024 से अब तक 14 मौतों का मामला सामने आया है। हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्ट में 27 मौतों का दावा किया जा रहा है। रोहिणी के आशा किरण शेल्टर होम में हुई मौतों का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। यह देखते हुए कि मौतों की संख्या पिछले साल की तुलना में बहुत अधिक है, एसडीएम ने कहा कि मौतों का असली कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद पता चलेगा। मामला सामने आते ही दिल्ली सरकार हरकत में आ

गई है। दिल्ली की मंत्री आतिशी ने एसीएस राजस्व को पूरे मामले की तुरंत मजिस्ट्रेट जांच शुरू करने और 48 घंटे के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। मंत्री ने उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश करने का भी निर्देश दिया जिनकी लापरवाही के कारण ये मौतें हुई हैं और भविष्य में ऐसी घटनाओं की घटना को रोकने के लिए सुझावात्मक उपाय करने की सिफारिश की गई है। वहीं, आप विधायक दिलीप पांडे का ने कहा।

अब तीन छात्रों की हुई मौतों की जांच CBI करेगी, हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

एजेंसी

दिल्ली: उच्च न्यायालय ने राजेंद्र नगर में तीन यूपीएससी अभ्यर्थियों की मौत की जांच सीबीआई को सौंप दी। अदालत ने इस निर्णय के कारणों के रूप में घटनाओं की गंभीरता और लोक सेवकों द्वारा भ्रष्टाचार में संभावित संलिप्तता का हवाला दिया। दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) को सिविल सेवा अभ्यर्थियों की मौत की सीबीआई जांच की निगरानी के लिए एक वरिष्ठ

अधिकारी को नामित करने का निर्देश दिया।दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को यूपीएससी अभ्यर्थियों की डूबने से हुई मौत पर अविश्वास जताया और कहा कि उसे समझ नहीं आ रहा कि छात्र कैसे बाहर नहीं आ सके। पीठ ने पूछा कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अधिकारियों ने क्षेत्र में काम नहीं कर रहे बरसाती पानी के नालों के बारे में आयुक्त को सूचित क्यों नहीं किया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि एमसीडी अधिकारियों को कोई परेशानी नहीं है।

गुजरात में न्याय यात्रा निकालेगी कांग्रेस, मोरबी पुल और राजकोट गेमिंग जोन हादसे के पीड़ितों को न्याय दिलाने की मांग

एजेंसी

गुजरात :गुजरात में कांग्रेस पार्टी ने हाल के दिनों में राज्य में हुई त्रासदियों के पीड़ितों को न्याय दिलाने के उद्देश्य से 'न्याय यात्रा' निकालने की घोषणा की है, जिसमें कई मौतें और घायल हुई हैं। यह 'न्याय यात्रा' 9 अगस्त से शुरू की जाएगी, जिस दिन 1942 में ब्रिटिश अन्याय के खिलाफ भारत छोड़ो आंदोलन शुरू हुआ था। राजकोट गेम जोन अग्निकांड, वडोदरा में हरनी झील नाव त्रासदी, मोरबी पुल घटना, सूरत में तक्षशिला कोचिंग संस्थान में आग और ऊना दलित घटना के

पीड़ितों को न्याय सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस द्वारा 'न्याय यात्रा' का आयोजन किया गया है। न्याय की यात्रा मोरबी से शुरू होगी। मिली जानकारी के मुताबिक, कांग्रेस राज्य में दो चरणों में न्याय यात्रा निकालेगी। यात्रा का पहला चरण मोरबी से राजकोट तक शुरू होने जा रहा है, जो चोटिला और विरमगाम को भी छूएगा। यात्रा के इस चरण के दौरान कांग्रेस मोरबी पुल ढहने, राजकोट गेम जोन में आग लगने के पीड़ितों के साथ-साथ अन्य लोगों से भी मुलाकात करेगी। यात्रा का दूसरा चरण सूरत से शुरू होगा। वहीं अब यह बात सामने आ रही है कि राहुल गांधी इस यात्रा में शामिल नहीं हो सकते हैं। गौरतलब है कि अक्टूबर 2022 में मोरबी में एक हैंगिंग ब्रिज ढह गया था जिसमें 140 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी।

योगी के विधेयक पर केशव प्रसाद मौर्य और भूपेंद्र चौधरी ने ही लगा दिया अडंगा

एजेंसी

उत्तर प्रदेश: उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के बीच मतभेद जब तब उभरते ही रहते हैं। लेकिन अब यह मतभेद विधानमंडल की कार्यवाही के दौरान भी नजर आने लगे हैं। खास बात यह है कि गुरुवार को उत्तर प्रदेश विधान परिषद में कुछ ऐसा घटा जिससे प्रतीत होता है कि राज्य भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के भी मुख्यमंत्री से सहज रिश्ते नहीं हैं। दरअसल एक विधेयक के पारित होने में जिस तरह केशव प्रसाद मौर्य और भूपेंद्र चौधरी ने अडंगा लगाया उससे प्रदर्शित होता है कि भाजपा संगठन और राज्य सरकार में सब कुछ सामान्य नहीं चल रहा है। अब इस पूरे घटनाक्रम पर विपक्ष खूब तंज कस रहा है।हम आपको याद दिला दें कि हाल ही में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सरकार नहीं संगठन बड़ा होता है, जैसा बयान देकर सरकार और संगठन के बीच मतभेद की खबरों को हवा दे दी थी। इसके अलावा भूपेंद्र चौधरी ने पार्टी के केंद्रीय आलाकमान को उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनावों में भाजपा के खराब प्रदर्शन के कारणों पर जो रिपोर्ट सौंपी है उसमें बताये गये कारणों में से अधिकांश राज्य सरकार की कार्यशैली से संबंधित बताये जा रहे हैं।अब प्रदेश की राजनीति में जो नया विवाद सामने आया है वह एक विधेयक को लेकर है। दरअसल, उत्तर प्रदेश विधानसभा से बुधवार को पारित किये गये उत्तर प्रदेश नजूल सम्पत्ति (लोक प्रयोजनार्थ प्रबन्ध और उपयोग) विधेयक को विधान परिषद की मंजूरी नहीं मिली और सत्ता पक्ष के प्रस्ताव पर ही इसे सदन की प्रवर समिति के पास भेज दिया गया। हम आपको बता दें कि विधान परिषद में बृहस्पतिवार को भोजनावकाश की कार्यवाही के बाद नेता सदन उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने इस विधेयक को सदन के पटल पर रखा।

डरी हुई है मोदी सरकार, ED छापेमारी की योजना बना रही वाले राहुल के बयान पर आया उद्धव सेना का रिएक्शन

संवाददाता

नई दिल्ली: राहुल गांधी के इस दावे पर उनके साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) उन पर छापा मारने की योजना बना रही है, शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने शुक्रवार को कहा कि अगर एजेंसी दरवाजे खटखटाती है तो विपक्षी भारत गुट के सभी साथी कड़ा विरोध करेंगे। चतुर्वेदी ने कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा ने हाल के लोकसभा चुनाव परिणामों से कोई सबक नहीं सीखा है और चेतावनी दी है कि लोग केंद्रीय एजेंसियों की गतिविधियों पर करीब से नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोग देख रहे हैं कि कैसे विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए सभी एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। आज, हमारी सभी केंद्रीय एजेंसियां केंद्र सरकार के सामने झुक गई हैं। एलओपी होने के नाते, राहुल गांधी लोगों से संबंधित मुद्दे उठा रहे हैं। अगर ईडी राहुल गांधी के दरवाजे पर दस्तक देती है तो भारतीय गठबंधन के सभी साथी इसका कड़ा विरोध करेंगे। उनकी टिप्पणी राहुल गांधी के उस दावे के मद्देनजर आई है कि केंद्रीय बजट

पर चर्चा के दौरान उनके आलोचनात्मक 'चक्रव्यूह' भाषण के बाद ईडी उन पर छापेमारी की योजना बना रही थी।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि सदन में चक्रव्यूह वाले भाषण के बाद उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी की तैयारी हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि वह ईडी के लोगों का दिल खोलकर इंतजार कर रहे हैं तथा उन्हें वह अपनी तरफ से चाय एवं बिस्कुट की पेशकश करेंगे। कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ल पर पोस्ट किया, ह्यह्यजाहिर है कि ह्य2 इन 1ह्ल को मेरा चक्रव्यूह वाला भाषण अच्छा नहीं लगा। ईडी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया है कि छापेमारी की तैयारी हो रही है। मैं ईडी का दिल खोलकर इंतजार कर रहा हूं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि सदन में चक्रव्यूह वाले भाषण के बाद उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी की तैयारी हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि वह ईडी के लोगों का दिल खोलकर इंतजार कर रहे हैं तथा उन्हें वह अपनी तरफ से चाय एवं बिस्कुट की पेशकश करेंगे। कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ल पर पोस्ट किया, ह्यह्यजाहिर है कि ह्य2 इन 1ह्ल को मेरा चक्रव्यूह वाला भाषण अच्छा नहीं लगा। ईडी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया है कि छापेमारी की तैयारी हो रही है। मैं ईडी का दिल खोलकर इंतजार कर रहा हूं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि सदन में चक्रव्यूह वाले भाषण के बाद उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी की तैयारी हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि वह ईडी के लोगों का दिल खोलकर इंतजार कर रहे हैं तथा उन्हें वह अपनी तरफ से चाय एवं बिस्कुट की पेशकश करेंगे।

भाजपा कल भी आरक्षण के समर्थन में थी और आज भी है : सम्राट चौधरी

कांग्रेस , राजद को आरक्षण पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना:पटना, 2 अगस्त। बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज राजद नेताओं द्वारा आरक्षण को लेकर दिए जा रहे बयान को लेकर पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें आरक्षण पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। पटना में पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा कल भी आरक्षण के समर्थन में थी और आज भी आरक्षण के समर्थन में खड़ी है। उन्होंने कहा कि राजद के लालू यादव और कांग्रेस यह बताए कि आज तक ये दोनों पार्टियां सत्ता में रहते किसे आरक्षण दी है। लालू यादव और उनका परिवार बिहार में 15 सालों तक सत्ता में रहा लेकिन एक व्यक्ति को भी आरक्षण का लाभ नहीं दिया और आज आरक्षण को लेकर उनके परिवार और उनकी पार्टी के सदस्य गाल बजा रहे

हैं।उन्होंने कहा कि बिहार की जनता को सब पता है। लोकसभा चुनाव का परिणाम इसका प्रमाण है। उन्होंने कहा काठ का बर्तन एक ही बार चूल्हे पर चढ़ता है। अब कांग्रेस और राजद आरक्षण को लेकर समाज को बांटने की कितनी भी कोशिश कर ले लेकिन अब वह पुराना दौर नहीं आने वाला है। आपको बता दें इससे पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ये आरोप लगाया था कि केंद्र और बिहार दोनों में एनडीए की सरकार है। लेकिन बढ़े आरक्षण को संविधान की नौवीं सूची में शामिल कराने की कोई कोशिश नहीं कर रहा है। बीजेपी हमेशा से आरक्षण की विरोधी रही है। वहीं नीतीश सरकार ने भी इस मामले पर अब चुप्पी साध ली है। उनकी पार्टी के नेता इस मामले पर कुछ भी नहीं बोल रहे हैं। लगता है कि नीतीश कुमार की एनडीए में सुनी नहीं जा रही है, या फिर वो सुना नहीं रहे हैं। लेकिन आरजेडी सड़क पर आंदोलन करेगी, और सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दाखिल करेगी। आपको बता दें बिहार आरक्षण कानून को पटना हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया है।

राष्ट्रीय जनता दल नगर इकाई मधुबनी के अध्यक्ष पप्पू यादव राजद के वरीय जिला उपाध्यक्ष रामकुमार यादव

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

पटना:राष्ट्रीय जनता दल नगर इकाई मधुबनी के अध्यक्ष पप्पू यादव राजद के वरीय जिला उपाध्यक्ष रामकुमार यादव युवा राजद के जिला अध्यक्ष इंद्रभूषण यादव जिला प्रवक्ता इंद्रजीत राय, पूर्व मुख्य पार्षद विजय कुमार चौधरी ने राजद जिला कार्यालय मधुबनी में संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस कर मधुबनी नगर निगम में ज्वलंत समस्या जल जमाव, पेयजल संकट, सड़को जर्जर व दयनीय स्थिति, बिजली संकट नाला का जिनोधार निर्वाचित निगम पार्षदों के अधिकार में कटौती के खिलाफ 9 अगस्त 2024 को मधुबनी नगर निगम के समक्ष धरना- प्रदर्शन करेंगे।राजद के वरिष्ठ नेता रामकुमार यादव कहा कि भाजपा के जदयू के राज में महंगाई चरम पर है। पेट्रोल डीजल तथा रसोई गैस की बढ़ती कीमतों ने आम जनता का जीना मुहाल कर दिया है। पेट्रोल डीजल मूल्य वृद्धि के कारण महंगाई में लगातार इजाफा हो रहा है। कहा कि देश का युवा बेरोजगारी से त्रस्त है। केंद्र एवं बिहार सरकार बेरोजगारों के साथ लगातार खिलवाड़ कर रही है। भाजपा जदयू के नीतियों के कारण आज का युवा दिशाहीन और हताश हो गया है। मधुबनी नगर निगम व जिले में बिजली पानी और खराब सड़क को लेकर आम जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित है। भू जल स्तर कमजोर होने के कारण आमलोग बुरी तरह त्रस्त हैं। नगर अध्यक्ष पप्पू कुमार यादव ने कहा कि बिजली और पानी को लेकर आम जनता को परेशान किया जा रहा है. एक-एक घंटे के नाम से चार-चार घंटे तक अघोषित बिजली कटौती की जा रही है. उन्होंने कहा आज मधुबनी शहर की वार्ड में पानी और बिजली की समस्या विकराल रूप ले चुका है। कमजोर और साधारण आदमी को पानी नहीं मिल रहा है। और नगर आयुक्त और जिला प्रशासन पानी की व्यवस्था करने के बदले चिर निंद्रा में लीन है। इनके चिर निंद्रा से जगाने के लिए राजद 9 अगस्त को धरना और प्रदर्शन करेगा।

ज़िला अधिकारी ने विद्युत विभाग एवं राजस्व विभाग का राजस्व संबंधित पदाधिकारी से स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर/आज दिनांक 2.8.2024 को जिलाधिकारी समस्तीपुर श्री योगेंद्र सिंह द्वारा आंतरिक संसाधन की बैठक की गई. बैठक में सभी विभागों को शत-शत निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध राजस्व संग्रह का निर्देश दिया गया. समीक्षा के क्रम में पाया गया कि खनन विभाग ,विद्युत विभाग एवं राजस्व विभाग का राजस्व संग्रह बहुत खराब स्थिति में है ,संबंधित पदाधिकारी से स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश जिलाधिकारी महोदय द्वारा दिया गया ।साथ ही अगले बैठक के पूर्व राजस्व संग्रह में अपेक्षित सुधारन लाने हेतु निदेश दिया गया. बैठक में अपर समाहर्ता ,प्रभारी पदाधिकारी जिला राजस्व, जिला अवर निबंधक सहित संबंधित विभाग के पदाधिकारी मौजूद थे।

इनर व्हील सारण ने योगा और जुंबा द्वारा किया महिलाओं को रिचार्ज

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

दिनांक 01/08/24 को इनर व्हील सारण ने भरत मिलाप चौक स्थित फ्लेक्सिबिलिटी जोन में महिलाओं के बीच योगा गुरु रोहित कुमार ने योगासन और जुंबा करवा कर उन्हें रिचार्ज किया और बताया की आजकल के भागदौड़ भरी जिंदगी में सबको समय निकालकर करना चाहिए जिसे शरीर में ऊर्जा भरा रहे और मन प्रफुल्लित रहे जिसे हमारा शरीर निरोगीकाया बना रहे ' इस अवसर पर इनर व्हील सारण की अध्यक्ष शिल्पी कुमारी, सोनी गुप्ता, संजू गोल्ड, मंजू गुप्ता के साथ अन्य महिलाएं शामिल थीं । इस बात की जानकारी क्लब संपादक रचना कुमारी ने दी।

लालू परिवार जब तक सत्ता में रही इन्हें आरक्षण की याद नहीं आई, अब दूसरे की बांसुरी पर ताल दे रहे : दिलीप जायसवाल

- आरक्षण को अमलीजामा कैसे पहनाया जाएगा इसकी चिंता नीतीश कुमार का नेतृत्व कर रहा : दिलीप जायसवाल
- राजद आरक्षण के नाम पर जातियों को बांटने का काम करता रहा है : दिलीप जायसवाल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 2 अगस्त। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने आज आरक्षण को लेकर राजद के नेता तेजस्वी यादव और पूरे लालू प्रसाद को घेरते हुए कहा कि लालू परिवार जब तक सत्ता में रही इन्हें आरक्षण की याद नहीं आयी। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि क्या कभी एक भी आरक्षण यह परिवार सत्ता में रहते दिलवाया है। यह सिर्फ दूसरे के बांसुरी पर ताल दे रहे हैं। राजद आरक्षण के नाम पर जातियों को बांटने का काम करता रहा है ।प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते हुए बिहार के मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि जिन चार विधानसभा क्षेत्रों में उप चुनाव होना है, उसे लेकर भाजपा कार्यकताओं के साथ बैठक की गई। उन्होंने कहा कि किस पार्टी को कहां से लड़ना है यह करीब तय है।
उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव के परिवार को आरक्षण के मुद्दे पर बोलने का हक नहीं है। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में आरक्षण का मुद्दा बिहार में आया है और उसे अमलीजामा पहनाने की चिंता भी नीतीश कुमार का नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार आरक्षण के मामले पर सर्वोच्च न्यायालय सितंबर में सुनवाई करेगा, लेकिन इस पर भी अफवाह उड़ा दिया गया कि कोर्ट रिजेक्ट कर दिया ।राजद नेता तेजस्वी यादव की बिहार यात्रा को लेकर पूछे गए एक सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्हें कोई काम नहीं है कुछ तो करेंगे। राहुल गांधी के ईडी के डर से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि देश में जो भी गलत करेगा यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता है कि उसे जेल जाना होगा। कोई भ्रष्टाचारी नहीं बचेगा। राहुल गांधी को खुद मूल्यांकन करना चाहिए।

हर घर तिरंगा को लेकर प्रदेश भाजपा ने बनाई टीम, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने की बैठक

हर घर तिरंगा राष्ट्रभाव युक्त कार्यक्रम, एक यूनिक फेस्टिवल बन चुका है : दिलीप जायसवाल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना:2 अगस्त। बिहार भाजपा ने स्वतंत्रता दिवस को लेकर हर घर तिरंगा अभियान को लेकर अपनी तैयारी शुरू कर दी है। इस कार्यक्रम के समन्वय की दृष्टि से प्रदेश भाजपा की एक टीम बनाई गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने इस टीम के साथ बैठक की और इस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर चर्चा की ।बैठक में श्री जायसवाल ने कहा कि 15 अगस्त को प्रत्येक बूथों पर बूथ अध्यक्ष के नेतृत्व में झंडोतोलन किया जाए यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इस कार्यक्रम की सफलता के लिए 11 से 13 अगस्त के बीच भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में तिरंगा

यात्रा निकाली जाएगी तथा 12 अगस्त को महापुरुषों की प्रतिमा और स्मारक पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इसके अतिरिक्त 13 अगस्त को भारत माता एवं महापुरुषों की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि की जाएगी। 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका को याद करते हुए स्मृति दिवस मनाया जाएगा। इसके तहत जिला स्तरीय संगोष्ठी और सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। हर घर तिरंगा के लिए बनाई गई टीम में प्रदेश महामंत्री शिवेश राम के साथ राधामोहन शर्मा, पिंकी कुशवाहा, ओम प्रकाश भुवन और सत्यपाल नरोत्तम को रखा गया है। प्रदेश अध्यक्ष श्री जायस्वाल ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने मन की बात कार्यक्रम के 112 वें संस्करण में भी लोगों से हर घर तिरंगा अभियान की चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा राष्ट्र भाव युक्त कार्यक्रम, एक यूनिक फेस्टिवल बन चुका है। उन्होंने लोगों से इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों के जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि गरीब हो, अमीर हो, छोटा घर हो, बड़ा घर हो, हर कोई तिरंगा लहराकर गर्व का अनुभव करता है।

आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल आयोजन हेतु जिलाधिकारी श्री योगेंद्र सिंह नें वरीय पदाधिकारीयों के साथ बैठक की

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर/आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल आयोजन हेतु जिलाधिकारी श्री योगेंद्र सिंह ने शुक्रवार को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में वरीय पदाधिकारीयों के साथ बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया की सभी आवश्यक तैयारियां पहले ही कर ली जाएं ताकि आयोजन के दिन कोई अव्यवस्था की स्थिति न हो।बैठक में बताया गया कि ध्वजारोहण का समय निर्धारित कर दिया गया है तथा जिन अधिकारियों को अपने-अपने कार्यालयों में ध्वजारोहण करना है, वे निर्धारित समय पर ध्वजारोहण करना सुनिश्चित करेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 500 से

1000 विद्यार्थियों के साथ सुबह 6 बजे से प्रभातफेरी का आयोजन किया जाएगा , ये छात्र पटेल मैदान में होने वाली परेड में भी हिस्सा लेंगे।जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि प्रभातफेरी में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को किसी प्रकार की कठिनाई न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं एवं स्वतंत्रता दिवस के आयोजन में सभी शिक्षकों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। बैठक में नजारत उप-समाहर्ता ने बताया कि आमंत्रण पत्र से संबंधित कार्य पूरा हो चुका है तथा इसका वितरण भी किया जा रहा है ।स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने मुख्य समारोह स्थल के साथ-साथ सड़कों की साफ-सफाई पर विशेष जोर दिया , इस संबंध में उप-नगर आयुक्त को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने टेबल, कुर्सी, मंच की सजावट, पेयजल जैसी जरूरी आवश्यकताओं की स्थिति की समीक्षा की एवं कई दिशा निर्देश दिए ।इसी प्रकार जिलाधिकारी ने विभिन्न शाखाओं के नोडल अधिकारीयों को निर्देशित किया कि जिन व्यक्तियों या कर्मचारी को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रशस्ति पत्र दिया जाना है उनकी सूची समुचित विवरण के साथ यथाशीघ्र दी जाए ताकि प्रशस्ति पत्र की सूची बिना किसी गलती के तैयार की जा सके। परेड के संबंध में पुलिस उपाधीक्षक(लाइन) ने बताया कि 7 तारीख से पूर्ण रिहर्सल की जाएगी , जिसके लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सुझाव मांगे तथा स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल आयोजन हेतु उचित समन्वय सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में जिलाधिकारी,अपर समाहर्ता,जिला आपूर्ति पदाधिकारी,अपर समाहर्ता (लोक शिकायत निवारण) ,सिविल सर्जन,प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा एवं विभिन्न विभागों के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

प्रमुख पति रिजवानुल्लाह से मांगी 2 लाख की रंगदारी, रुपये नहीं देने पर जेसीबी से किया हजारों का नुकसान

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
राजेश कुमार चौधरी,

हुसैनगंज,हुसैनगंज थाना क्षेत्र के बल्ली गाँव में रजिस्ट्री जमीन पर घर बनवाने के लिए रखे गिट्टी, बालू, ईंट व मिट्टी को कुछ असामाजिक तत्व के लोगों द्वारा जेसीबी से छींटवा कर हजारों रुपये की क्षति पहुंचाने का मामला प्रकाश में आया है. इस संदर्भ में हुसैनगंज प्रखंड प्रमुख के पति रिजवानुल्लाह ने थाना में आवेदन देकर आरोप लगाते हुए कहा है कि मैं एक कट्ठा जमीन रजिस्ट्री करवा था वह जमीन सरेयां मेरे निवास स्थान के कुछ दूरी पर दक्षिण दिशा में जो बल्ली गाँव में पड़ता है. उस जमीन पर घर बनवाने के लिए तीन ट्रैक्टर गिट्टी, एक ट्रैक्टर बालू, ईंट और मिट्टी रखा था. प्रमुख पति ने बताया कि बल्ली के कुछ लोग मुझपर दबाव बनाने लगा कि तुम पुलिस से रीटायर हुए हो हमलोगों को दो लाख रुपये दो. अगर रुपये नहीं दोगे तो तुम्हारे रजिस्ट्री वाली जमीन पर घर बनवाने नहीं दिया जायेगा. जब प्रमुख पति रुपये देने से इंकार किया तो उसके रजिस्ट्री जमीन पर बल्ली के दर्जनों लोग जेसीबी लेकर उस जमीन पर रखे सभी गिट्टी, बालू, मिट्टी को छिंटवा कर बर्बाद कर दिए. मना करने पर झगड़ा करने पर उतारू हो गये. किसी तरह ग्रामीणों ने और प्रमुख पति ने सुझबुझ का परिचय देते हुए झगड़ा होने से बचाया. वहीं प्रमुख पति द्वारा इस घटना को लेकर 5 लोगों सहित अन्य लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराया गया है. अपर थानाध्यक्ष अंजोर अकेला घटना स्थल पर दलबल लेकर पहुंचे तब तक सभी आरोपी वहाँ से फरार हो चुके थे. उसी दौरान जांचोंपरांत थानाध्यक्ष श्री अकेला आरोपियों को धरपकड़ के लिए छापेमारी शुरू कर दिए. बताया जाता है कि सभी आरोपी फरार हैं.

चोरों द्वारा कमरे में रखे चावल सहित अन्य सामानों को धडल्ले से चोरी कर रहे हैं.

संवाददाता

प्रखंड क्षेत्र के स्कूलों में आये दिन चोरों द्वारा कमरे में रखे चावल सहित अन्य सामानों को धडल्ले से चोरी कर रहे हैं. चोरों का मनोबल इतना बढ़ गया है कि गरीब, लाचार, बेसहारा बच्चों को खाने के लिए सरकार चावल सहित अन्य सामान उनके दोपहर में खाने के लिए भेजती है. उस चावल को भी चोरों द्वारा स्कूल में रखे कमरे का ताला काटकर रात में चोरी कर लेते हैं. विदित है कि जुलाई माह में प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय बिरति टोला गोपालपुर में एमडीएम के लिए रखे 16 पॉकेट चावल कमरे का ताला तोड़ कर चोरों ने चोरी कर लिए था।

मार पीट में तीन घायल दो गंभीर, पीड़िता ने दिया थाने में आवेदन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
वरिष्ठडॉक्टर शंभू यादव,

गुठनी/सीवान- थाना क्षेत्र के डरैला गांव में शुक्रवार को एक महिला ने उसी गांव के आठ लोगों पर मार पीट कर घायल करने का आरोप लगाते हुए गुठनी थाने में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। मिली जानकारी के अनुसार डरैला गांव निवासी रमेश राम की पत्नी गीता देवी ने थाने में दिए आवेदन में लिखा है की हमारे पति रोज की भांति शुक्रवार की सुबह अपने दैनिक कार्य पर जा रहे थे तभी रास्ते में घात लगाएं बैठे उसी गांव के पवन कुमार राम पिता लखु राम ,मखु राम, लखु राम, राजू राम तीनो के पिता स्व. सुखराज राम, शत्रुघ्न राम उर्फ बुल्लट राम पिता मखु राम, अशर्फी देवी पति लखु राम, गीता देवी पति राजू राम व मीना देवी पति राजू राम ने लाठी डंडे व धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिससे हमारे पति लहू लोहान हो गए ग्रामीणों द्वारा शोर गुल सुनकर मैं और मेरे तीन बच्चे नीतीश कुमार, शोभा कुमारी तथा अभिषेक कुमार मौके पर पहुंच बीच बचाव करने की कोशिश किए तब उक्त आरोपियों में हमारे शर पर डंडे से वार कर दिया जिससे मेरा शर फट गया। वहीं बच्चे अंदरूनी चोट से घायल हो गए। ग्रामीणों के सहयोग से घायलों को गुठनी पीएचसी पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर उपचार के लिए सदर अस्पताल सीवान रेफर कर दिया।

मां जानकी की नगरी सीतामढ़ी जिला में 2 लाख सदस्य बनाएगी राष्ट्रीय लोक मोर्चा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
कफील एकबाल

सीतामढ़ी 2 अगस्त : जिले में राष्ट्रीय लोक मोर्चा 2 लाख से ज्यादा सदस्य बनाएगी , इसके लिए आगामी 9 अगस्त क्रांति दिवस से जिले में सदस्यता अभियान की शुरूआत किया जाएगा। इस जिले के सभी सत्रह प्रखंडों में राष्ट्रीय लोक मोर्चा सुप्रीमो व भारत सरकार के पूर्व मंत्री श्री उपेंद्र कुशवाहा के नीति और सिद्धांतों को सदस्यता अभियान के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने की जरूरत है। उक्त बातें आज सीतामढ़ी राष्ट्रीय लोक मोर्चा के जिला कार्य समिति की विशेष विस्तृत बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए राष्ट्रीय लोक मोर्चा बिहार के प्रदेश महासचिव

व प्रवक्ता सह क्षेत्रीय प्रभारी एवं ढाका विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक प्रत्यासी श्री राम पुकार सिन्हा ने कही ।बैठक की अध्यक्षता पार्टी के जिला अध्यक्ष व बथनाहा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी चंद्रिका पासवान तथा संचालन जिला प्रधान महासचिव संजीर आलम मंसूरी ने की ।बैठक में जिला संगठन प्रभारी और प्रदेश उपाध्यक्ष मोहम्मद रियाज अहमद एवं प्रदेश महासचिव श्री रमेश सिंह कुशवाहा ने अपने संबोधन में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस जिले में रिकॉर्ड तोड़ सदस्यता अभियान को सभी प्रखंडों में चलने की जरूरत है। पार्टी के सदस्यता अभियान को बूथ स्तर पर ले जाने की जरूरत है । राष्ट्रीय लोक मोर्चा के सभी पदाधिकारी युद्ध स्तर पर सदस्यता अभियान में 9 अगस्त से लग जाए। बैठक में मुख्य रूप से पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष राम लक्ष्मण सिंह कुशवाहा, महंत सिंह कुशवाहा, प्रदेश महासचिव रामबली सिंह ,राघवेंद्र सिंह रवि, प्रमोद आनंद, युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रामलगन कुशवाहा महिला प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष पूजा सिंह किसान प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष राज किशोर सिंह उर्फ दारा सिंह व्यवसायिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष संजीत कुमार आईटीसी के जिला अध्यक्ष सुजीत कुशवाहा ,आई टी सेल के प्रदेश नेता उदय कुशवाहा ,आलोक कुमार सिंह ,ओम प्रकाश सिंह ,ओम प्रकाश कुशवाहा नीरज कुशवाहा मोती पासवान ,जय किशन सिंह, राम विनय सिंह, राम प्रमोद सिंह ,विजय झा, निरंजन कुशवाहा, पवन कुशवाहा अवनीश कुमार, राम जयप्रकाश महतो कुमकुम कुशवाहा, अजय कुमार आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे ।

भारतीय इस्लामिक सांस्कृतिक केंद्र को एक समृद्ध भविष्य की ओर ले जाने के लिए सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार को वोट दें: रेयाज आलम

विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- पटना, 2 अगस्त 2024,भारतीय इस्लामिक सांस्कृतिक केंद्र (क्क्ळउ) एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है क्योंकि समुदाय एक महत्वपूर्ण चुनाव में जुटा हुआ है जो इसके भविष्य के नेतृत्व का निर्धारण करेगा। विभिन्न प्रमुख उम्मीदवार मैदान में हैं, प्रत्येक अपनी विशेषज्ञता, दृष्टिकोण और प्रतिबद्धता का अनूठा मिश्रण पेश कर रहा है। यह चुनाव एक सामान्य चयन से कहीं अधिक है—यह पूरी समुदाय के लिए एक निर्णायक क्षण है।
- चुनावी प्रक्रिया के दौरान, ऐसे उम्मीदवार को चुनने की महत्ता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता जो वास्तव में भारतीय मुस्लिम समुदाय के मूल्यों, आकांक्षाओं और आवश्यकताओं को प्रतिबिंबित करता हो। क्क्ळउ, जो हमारे समुदाय की सांस्कृतिक और सामाजिक धरोहर का प्रतिनिधित्व करने वाला एक महत्वपूर्ण संस्थान है, को ऐसी नेतृत्व की आवश्यकता है जो भविष्य में आने वाली चुनौतियों और अवसरों का उत्तरदायित्व के साथ सामना कर सके।
- उम्मीदवार में खोजने के लिए प्रमुख गुण:

1. रणनीतिक दृष्टिकोण और योजना: ऐसा उम्मीदवार जो क्क्ळउ के लिए स्पष्ट और प्रगतिशील रणनीतिक दिशा निर्धारित करने की क्षमता रखता हो, जो इसकी विकास और प्रगति को समुदाय के मिशन और मूल्यों के साथ संरेखित करता हो।

2. वित्तीय कुशलता: आदर्श उम्मीदवार मजबूत वित्तीय प्रबंधन कौशल का धनी होगा, जो क्क्ळउ की वित्तीय स्थिति को मजबूत और स्थिर बना सके, जिसमें पारदर्शी बजट और जवाबदेही की प्रक्रिया शामिल हो।
3. समुदाय से जुड़ाव: ऐसे उम्मीदवार को चुनें जो व्यापक समुदाय के साथ सार्थक संवाद को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हो, और ऐसी पहल करता हो जो सांस्कृतिक आदान-प्रदान, संवाद, और समझ को प्रोत्साहित करती हो।
4. वकालत और प्रतिनिधित्व: सही नेता भारतीय मुस्लिम समुदाय के अधिकारों और हितों के लिए मजबूत वकील होगा, जो हमारी चिंताओं को स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ईमानदारी और जोश के साथ प्रस्तुत करेगा।
5. शासन और निगरानी: ऐसा उम्मीदवार जो निर्णय लेने की प्रक्रिया में उच्च शासन, पारदर्शिता, और जवाबदेही के मानकों को बनाए रखे, क्क्ळउ के प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक है।
6. संस्कृति और धरोहर का संवर्धन: उम्मीदवार को भारतीय मुस्लिम समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और संवर्धन के लिए समर्पित होना चाहिए, जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर में विविधता और समावेशिता का जश्न मनाने का संकल्प करता हो।

- जब आप अपना वोट दें, तो उन उम्मीदवारों पर विचार करें जो इन गुणों का सबसे अच्छा प्रदर्शन करते हैं और जो क्क्ळउ के मिशन को स्पष्टता, समर्पण, और भविष्य के दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस चुनाव का परिणाम न केवल क्क्ळउ की दिशा को निर्धारित करेगा बल्कि उन लोकतांत्रिक सिद्धांतों और सामुदायिक भावना को भी रेखांकित करेगा जिन्हें हम संजोते हैं।
- यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है कि हम ऐसे नेताओं का चुनाव करें जो क्क्ळउ को महान सफलता की ओर ले जाएंगे, और इसे एक जीवंत और समावेशी संस्थान बनाएंगे जो हमारी समुदाय की निष्ठा के साथ प्रतिनिधित्व और सेवा करता है।
- आपका वोट उस भविष्य को प्रतिबिंबित करे जो आप भारतीय इस्लामिक सांस्कृतिक केंद्र के लिए देखना चाहते हैं। समझदारी से वोट दें, प्रगति के लिए वोट दें, और ऐसे उम्मीदवार के लिए वोट दें जो ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ नेतृत्व करेगा।

संयुक्त रूप से कुल 07 आवेदकों से प्राप्त भूमि विवाद से संबंधित शिकायत के मामलों की सुनवाई की गई।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ,

सारण, छपरा2 अगस्त, 2024 जिलाधिकारी श्री अमन समीर एवं पुलिस अधीक्षक श्री कुमार आशीष द्वारा आज संयुक्त रूप से कुल 07 आवेदकों से प्राप्त भूमि विवाद से संबंधित शिकायत के मामलों की सुनवाई की गई। इस संबंध में 05 आवेदकों की उपस्थिति में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित अंचलाधिकारियों एवम् थानाध्यक्षों के साथ भूमि विवाद से संबंधित इन मामलों की सुनवाई की गई तथा सभी मामलों को निष्पादित करने हेतु आवश्यक निदेश दिया गया।

मधुबनी जिला के हरलाखी थाना क्षेत्र में तालाब में डूबने से दो बच्चे की एक साथ मौत

परिजनों का हो रहा रोते-रोते बूरा हाल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ,
अबु बकर

मधुबनी जिला के हरलाखीथाना क्षेत्र के उमगांव कोठी टोल स्थित एक तालाब में डूबने से एक साथ दो बच्चे की मौत हो गयी. घटना शुक्रवार शाम की बताई जा रही है. मृत बच्चे की पहचान उमगांव गाछी टोल निवासी मोड्ड फरमान अंसारी के 12 वर्षीय पुत्र मोड्ड अफजल एवं उमगांव के ही मोड्ड शौकत अंसारी के 8 वर्षीय पुत्र मो. अयान के रूप में हुई है. प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार संध्या 4 बजे तालाब किनारे घास काट रही महिलाओं ने तालाब में डूबते बच्चे को देखा तो शोर मचाना शुरू कर दिया. शोरगुल सुनकर आसपास के

लोग तालाब पर पहुंचे जहां तालाब के पानी के ऊपर से बच्चे नजर नहीं आ रहे थे. तब कुछ लोग तालाब में घुसकर पानी मे डुबकी लगाकर बच्चे को खोजना शुरू कर दिया. जहां बारी-बारी से दोनों बालक को तालाब से बाहर निकाला गया. जिसमें एक बच्चे की सांसें चल रही थी. फिर परिजनों ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों बालक को सीएचसी उमगांव ले गए. लेकिन चिकित्सक ने दोनों बालक को मृत घोषित कर दिया. वहीं सूचना मिलते ही थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली. इधर घटना से आहत परिजनों का रोते रोते बूरा हाल हो रहा है. गांव में में मातम पसरा हुआ है. थानाध्यक्ष जितेन्द्र सहनी ने कहा कि पुलिस पहुंची थी. लेकिन परिजनों के द्वारा पोस्टमार्टम करने से मना कर दिया गया.

ब्रीफ न्यूज

बिहार की 9 महिला मुखिया होंगी स्वतंत्रता दिवस समारोह में स्पेशल गेस्ट, मोदी इस काम के लिए करेंगे सम्मानित

संवाददाता

पटना: बिहार की नौ महिला मुखिया को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुलावा भेजा है। सभी को स्वतंत्रता दिवस पर विशेष अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया है। जिन 9 महिला मुखिया को निमंत्रण भेजा गया है। उनमें पूर्वी चंपारण से सुनीता देवी, बक्सर की रेखा देवी, आकांक्षा बसु (खगड़िया), सिमरन राज (जहानाबाद), श्वेता सिंह (रोहतास), बेबी देवी (समस्तीपुर), भारती कुमारी (कटिहार), रूबी सोआब (अररिया) और सारण से गुंजन देवी शामिल हैं।पूर्वी चंपारण के छौड़ादानो ब्लॉक के महुआव पंचायत की ग्राम प्रधान सुनीता देवी (34) की खुशी का ठिकाना नहीं है। महुआवा पंचायत की मुखिया सुनीता देवी ने पंचायती राज द्वारा जारी निमंत्रण पत्र को गर्व से दिखाते हुए गर्व की बात बताया। 2021 में हुए पंचायत चुनाव में मुखिया पद के लिए अपनी पहली चुनावी लड़ाई में घर लौटकर आईं सुनीता देवी ने कहा, हमारे काम की मान्यता का यह प्रतीक हमें राष्ट्र को लाभ पहुंचाने के लिए अधिक प्रयास और उच्च स्तर के प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा।सुनीता देवी स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में शामिल होने वाली बिहार की नौ महिला प्रतिनिधियों में से एक हैं। निदेशक पंचायती राज हिमांशु कुमार राय ने पत्र जारी करते हुए जिला पंचायती राज अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे नौ सभी महिला जन प्रतिनिधियों को 12 अगस्त 2024 को राजेंद्र नगर टर्मिनल से दिल्ली के लिए ट्रेन में बैठाने का आदेश दें। वहीं जहानाबाद के काको ब्लॉक के बरावन पंचायत के ग्राम प्रधान सिमरन राज ने कहा, शायद मैं अपने लोगों और पंचायत के कामों में सबसे आगे रहा। वहीं पूर्वी चंपारण की सुनीता देवी ने कहा कि मुझे लगता है कि कटगेनवा में अशोक चक्र के प्रतीक के साथ भारत-नेपाल सीमा पर गेट का निर्माण, आंगनवाड़ी केंद्र और मनरेगा योजनाओं के तहत कटगेनवा हाई स्कूल की चार दीवारी की किलेबंदी जैसे काम जनता के बीच अच्छे रहे हैं। इस बीच, पूर्वी चंपारण के महुवा गांव का माहौल उत्साहित है। और ग्रामीणों को भी गर्व की अनुभूति हो रही है।

एनटीए को अरब सागर या बंगाल की खाड़ी में फेंक दो, नीट पर आरजेडी के मनोज झा का संसद में भाषण

संवाददाता

पटना: राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने शुक्रवार को नीट पेपर लीक मामले पर संसद में केंद्र सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को अरब सागर या बंगाल की खाड़ी में फेंक दिया जाए। झा ने शिक्षा व्यवस्था में कोचिंग सेंटरों के बढ़ते जाल पर भी गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कोचिंग और स्कूल फीस का स्ट्रक्चर गरीबों के अनुकूल नहीं है। राज्यसभा में बोलते हुए आरजेडी सांसद मनोज झा ने शुक्रवार को कहा कि विविधता में एकता ही भारत की शक्ति है। शिक्षा के मुद्दे पर पहले राज्यों को नीतिगत निर्णय लेने का अधिकार था। मगर 46वां संविधान संशोधन होने के बाद धीरे-धीरे यह मुद्दा राज्यों के हाथ से निकलता गया। भारत में भोजन, कपड़ा, भाषा, क्षेत्र से लेकर हर चीज में विविधता है। ऐसे में विविधताओं का सम्मान होना चाहिए। राज्यों को अपने अनुसार शिक्षा पर नीतियां बनाने का अधिकार मिलना चाहिए।झा ने आगे कहा कि पहले अंडर ग्रेजुएट कोर्स में एडमिशन के लिए थोड़ी बहुत दिक्कत होती थी। केंद्र सरकार ने उसके बदले सीयूईटी (कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट) की व्यवस्था कर दी। यह कोचिंग सेंटरों का पितामह हो गया। इसने कोचिंग व्यवस्था को जन्म दे दिया। पहले दिल्ली यूनिवर्सिटी के पॉलिटिकल साइंस या किसी कोर्स में एडमिशन के लिए कोचिंग नहीं लेनी पड़ती थी। मगर सीयूईटी के आने के बाद छात्र-छात्राओं को कोचिंग करनी पड़ रही है। यह बहुत चिंताजनक है। मनोज झा ने कोचिंग संस्थानों और स्कूलों के फीस स्ट्रक्चर पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह आम लोगों के हिसाब से नहीं है। उन्होंने बिहार में जातिगत एवं आर्थिक सर्वे की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि राज्य में 35 फीसदी परिवारों की मासिक आमदनी 6000 रुपये या उससे कम है। ऐसे में शिक्षण संस्थानों का फीस स्ट्रक्चर उनके कहां काम आता है। नीट पेपर लीक पर बोलते हुए आरजेडी सांसद ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भले ही परीक्षा दोबारा कराने से इनकार कर दिया। मगर अदालत ने अपने फैसले में बहुत बातें कहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पटना और हजारीबाग से लेकर गोधरा तक के बारे में जिक्र करते हुए कई बिंदु बताए। पूरी परीक्षा एक स्तर पर कॉम्प्रोमाइज हुई थी। स्टेट बोर्ड की अपनी प्राथमिकताएं होती हैं, उसका सम्मान इस तरह की परीक्षाएं नहीं किया करती हैं। उन्होंने अपने भाषण के अंत में कहा कि नीट जैसी परीक्षा आयोजित कराने वाली एजेंसी एनटीए को अरब सागर या बंगाल की खाड़ी में फेंक देना चाहिए।

सिवान के मुख्य डाकघर के कर्मियों की हाड़ताल: मेन गेट मे ताला बंद

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान 2अगस्त शुक्रवार। सिवान मुख्य डाक घर मे बीते दिन पोस्टमास्टर और सहायक डाक अधीक्षक के बिच हुई हाथपाई के वजह से सिवान डाक घर के कर्मी हड़ताल पर रहे। जिसे लोगो को परेशानियों का सामना करना पड़ा। डाककर्मियो ने मुख्य गेट मे ताला बंदी कर सहायक डाक अधीक्षक के खिलाफ नरबाजी की। बता दे की पैसा निकालने के लिए और पासपोर्ट अपॉइंटमेंट, डाक से सम्बन्धित कार्य के लिऐ दूर दराज से आए लोगो को वापस लौटना पड़ा। पैसा निकालने के लिए आय एक ग्राहक ने बताया की मै 15 किलोमीटर दूर से आया हू सावन महीना मे पूजा पाठ करने के लिय समान खरीदारी करना है।ऐसेही सैकड़ों ग्राहक परेशान दिखे। इधर डाककर्मियों ने बताया की कल गुरुवार को डाक अधीक्षक अमोद कुमार डाक घर मे पहुंच कर निरीक्षण करने लगे। पोस्टमास्टर संजय कुमार के साथ कुछ कहासुनी हो गई। जिसे हाथा बही हो गई। इधर डाककर्मियो ने बताया की सहायक डाक अधीक्षक को निरीक्षण करने का कोई अधिकार नहीं है।

जब तक छुआछूत है... चिराग की एलजेपी ने सुप्रीम कोर्ट से एससी-एसटी आरक्षण पर पुनर्विचार की मांग की

संवाददाता

पटना: केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी-रामविलास (एलजेपी-आर) ने सुप्रीम कोर्ट से एससी-एसटी आरक्षण में सब कैटगरी और क्रीमी लेयर बनाने के फैसले पर पुनर्विचार की मांग की है। लोजपा रामविलास ने गुरुवार को बयान जारी कर कहा कि वह शीर्ष अदालत के फैसले की पक्षधर नहीं है। पार्टी के संस्थापक दिवंगत रामविलास पासवान की बात को दशार्ते हुए पार्टी ने कहा कि जब तक समाज में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के खिलाफ छुआछूत जैसी प्रथा है। तब तक एससी-एसटी श्रेणियों को सब-कैटगरी में आरक्षण और क्रीमी लेयर जैसे प्रावधान नहीं होने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक ऐतिहासिक फैसले में कहा कि आरक्षण के लिए एससी और एसटी वर्गों के अंदर सब कैटगरी बनाई जा सकती है। यानी कि अब एससी-एसटी आरक्षण के अंदर सब कोटा बनाकर विशिष्ट जातियों को अलग से आरक्षण दिया जा सकता है।

शीर्ष अदालत ने ओबीसी की तर्ज पर एससी और एसटी वर्ग में भी क्रीमी लेयर को आरक्षण से बाहर रखने का फैसला भी सुनाया। यानी कि एससी और एसटी वर्ग के जो अमीर लोग हैं, उन्हें आरक्षण के दायरे से वंचित किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को एससी-एसटी वर्ग में क्रीमी लेयर की पहचान करने के संबंध में नीति बनाने के भी निर्देश दिए।सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर सियासी घमासान मचा हुआ है। बिहार में दलित राजनीति करने वाली चिराग पासवान की पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का समर्थन नहीं किया है और पुनर्विचार की मांग भी कर दी है। वहीं, लोजपा रामविलास की सहयोगी और बिहार के मुख्य सत्ताधारी पार्टी जेडीयू ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। जेडीयू नेता और नीतीश सरकार में मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि बिहार ने पहले ही महादलित और अति पिछड़ा जैसी सब-कैटगरी बनाई हुई है। सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला बिहार सरकार के पुराने रुख की पुष्टि करता है।

मां जानकी की नगरी सीतामढ़ी जिला में 2 लाख सदस्य बनाएगी राष्ट्रीय लोक मोर्चा

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सीतामढ़ी 2 अगस्त कफील एकबाल : जिले में राष्ट्रीय लोक मोर्चा 2 लाख से ज्यादा सदस्य बनाएगी , इसके लिए आगामी 9 अगस्त क्रांति दिवस से जिले में सदस्यता अभियान की शुरूआत किया जाएगा। इस जिले के सभी सत्रह प्रखंडों में राष्ट्रीय लोक मोर्चा सुप्रीमो व भारत सरकार के पूर्व मंत्री श्री उपेंद्र कुशवाहा के नीति और सिद्धांतों को सदस्यता अभियान के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने की जरूरत है। उक्त बातें आज सीतामढ़ी राष्ट्रीय लोक मोर्चा के जिला कार्य समिति की विशेष विस्तृत बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए राष्ट्रीय लोक मोर्चा बिहार के प्रदेश महासचिव व प्रवक्ता सह क्षेत्रीय प्रभारी एवं ढाका विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक प्रत्यासी श्री राम पुकार सिन्हा ने कही । बैठक की अध्यक्षता पार्टी के जिला अध्यक्ष व बथनाहा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी चंद्रिका पासवान तथा

संचालन जिला प्रधान महासचिव संजीर आलम मंसूरी ने की । बैठक में जिला संगठन प्रभारी और प्रदेश उपाध्यक्ष मोहम्मद रियाज अहमद एवं प्रदेश महासचिव श्री रमेश सिंह कुशवाहा ने अपने संबोधन में पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस जिले में रिकॉर्ड तोड़ सदस्यता अभियान को सभी प्रखंडों में चलने की जरूरत है। पार्टी के सदस्यता अभियान को बूथ स्तर पर ले जाने की जरूरत है । राष्ट्रीय लोक मोर्चा के सभी पदाधिकारी युद्ध स्तर पर सदस्यता अभियान में 9 अगस्त से लग जाए। बैठक में मुख्य रूप से पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष राम लक्ष्मण सिंह कुशवाहा, महंत सिंह कुशवाहा, प्रदेश महासचिव रामबली सिंह ,राघवेंद्र सिंह रवि, प्रमोद आनंद, युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रामलगन कुशवाहा महिला प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष पूजा सिंह किसान प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष राज किशोर सिंह उर्फ दारा सिंह व्यवसायिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष संजीत कुमार आईटीसी के जिला अध्यक्ष सुजीत कुशवाहा ,आई टी सेल के प्रदेश नेता उदय कुशवाहा ,आलोक कुमार सिंह ,ओम प्रकाश सिंह ,ओम प्रकाश कुशवाहा नीरज कुशवाहा मोती पासवान ,जय किशन सिंह, राम विनय सिंह, राम प्रमोद सिंह ,विजय झा, निरंजन कुशवाहा, पवन कुशवाहा अवनीश कुमार, राम जयप्रकाश महतो कुमकुम कुशवाहा, अजय कुमार आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे ।

दुरौंधा प्रखण्ड विकाश पदाधिकारी ने अपना अगस्त महीना का कार्य तालिका जारी की।

अनुमंडल दुरौंधा 2अगस्त शुक्रवार। प्रखण्ड विकाश पदाधिकारी श्री सूर्य प्रताप सिंह सेंगर ने पत्रांक 745 दिनांक 2अगस्त 24 को जारी कर सिवान जिले के इकलौता प्रखण्ड विकाश पदाधिकारी है जो पुरे अगस्त महीना का अपना कार्य दिवस का कार्य तालिका जारी की। जिसमें किस तारीख को कौन से कार्य और किस स्थान पर निष्पादन करेगे इसकी जानकारी प्रखण्ड अंर्तगत सभी प्रखंड कर्मी और जनता, जनप्रतिनिधियों को साझा की।

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज अनुमंडल दुरौंधा 2अगस्त शुक्रवार। प्रखण्ड विकाश पदाधिकारी श्री सूर्य प्रताप सिंह सेंगर ने पत्रांक 745 दिनांक 2अगस्त 24 को जारी कर सिवान जिले के इकलौता प्रखण्ड विकाश पदाधिकारी है जो पुरे अगस्त महीना का अपना कार्य दिवस का कार्य तालिका जारी की। जिसमें किस तारीख को कौन से कार्य और किस स्थान पर निष्पादन करेगे इसकी जानकारी प्रखण्ड अंर्तगत सभी प्रखंड कर्मी और जनता, जनप्रतिनिधियों को साझा की। वही प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री सूर्य प्रताप सिंह सेंगर ने बताया की इस अगस्त महीना के कार्य तालिका के बाद भी और जो भी कार्य होगे उसके निपटारा करना करना मेरा और मेरे अधिनस्त कर्मी की पहली प्राथमिकता हो

उधार चुकाने को लेकर खुद को किया अगवा, 3 साल से खेल रहा था ऑनलाइन गेम

पटना। में ऑनलाइन गेम के चक्कर में एक शख्स ने लगभग 40 लाख कर्ज लिया। इस रुपए को उसने बिग डैडी ऑनलाइन गेम में गंवा दिया। अब जिन लोगों से उसने कर्ज लिया, वो पैसा लौटाने को लेकर दबाव बना रहे थे। इससे परेशान होकर शख्स ने खुद के अपहरण की साजिश रची। पत्नी ने थाना में अपने पति के अपहरण का मामला दर्ज कराया। पुलिस एक्टिव हुई तो खुद थाना पहुंचकर शख्स ने अपने आप को सुरक्षित बताया। इसके बाद झूठी अपहरण की खबर फैलाने के जुर्म में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। रूपसपुर थाना क्षेत्र के गोला रोड में रहने वाली मनीषा कुमार ने अपने पति अमित रंजन के अपहरण को लेकर थाने में मामला दर्ज कराया। मनीषा ने बताया कि 25 जुलाई की सुबह अमित खगड़िया जाने की बात बोल कर घर से निकले थे। दोपहर में उनसे बात हुई थी। उन्होंने कहा था कि कुछ देर बाद खगड़िया पहुंचने वाला हूं। इसके बाद कोई बात नहीं हुई। 26 जुलाई की सुबह पति के नंबर से मेरे वॉट्सऐप पर मैसेज आया। जिसमें लिखा था कि मेरा अपहरण हो गया है। बिना किसी को बताए 20 लाख का इंतजाम करो, नहीं तो ये लोग मुझे मार देंगे। फिर इसी दिन सुबह 11 बजे के करीब किसी दूसरे शख्स ने अमित के नंबर से फोन किया और कहा कि फिरौती नहीं देने पर अंजाम बुरा होगा। पुलिस एक्टिव हुई तो सोमवार की शाम अमित रंजन भागा-भागा थाना पहुंचा और खुद के सुरक्षित होने की जानकारी

दी। दानापुर की एएसपी दीक्षा ने बताया कि अमित रंजन बरबीघा के शेरपुर का रहने वाला है। वर्तमान में अपनी पत्नी के साथ गोला रोड स्थित लव कुश नगर में किराए के मकान में रहता है। पत्नी ने अगवा कर 20 लाख रुपए की फिरौती मांगे जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने गंभीरता से मामले की छानबीन शुरू की। अनुसंधान के बीच ही अमित थाना पहुंच गया। पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए। अमित रंजन को ऑनलाइन गेम खेलने की लत थी। गेम में पैसा लगाने से 20 से अधिक लोगों से 40 लाख का कर्ज लिया था। सारे पैसे ऑनलाइन गेम में हार चुका था। कर्ज देने वाले लोग पैसे मांग रहे थे। कर्ज से छुटकारा पाने के लिए उसने खुद के अपहरण की साजिश रची। ताकि फिरौती की रकम से सारा कर्ज चुका दे। अमित के परिचित देव कुमार बताते हैं कि लॉकडाउन के पहले वो दिल्ली में प्राइवेट काम करता था। कोरोना के चलते काम बंद होने के कारण पटना आ गया। यहां आने के बाद एक प्राइवेट कंपनी में काम करने लगा। बचकर इधर-उधर भागता रहा। परेशान होकर कई बार तो उसने कमरा भी बदला था। अपना मोबाइल भी बंद रखता था। धीरे-धीरे लोग उसके घर तक पहुंचने लगे। पैसा वापस नहीं करने पर अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहने की धमकी देने लगे। इसी से छुटकारा पाने के लिए अमित ने ये साजिश रची थी। बिग डैडी एक ऑनलाइन गेम है। इसको दो फॉर्मेट में खेला जाता है। एक है हॉरर थ्रिलर और दूसरा है रंग चुनकर उस पर पैसा लगाना। इस गेम में खिलाड़ी को एक भूतिया घर में फंसे हुए बच्चों को बचाना होता है। जबकि, उसे घर के मालिक 'बिग डैडी' से बचकर निकलना होता है। इस गेम में पैसा जमा करने के बाद आपको लाइफ दिया जाता है। आप जितना गेट पार करते जाते हैं, उतना पैसा आपको मिलते जाता है। इस गेम में जैसे-जैसे आपकी लाइफ खत्म होती जाती है, आपका पैसा भी कम होते जाता है। आपके मरते ही आपके पूरा पैसा खत्म हो जाता है। आपको फिर से गेम शुरू करने के लिए पैसा लगाना पड़ता है। बिग डैडी गेम में यूजर के लिए रंग चुनकर पैसा कमाने का भी ऑप्शन है। इस गेम में रंग के दो ऑप्शन है ग्रीन और रेड। आप जिस रंग की भविष्यवाणी करते हैं और आपका लक सही हुआ तो चुना हुआ रंग आ जाएगा। जिसके बाद आपने जितना पैसा इंवेस्ट किया है, वो डबल या ट्रिपल हो जाएगा। इस गेम में 50 रुपए से लेकर लाखों रुपए लगा सकते हैं। यह गेम एक मायाजाल है। बात की जानकारी हो जाती है कि किस रंग पर ज्यादा पैसा लगा है।

सिगरेट न देने पर मारपीट, तीन लोग हुए घायल

भोजपुर। जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के छपरापुर गांव में बुधवार की देर शाम किराना दुकानदार से सिगरेट न देने को लेकर विवाद हो गया। जिसमें पिताझपुत्र समेत तीन लोगों की बेहरमी से पिटाई कर दी गई। लोगों की मदद से मामले को शांत कराया गया। सभी जख्मियों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां सभी का इलाज कराया जा रहा है। जख्मियों में उदवंतनगर थाना क्षेत्र के छपरापुर गांव निवासी राज कुमार साह के 42 वर्षीय पुत्र उपेंद्र सिंह, इनके 18 वर्षीय पुत्र पंकज साह और चाचा स्व. मोती लाल साह के 55 वर्षीय पुत्र हीरा लाल साह है। जख्मी उपेंद्र सिंह ने बताया कि उनके गांव में दो जगह किराना की दुकान है। मंगलवार की रात करीब 11 बजे गांव के लोग नशे में धुत्त होकर दुकान पर आए और चिल्लाकर सिगरेट मांगने लगे। इस दौरान दुकान बंद रहने के कारण दरवाजे पर लात से मारने लगे। कुछ देर बीत जाने के बाद गाली-गलौज करते हुए चले गए। मेरा बेटा गांव के मुसहर टोली स्थित दुकान पर समान लेकर जा रहा था तभी उक्त लोग वहां पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए मार पीट शुरू कर दी। सामान को रास्ते में फेंक दिया। जब हमलोग बेटे को बचाने के लिए पहुंचे तो वे लोग लाठीझडंडे से मारने लगे। अन्य लोगों की मदद से मामले को शांत कराया गया। इसके बाद सभी को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। डॉक्टर सूर्यकांत निराला ने बताया कि सभी जख्मियों का इलाज कर दिया गया है। दो लोगों का एक्स-रे और सीसीटीवी स्कैन कराया जा रहा है। मामला शांत होने के बाद पीड़ित परिवारों ने इस घटना की शिकायत की है

बेगूसराय में गले में रस्सी बंधी मिली लाश, मुखिया के भतीजे पर मर्डर का आरोप

बेगूसराय। में आठवीं क्लास के एक छात्र शिवम की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी गई। इसके बाद बदमाशों ने उसके प्राइवेट पार्ट को भी काट दिया। फिर लाश को मृतक के घर के पीछे बगीचे में फेंक दिया। मृतक के पिता नंदू रजक ने मुखिया के भतीजे पर हत्या का आरोप लगाया है। नंदू रजक का कहना है कि मुखिया का भतीजा मंगलवार की रात घर आया था। उसने मेरे बेटे से कहा कि भोज में खाना खाने चलना है। मेरा बेटा उसका साथ चला गया, लेकिन देर

रात शिवम घर नहीं पहुंचा। बुधवार को खोजबीन के बाद शिवम का शव घर के पीछे बगीचे में मिला। नंदू रजक के मुताबिक, शिवम के शव के गले में रस्सी थी और उसके प्राइवेट पार्ट को काट दिया गया था। मृतक के पिता का आरोप है कि जमीन के विवाद में मुखिया सुरेंद्र पासवान के भतीजे अवनीत कुमार ने मेरे बेटे की हत्या की है। वारदात लाखों थाना इलाके के आजाद नगर कासिमपुर गांव की है। घर के पीछे बगीचे में शिवम की लाश मिलने के बाद परिजन हैरान रह गए। घटना की सूचना लाखो थाना की पुलिस को दी गई। घटना को लेकर परिजनों ने बताया कि बहदरपुर पंचायत के मुखिया के परिवार से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। मुखिया के परिवार के लोगों ने ही शिवम की हत्या की है। कि फांसी लगाकर मरा है। पर यह गलत था। एफएसएल की टीम ने घटनास्थल की जांच की है। परिजन के आवेदन के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

तरैया सीओ पर एक्शन,पटना मुख्यालय में डेपुटेशन

छपरा। के तरैया सीओ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वह घूस लेने हुए नजर आ रही है। वीडियो वायरल होने के बाद विभाग ने उनके खिलाफ एक्शन लिया है। सीओ श्रेया मिश्रा के खिलाफ लेटर जारी हुआ है। विभाग मुख्यालय पटना में सेवा देने का आदेश जारी किया गया है। वीडियो वायरल होने के बाद बड़ी कार्रवाई हुई है। जारी पत्र के अनुसार प्रशासनिक दृष्टिकोण से राजस्व और भूमि सुधार विभाग, पटना मुख्यालय में इन्हें डेपुटेशन किया गया है। पत्र जारी होने के बाद पूरे प्रशासनिक महकमा में यह चर्चा का विषय बना हुआ है। इसे

जांच के दायरे में प्रशासनिक कार्रवाई मानी जा रही है। हालांकि, वीडियो के वायरल होने के बाद श्रेया मिश्रा के 10 दिनों के छुट्टी पर जाने की बात सामने आई है। वहीं, वायरल वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि अंचलाधिकारी श्रेया मिश्रा 500 रुपए के नोट का बंडल ले रही है। हालांकि,इस वीडियो में उन्हें पैसे देने वाले का चेहरा नजर नहीं दिख रहा है। लेकिन, यह मालूम चल रहा है कि किसी काम को लेकर पैसों के लेनदेन से संबंधित बातचीत हो रही है। वहीं, 500 रुपए का बंडल लेते हुए सीओ पूछती यह पूछती हुई नजर आ रही है कि यह कितने रुपए है। इसके बाद रिश्वत देने वाला बताता है कि यह 21 है। वायरल वीडियो पहले भोजपुर जिला के शाहपुर प्रखंड का बताया गया था। वीडियो वायरल किया गया है। वहीं, श्रेया मिश्रा पर कार्रवाई को वायरल वीडियो मामले से जोड़कर देखा जा रहा है।

हाजीपुर में शिक्षिका का सिर फोड़ा, हेडमास्टर के रूम में लोगों ने जड़ दिया ताला

वैशाली। में एक टीचर की पत्नी ने स्कूल पहुंचकर एक शिक्षिका का सिर फोड़ दिया। साथ ही गाली-गलौज भी की। मौके पर जमकर बवाल काटा। घटना सहदेई बुजुर्ग प्रखंड के नयागांव पूर्वी पंचायत स्थित मध्य विद्यालय की है। मारपीट का मामला बुधवार का है। घटना की जानकारी मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को दी। हालांकि, इस घटना को लेकर गुरुवार को भी स्कूल में करीब 1.30 घंटे तक हंगामा हुआ। आज भी पुलिस पहुंची और लोगों को समझा-

बुझाकर मामला शांत करवाया। घटना के संबंध में बताया गया है कि मध्य विद्यालय नयागांव में पदस्थापित शिक्षक मिथिलेश राय की पत्नी बुधवार की शाम स्कूल बंद होने से कुछ समय पहले वहां पहुंची। विद्यालय की शिक्षिका को ईंट से मारकर उसका सिर फोड़ दिया। इसके बाद मिथिलेश राय की पत्नी ने शिक्षिका पर कई गंभीर आरोप लगाए। स्कूल के आसपास मौजूद लोग हंगामा सुनते ही स्कूल में जुट गए। इसके बाद विद्यालय में बवाल शुरू हो गया। स्थानीय लोगों ने घटना से आक्रोशित होकर विद्यालय के हेडमास्टर कक्ष में और गार्ड कक्ष में ताला जड़ दिया। उन्होंने कहा कि जब तक इस प्रकार की व्यवस्था में सुधार नहीं होगा, ताला नहीं खुलेगा। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम ने लोगों को समझा-बूझाकर मामले को शांत करने की कोशिश की। स्कूल का गार्ड घायल टीचर को बाइक से अस्पताल ले गया। घटना की सूचना मिलने के बाद BDO प्रिया कुमारी और देसरी थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंची। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय पंकज कुमार सिंह ने बताया कि मास्टर और शिक्षिका स्कूल में गलत काम करते पकड़े गए हैं।

बारिश में गिली मिट्टी की दीवार गिरी, 4 घायल

औरंगाबाद। के रफीगंज में मिट्टी की दीवार गिरने से एक मासूम समेत चार लोग घायल हो गए। घटना रफीगंज थाना क्षेत्र के खडोखर गांव की है। घायलों को रफीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। घायल में खडोखर गांव निवासी प्रयाग मिस्त्री के पुत्र सूरज कुमार शर्मा, सूरज कुमार शर्मा की पत्नी संध्या देवी, 18 माह की बेटी चांदनी कुमारी और प्रवासी कुंवर शामिल हैं। घायल को डॉक्टर अरविंद कुमार सिंह ने प्राथमिक उपचार किया। घायल सूरज कुमार शर्मा, संध्या देवी और प्रवासी कुंवर को बेहतर इलाज के लिए गया मगध मेडिकल रेफर कर दिया। घायल के परिजन सोनी देवी ने कहा कि बुधवार को हुई बारिश के कारण मिट्टी की दीवार गीली हो गई थी। घटना के समय कुछ लोग घर में सोए हुए थे। कुछ लोग घर का कार्य कर रहे थे। मगध मेडिकल रेफर कर दिया गया है।

गया में वज्रपात से 5 लोगों की मौत

गया। के बेलागंज थाना क्षेत्र के पनारी गांव में वज्रपात से पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए बेलागंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार किया जा रहा है। मृतकों की पहचान पनारी गांव निवासी जितेंद्र दांगी, जितेंद्र की पत्नी मीना देवी, शंकर राम, कपिल यादव और बाली भगत के रूप में हुई है। वहीं घायलों की पहचान मोती लाल प्रजापत, राजू सिंह, अनिल सिंह के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुटे हुए हैं। वहीं बेलागंज थाने के पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई है। पनारी में आकाशीय बिजली गिरने हुए दर्दनाक हादसे में घायल हुए लोगों का कहना है कि शाम करीब साढ़े 4 बजे बारिश शुरू हुई। बारिश से बचने के लिए कुछ लोग पास के केबिन (मोटर पंप का पक्का कमरा) में छिपने के लिए चले गए। केबिन में कुल 8 लोग छिपे थे। 8 में से 5 जमीन पर बैठे थे और 3 केबिन में रखी हुई खटिया पर बैठे थे। इसी बीच केबिन के पास ही पूरी चमक और जबरदस्त आवाज के साथ आकाशीय बिजली गिरी। आकाशीय बिजली के गिरते ही केबिन अंदर बैठे लोगों के बीच हड़कंप मच गया। जमीन पर बैठे लोग मौके पर ही झुलस गए और मौके पर ही दम भी तोड़ दिया। सरकारी अस्पताल में ले जाया गया। अस्पताल के डॉक्टरों ने 5 लोगों मत बताया।

लड़की वालों ने 4 लोगों को जिंदा जलाया था; पिता ने पहले ही तोड़ा दम

बेगूसराय। में एक प्रेमी 9 दिन तक जिंदगी और मौत से जूझता रहा और अंत में तड़प-तड़प कर उसकी मौत हो गई। प्रेम प्रसंग में प्रेमिका के घर वालों ने 22 जुलाई की रात एक ही परिवार के 4 सदस्यों को जिंदा जला दिया था। घटना में पिता मोहम्मद साबिर की पहले ही मौत हो गई थी। घटना के 9 दिन बाद बुधवार की रात ब्वॉयफ्रेंड मोहम्मद अरमान (25) ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वो 90 फीसदी झुलस गया था। जबकि मां-बेटी अभी अस्पताल में भर्ती हैं। मोहम्मद अरमान की मां ने बताया था कि घटना से कुछ दिन पहले मेरे बेटे को आरोपियों ने कहा था- मार देंगे, काट देंगे, जला देंगे। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई कि युवक का एक लड़की के साथ अफेयर चल रहा था, जिसका लड़की के परिवार वाले विरोध करते थे। युवक ने लड़की के परिवार वालों की बात नहीं मानी तो उसे उसके परिवार के साथ जिंदा जला दिया गया। इस पूरे केस से एक खोजी कुत्ते ने पर्दा हटाया था। मामला बलिया थाना क्षेत्र के सत्ती चौरा का है। कुछ दिन पहले डॉग स्क्वायड की टीम गई थी। जांच के दौरान खोजी कुत्ता प्रेमिका के घर में गया और बिस्तर पर बैठ गया था। जिसके बाद पुलिस ने प्रेमिका के भाई और पिता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एक खोजी कुत्ते ने इस अग्निकांड की पूरी कहानी को खोल कर रख दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मोहम्मद साबिर के बेटे मोहम्मद अरमान (25) का प्रेम संबंध घर से करीब 100 मीटर दूर

छोटे मियां के बेटे साबिर की 15 साल की बेटी से करीब एक साल से चल रहा था। दोनों में खूब बातें होती थी। जहां-तहां दोनों मिलते भी थे। अरमान ग्रेजुएशन पार्ट-2 में था। वह उर्दू में फाजिल डिग्री हासिल कर चुका था। 11 मार्च से 9 अप्रैल तक स्थानीय मस्जिद में कुरान सुनाने के लिए जा रहा था। इसी दौरान उसके प्रेम संबंध की जानकारी लोगों को हुई थी। 9वीं में पढ़ने वाली प्रेमिका जब स्कूल जाती थी तो रास्ते में भी दोनों की मुलाकात होती थी। रात में फोन पर खूब बातें होती थी, लेकिन अरमान घर पर रहता था तो उसे बात करने में कुछ परेशानी होने लगी। रमजान के दौरान अरमान ने घर के बदले मस्जिद में ही रहना शुरू कर दिया। मस्जिद में रहता था तो फोन पर बात करने से कोई रोकने-टोकने वाला नहीं था। इसी बीच अरमान के प्रेम-प्रसंग की जानकारी उसकी प्रेमिका के पिता और भाई को हो गई। वो इससे काफी आक्रोशित हो गए। अपनी बेटी को रोक-टोक करने के साथ ही उन्होंने अरमान को भी बात नहीं करने की धमकी दी थी। कहा था कि सुधर जाओ नहीं तो इसका अंजाम बहुत बुरा होगा। अरमान के पिता को भी इसकी जानकारी दी गई थी। अरमान अपनी हर गतिविधि की जानकारी अपनी प्रेमिका को देता था। 21 जुलाई को जब वह किसी काम से बेगूसराय शहर आया था तो इसकी भी जानकारी उसने प्रेमिका को दे दी थी। शहर से लौटने के बाद रात में करीब 11 बजे उसने अपनी प्रेमिका को फोन किया और सुबह 4 बजे तक दोनों में खूब लंबी बातें हुईं। इसकी भनक जब लड़की के पिता मोहम्मद साबिर और भाई तनवीर को लगी तो दोनों ने क्विक एक्शन लेने का निर्णय लिया और अपने रिश्तेदार को 22 जुलाई की रात में हमला करने के लिए तैयार कर लिया। थी। आरोपियों ने पिता-बेटे की चौकी पर पेट्रोल छिड़का और मशाल से आग लगा दी। इसी बीच पिता की नींद खुल गई और उन्होंने एक बदमाश को पकड़ कर शोर मचाना शुरू कर दिया, लेकिन वो किसी तरह भाग निकला।

संक्षिप्त डायरी

महात्मा गांधी सेतु से युवक ने लगाई छ्लांग, मौत

वैशाली। के गंगाब्रिज थाना क्षेत्र के महात्मा गांधी सेतु पाया नंबर 5 के पास से एक युवक ने नीचे छलांग लगा दी। इससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। इससे घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद आसपास स्थानीय लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। स्थानीय लोगों द्वारा घटना की सूचना गंगाब्रिज थाने की पुलिस को दी गई। सूचना मिलती ही मौके पर पहुंची गंगाब्रिज थाने की पुलिस ने युवक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम की कवायत शुरू कर दी है। मृतक युवक की पहचान औद्योगिक थाना क्षेत्र के राजपूत कॉलोनी निवासी दशरथ महतो के बेटे चिंटू महतो(40) के रूप में हुई है। बताया गया है कि युवक पारिवारिक कलह की वजह से काफी तनाव में था। युवक ने महात्मा गांधी सेतु पाया नंबर 5 के पास से कूद कर आत्महत्या कर लिया। मृतक की 2 बेटी है। मृतक हाजीपुर के निजी नर्सिंग होम में काम कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। युवक की मौत हो जाने से परिजनों में कोहरा मच गया है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। 2 बेटियों के सिर से पिता का साया उठ गया है।

पड़ोसी प्रॉपर्टी डीलर ने की पूर्व चेयरमैन की हत्या

पूर्णिया। नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन अवधेश यादव के सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। हत्या करने वाले शख्स की मृतक के परिजनों ने पहचान कर ली है। पुलिस की माने तो पड़ोसी और प्रॉपर्टी डीलर राहुल यादव से अवधेश ने डेढ़

लाख रुपए लिए थे। जिसे देने में वो आनाकानी कर रहे थे। इसी के चलते उनकी हत्या हुई है। पुलिस ने इस मामले में एक शख्स को गिरफ्तार किया है। घर वालों ने बताया कि राहुल ने पहले फोन कर अवधेश को अपने घर बुलाया। वो अवधेश के साथ उनके घर तक गया। इस बीच उसने पीछे से पूर्व चेयरमैन के सिर में गोली मार दी। घटना बुधवार शाम की है। बताया जा रहा राहुल जमीन ब्रोकर है और अवधेश भी मैरिज हॉल चलाने के अलावे प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते थे। परिजनों के अनुसार राहुल से उनकी कोई दुश्मनी नहीं थी, लेकिन राहुल शहर का टॉप प्रॉपर्टी डीलर बनना चाहता है। लोगों के बीच अपने नाम की दहशत फैलाना चाहता है। शहर के एक कुख्यात का संरक्षण भी है। भले ही गोली राहुल ने चलाई है पर घटना में और बदमाश भी शामिल हैं। स्थानीयों लोगों के मुताबिक बेहद कम वक्त में राहुल ने कसबा में जमीन की खरीद बिक्री में अपनी पहचान बना ली थी। पूर्व चेयरमैन भी ब्रोकरी का काम किया करते थे। इसी दौरान जमीन को लेकर दोनों के बीच टेंशन चल रहा था। इसी विवाद में राहुल ने पूर्व चेयरमैन को टारगेट किया और फिर उनकी गोली मारकर हत्या कर दी। पूर्व चेयरमैन के भतीजे संतोष यादव ने बताया कि कसबा थाना क्षेत्र में तिनपनियां स्थित घर के पड़ोसी स्वर्गीय विनोद यादव के बेटे राहुल यादव ने साजिश के तहत चाचा की गोली मारकर हत्या की है। सुबह चाचा इलाज के लिए मुजफ्फरपुर गए थे। जब वे शाम 7:30 बजे घर पहुंचे, तो देखा कि राहुल यादव के घर के बाहर चार से पांच बाइक लगी हुई है और अंदर कई लोगों का जमावड़ा है। वारदात से ठीक पहले राहुल यादव ने शाम करीब 8:15 बजे उनके चाचा पूर्व चेयरमैन अवधेश यादव को कॉल किया और अपने घर के बाहर बुलाया। वहां से वो उनके साथ- साथ उनके घर तक आया और ठीक 8 बजकर 28 मिनट पर राहुल ने पीछे से उनके सिर में गोली मार दी। परिजनों ने बताया कि समूचा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। सीसीटीवी फुटेज में कैद तस्वीरों के आधार पर राहुल यादव की पहचान की गई है। साजिश की तरह पूर्व चेयरमैन को मारा गया है। पूर्णिया में कसबा नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन अवधेश यादव की हत्या मामले में परिजनों ने मुख्य आरोपी राहुल यादव समेत 8 लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने इनमें से एक गोलू झा नाम के युवक को हिरासत में लिया है। नामजद अपराधियों में गोलू झा का भी नाम शामिल है। एसपी उपेंद्र नाथ वर्मा के अनुसार, पुलिस की पूछताछ में गोलू ने बताया है कि पैसे की लेनदेन को लेकर हुए विवाद में पूर्व चेयरमैन की हत्या की गई। पूर्व चेयरमैन अवधेश यादव पर राहुल यादव का डेढ़ लाख रुपए बकाया था। जिसे देने में वो आनाकानी कर रहे थे। इसी को लेकर राहुल ने इस वारदात को अंजाम दिया।

श्री कृष्ण जन्मभूमि ईदगाह मामले में हाई कोर्ट के निर्णय से हिंदू वादीयो मैं उत्साह, एक दूसरे को गुलाल लगा एवं मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया

श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास द्वारा आज हाई कोर्ट द्वारा 7 रुल 11 को खारिज करते हुए सभी 18 मुकदमों को सुने जाने का फैसले का स्वागत किया एवं न्यास के पदाधिकारी ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर मिठाई खिलाकर एक दूसरे को बधाई दी न्यास के अध्यक्ष एवं हिंदू पक्षकार दिनेश शर्मा ने कहा कि माननीय हाई कोर्ट न्यायाधीश श्रीमान मयंक जैन द्वारा जो फैसला दिया है वह सराहनीय है मुस्लिम पक्ष हमेशा से इस मामले को उलझन चाहता था आज माननीय न्यायालय ने यह माना कि सभी 18 मुकदमे सुनने योग्य हैं जल्द ही सर्वे की मांग कर मुकदमों को आगे बढ़ाया जाएगा हमें विश्वास है साध्य के आधार पर जो भी फैसला आएगा वह हिंदू पक्ष में आएगा और एक दिन भगवान श्री कृष्ण का भव्य मंदिर निर्माण होगा यह पहली सीढ़ी है जो आज पर हुई है भविष्य में भी हमें जीत की पूरी उम्मीद है क्योंकि हिंदू पक्ष पर सभी सबूत मौजूद हैं जो मान्य न्यायालय में प्रस्तुत किए जा चुके हैं इस अवसर पर श्री कृष्ण जन्मभूमि गेट नंबर 1 पर सभी हिंदू वीडियो ने भगवान योगेश्वर श्री कृष्णा के जयकारे लगाए अयोध्या हुई हमारी है अब मथुरा की बारी है कृष्ण भक्त सब आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे राष्ट्रीय महामंत्री अश्वनी शर्मा, राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेश पाठक,प्रदेश मंत्री विनीता शर्मा, जिला अध्यक्ष गुंजन शर्मा, रुकमेश शर्मा जिला महामंत्री, राजेश कृष्ण शास्त्री, महानगर अध्यक्ष नरेश ठाकुर, विश्व हिंदू परिषद नेता जयराम शर्मा, आदि उपस्थित थे

केएम विश्वविद्यालय परिवार ने निकला तूफानी डाक कांवड़ यात्रा पर

मथुरा। श्रीकृष्ण की नगरी श्रावण मास में शिव के रंगी हुई है। मथुरा के पालीडूंगरा स्थित केएम विश्वविद्यालय का परिवार कुलाधिपति किशन चौधरी के निदेर्शानुसार आज कैम्पस से प्रथम तूफानी डाक कांवड़ यात्रा लेकर निकला है, जिसमें विवि और केएम मेडीकल हॉस्पिटल का स्टाफ शिव की भक्ति में नाचते, झूमते, गाते दुपहिया वाहनों से मां गंगाजी लेने गए। शुक्रवार त्रियोदशी शिवरात्रि पर विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी की अगुवाई में कैम्पस स्थित महादेव मंदिर में भोले बाबा का जलाभिषेक किया जाएगा। प्रथम तूफानी डाक कांवड़ यात्रा का सुबह कैम्पस में पूजा अर्चना की गई। केएम विवि

के प्रशासनिक अधिकारी देवी सिंह (डीएम), रजिस्ट्रार पूरन सिंह, सब रजिस्ट्रार सुनील अग्रवाल ने डाक कांबड़ यात्रा को भगवाध्वज दिखाकर रवाना किया। इस दौरान सौंख रोड पर आस्था का सैलाब देखने को मिला। डीजे पर भजनों की मस्ती के साथ भोले के शिवभक्त झूम रहे हैं। कांवड़ यात्रा की अध्यक्षता नितेश चौधरी ने की व यात्रा में अजय तौमर, वीरेन्द्र सिसौदिया, देवेन्द्र चौधरी, दीपक, पंकज चौधरी, त्रिलोकी चौधरी, जुगल किशोर यादव, राहुल कुंतल, प्रतीक अग्रवाल, अमित कुमार, अभिषेक फौजदार, विक्रम ठाकुर, मोनू कुंतल, अश्वनी कुंतल, विष्णु कुमार, मयंक चौधरी, राहुल चौधरी, संदीप कुंतल, अंकित कुंतल, मनीष सैनी, देवेन्द्र गौर, सुमित ठाकुर, विष्णु, अनूप कुंतल, ललित कुंतल, सतेन्द्र चौधरी, गौरव भारद्वाज, लवकुश राजपूत, अनूप ठाकुर, सतीश कुंतल, हरेश, तनुज अग्रवाल आदि शामिल रहे।

पूर्व क्षेत्राधिकारी को किया गया याद , दी गई श्रद्धांजलि

मथुरा । नगर की पॉश कॉलोनी राधा वैली में एक शोक सभा आयोजित कर पूर्व क्षेत्राधिकारी स्वर्गीय प्रबल प्रताप सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की गयीं। इस मौके पर उनसे जुड़े हुए उनके अनेक जानने वाले और मित्रों ने बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराकर संवेदनाएं व्यक्त किए । वक्ताओं ने कहा कि पुलिस विभाग में अनेक अधिकारी काम करते हैं लेकिन जो समाज के लिए और समाज के हित में लोगों के लिए बड़े सहायक बनते है उनको लोग याद रखते हैं। ऐसे ही एक मिलनसार,विनम्र और लोगों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहने वालों में एक थे स्वर्गीय प्रबल प्रताप सिंह आज यहां आकर हम लोगों ने उनकी याद तो की ही साथ ही उनके परिवार को ये ढांढस भी बंधाया कि वे अपने आप को कभी भी अकेला ना समझें हम सभी उनके साथ हर समय कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। शोक सभा के दौरान उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय प्रबल प्रताप सिंह के चित्र पर फूल मालाएं अर्पित की ओर ईश्वर से उनको अपने चरणों में स्थान देने की प्रार्थना की । साथ ही परिवार को ढाढस बंधाया कि इस दुख की घड़ी में हम आपके साथ हैं । उल्लेखनीय है की स्वर्गीय प्रबल प्रताप सिंह ने अपने पीछे परिवार में पत्नी के अलावा २ पुत्री और एक पुत्र छोड़ा है। इस मौके पर श्रद्धांजलि अर्पित करने बालों में डी एस परमार,किशन चतुर्वेदी,ठा. आर के सिंह यदुवंशी, डॉ राजेश बसेड़ी,शैलेंद्र सिंह,मनोज गुप्ता,विनोद कौशिक,गौरव शर्मा,तिलक वाधवा,नरेंद्र हिंडोल,मनमोहन सिंह,सुनीता सिंह,सुष्मिता सिंह,प्राची सिंह,ट्विंकल , आदि लोगो ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

मथुरा की बंजर भूमि में आगामी विधानसभा चुनाव में लगेगा सपा का वृक्षः विरेन्द्र यादव

सपा के जिला कार्यालय में बनाये जाएंगे संविधान स्तंभ

मथुरा। जिला समाजवादी पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र यादव ने कहा कि पार्टी वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों में पीडीए के फामूर्ला पर चलकर भाजपा को प्रदेश से उड़ा फेंकेगी। उन्होंने पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव को भरोसा दिया है कि वे मथुरा की बंजर भूमि पर कम से कम एक वृक्ष सपा का रोपित करके प्रदेश में सरकार बनाने में सहयोग प्रदान करेंगे। जब से सपा का गठन हुआ है तब से लेकर अभी तक सपा एक भी सीट मथुरा से नहीं जीत सकी है। गुरुवार को सौंख रोड पालीखेडा के एक होटल में पत्रकारों से वार्ता करते हुए श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने फैसला लिया है कि सभी जिले के पार्टी कार्यालयों में संविधान स्तंभ का निर्माण कराया जाएगा। ताकि कार्यालय में घुसने वाले कार्यकताओं को संविधान की मयार्दा ध्यान में रहे। उन्होंने कहा कि शीघ्र में जनपद में कर्मठ व नौजवानों को पार्टी संगठन में स्थान दिया जाएगा। वहीं पार्टी के बुजुर्ग नेताओं की राय लेकर जनपद में संगठन को मजबूती प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि सपा की कथनी करनी में कोई अंतर नहीं है। सपा की अखिलेश सरकार के कार्यकाल मे सभी वर्ग के लिए कार्य किए। आज प्रदेश में डबल इंजन की भाजपा सरकार के दौरान नौजवान, किसान, व्यापारी हरकोई परेशान है। बेरोजगारों को नौकरी नहीं मिल रही हैं। किसानों का खाद पर मंहगाई बढ़ गई है। खाद का कट्टा अब 50 किलो की जगह 40 किलो का रह गया। उसके रेट भी बढ़ा दिए। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने अधिकारों के लिए धरना प्रदर्शन करने पर रोक लगा दी है। वहीं सेना में अग्निवीर योजना लाकर सेनिकों के साथ धोखा किया है। केन्द्र में सपा की सरकार बनी तो अग्निवीर योजना समाप्त होगी। सभी सैनिकों को स्थाई किया जाएगा। वार्ता के समय पूर्व विधायक हुकम चंद्र तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष सुभाष पाल, पूर्व महानगर अध्यक्ष रवि यादव्र पूर्व राष्ट्रीय सचिव , प्रदीप चौधरी विभोर गौतम, महेन्द्र चौधरी, युवजन सभा के जिलाध्यक्ष एवं पार्षद मुन्ना मलिक, मुरारी लाल कटारा, कमरूद्दीन, प्रहलाद यादव, सेरश यादव, वीरेंद्र सिंह बौद्ध, दिनेश यादव, संदीप दिवाकर, सुरेश यादव, नरेश यादव, वैभव गौस्वामी आदि उपस्थित थे।

रेलवे के कंट्रोल रूम में लगी आग रात 2 बजे शॉर्ट सर्किट से भड़की आग

आगरा। कैंट स्थित डीआरएम ऑफिस में बने कंट्रोल रूम में बुधवार देर रात शॉर्ट सर्किट से आग लग गई । आग काफी भीषण थी। करीब डेढ़ घंटे बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। वहीं, गुरुवार सुबह कैंट रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर बने IRCTC के पर्यटक सुविधा केंद्र में गुरुवार सुबह आग लग गई। डीआरएम आफिस में भूतल पर कंट्रोल रूम बना हुआ है। इसमें आरपीएफ का कंट्रोल सेक्शन है। रात करीब दो बजे अचानक आरपीएफ के कंट्रोल रूम से धुआं निकलने लगा। जब तक लोग कुछ समझ पाते आग की लपटें उठने लगी। आग से कर्मचारियों में भगदड़ मच गई। डीआरएम आफिस में परिसर में आग लगने की सूचना पर अधिकारी भी पहुंच गए। देखते ही देखते आग और भड़क गई। आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड को बुलाना पड़ा। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग से कंट्रोल रूम का पूरा सामान जल गया। रिकॉर्ड भी जलकर राख हो गए। बताया गया है कि अगर समय पर फायर ब्रिगेड नहीं आती तो आग रेलवे कंट्रोल रूम को भी चपेट में ले सकती थी। आगरा रेल मंडल की पीआरओ प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि कंट्रोल रूम में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी। फायर ब्रिगेड ने आग बुझाई। कुछ उपकरण व रिकॉर्ड जल गए हैं। ट्रेनों के संचालन पर कोई भी प्रभाव नहीं पड़ा।वहीं, गुरुवार सुबह कैंट स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर बने आईआरसीटीसी के पर्यटक सुविधा केंद्र पर आग लग गई। आग बुझाने के लिए वीआईपी लाउंज व अन्य जगह पर एक भी अग्निशमन यंत्र नहीं मिला। कर्मचारी इधर-उधर भागते रहे। बाद में एक टीटी फूड प्लाजा स अग्निशमन सिलेंडर लेकर आया।

संक्षिप्त डायरी

खाद्य कारोबारियों के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण एवं प्रमाणन कार्यक्रम का आयोजन

मथुरा । सहायक आयुक्त (खाद्य) खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने अवगत कराते हुए बताया है कि खाद्य सुरक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती प्रदान करने हेतु भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा उत्तर प्रदेश राज्य के मध्य सम्पादित समझौता ज्ञापन के अन्तर्गत तहसील गोवर्धन, जनपद मथुरा में खाद्य कारोवारकताओं के लिये खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण एवं प्रमाणन (FoSTAC) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कैटरिंग, होटल एवं रेस्टोरेण्ट, एवं अन्य खाद्य सम्बन्धी व्यवसाय से जुड़े 31 खाद्य कारोबारकताओं ने प्रतिभाग किया जिनको कि एफ०एस०एस०ए०आई० से प्रमाणित ट्रेनरों की टीम द्वारा खाद्य सुरक्षा सम्बन्धी प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान खाद्य कारोबारकताओं को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के प्राविधानों, नियम व विनियमों की जानकारी दी गई एवं खाद्य सुरक्षा सम्बन्धी जोखिमों (Food Safety Hazards)- जैसे सूक्ष्मजीवीय, रासायनिक, भौतिक जोखिमों के सम्बन्ध में भी बताया तथा उनसे वचाव के तरीकों एवं फूड हेण्डलर्स को व्यक्तिगत हाईजीन बनाए रखने, खाद्य प्रतिष्ठानों में पर्याप्त साफ-सफाई रखने के तरीकों से भी अवगत कराया इसके साथ ही समस्त खाद्य कारोबारकताओं को एफ०एस०एस०ए० एक्ट 2006 के अन्तर्गत खाद्य अनुज्ञप्ति / पंजीकरण की एक सत्यप्रति सदैव खाद्य परिसर में प्रमुख स्थान पर रिस्टोरेण्ट के मामले में फूड सेफ्टी डिस्पले बोर्ड) का प्रदर्शन सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।

वाहनों की फिटनेस परमिट की वैधता सिघ्र पूर्ण करायें: राजेश राजपूत

मथुरा । वरिष्ठ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राजेश राजपूत ने अवगत कराया है कि मुख्य सचिव उ०प्र० शासन एवं परिवहन आयुक्त उ०प्र० लखनऊ के पत्र के क्रम में जनपद मथुरा में संचालित समस्त स्कूली वाहनों व समस्त यात्री वाहन, जिनकी फिटनेस एवं परमिट की वैधता समाप्त हो गयी है, इस प्रकार के वाहनों का मार्ग पर संचालन जनसमुदाय के लिये खतरा पैदा कर सकता है। दिनांक 25.06.2024 को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला विद्यालय यान परिवहन सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई जिसमें जिलाधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित समस्त स्कूली प्रबंधकों एवं प्रधानाचार्यों को यह निर्देश दिए गए थे कि वे एक सप्ताह के अन्दर अपने स्कूली वाहनों को नियमोनुरूप करा लें। परन्तु अभी भी जनपद में 179 स्कूली वाहनों की फिटनेस / परमिट की वैधता समाप्त है, जो कि चिंताजनक है। इसके अतिरिक्त 262 स्कूली वाहन जिनकी 15 वर्ष की आयु पूर्ण हो चुकी है, जिन्हें स्कूली वाहन के रूप में प्रयोग नहीं किया जा सकता है, ऐसे वाहनों का तुरन्त कार्यालय में उपस्थित होकर वाहन के पंजीयन निरस्त की कार्यवाही पूर्ण करा लें। जनपद के समस्त स्कूली वाहनों के प्रधानाचार्य/प्रबंधकों को वरिष्ठ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) द्वारा निर्देशित किया गया है कि वे 03 दिनों के अन्दर अपने वाहनों की फिटनेस / परमिट की वैधता कार्यालय में किसी भी कार्यदिवस में आकर पूर्ण करा लें। अन्यथा की स्थिति में समस्त स्कूल प्रबंधकों/प्रधानाचार्यों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही करते हुए उनके वाहनों के पंजीयन निरस्त एवं एफआईआर की कार्यवाही की जायेगी।

डीएम ने सरकारी कार्यालयों एवं प्रशासनिक पटलों का किया निरीक्षण

मथुरा। गुरुवार को जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट के परिसर में स्थित प्रशासनिक पटलों, डीआईओएस कार्यालय, बीएसए कार्यालय, एआरटीओ कार्यालय, विद्युत विभाग के कार्यालयों का निरीक्षण किया। डीएम के अचानक कार्यालयों में पहुंचने पर अधिकारी कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निदेर्शों के क्रम में जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह तथा अपर जिलाधिकारी योगानंद पांडेय ने कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित प्रशासनिक कक्ष, आर ए कक्ष, नजारत तथा संग्रह कार्यालयों का जायजा लिया। उन्होंने सभी पटलों की साफ सफाई सुधारने के निर्देश दिए तथा पुराने भवनों की मरम्मत का प्रस्ताव बनकर शासन को भेजने के निर्देश नाजिर को दिए। कलेक्ट्रेट परिसर में आम आदमी हरीश से बात करके उसकी समस्या जानी। जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने विद्युत कैंट के अधिशासी अभियंता विद्युत कक्ष, लेखा अनुभाग तथा विद्युत बिल जमा कक्ष का जायजा लिया। उन्होंने अभियंता को साफ सफाई कराने के निर्देश दिए। मौके पर डीएम ने बुद्धा देवी का बिल जमा करवाया।

जिलाधिकारी को दरेसी रोड के निवासियों ने विद्युत आपूर्ति फीडर संबंधी समस्या बताई जिस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि उक्त शिकायत का निस्तारण तत्काल प्रभाव से किया जाए। यहा के बाद जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने डीआईओएस कार्यालय का निरीक्षण को पहुंचे। जहां साफ सफाई बेहतर न मिलने पर नाराजगी जाहिर की। कार्यालय सम्बंधी सभी रजिस्टर देखे। फाइलों के रख रखाव को लेकर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि अलमारी में रखी जाएं, इस तरह कपड़ों में किसी भी रजिस्टर को बंद कर न रखें उनमें धूल जमी रहती है। श्री सिंह ने बीएसए कार्यालय का निरीक्षण किया तथा सेकेंड फ्लोर पर चल रहे कार्य को शीघ्र करने के निर्देश दिए और रजिस्टरों का अवलोकन किया।

मौजूद लोगों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने सहायक संभागीय अधिकारी कार्यालय का निरीक्षण किया तथा बाउंड्री बॉल के आस पास साफ सफाई करने के निर्देश दिए और बाहरी लोगों के प्रवेश को लेकर एआरटीओ नीतू सिंह को निर्देश दिए कि कोई भी बाहरी व्यक्ति कार्यालय के कार्यों में हस्तक्षेप न करे।

युवक को जिंदा दफन किया जंगली जानवरों के नोचने पर आया होश

आगरा। के अरतौनी में एक युवक को जिंदा गड्ढे में दफना दिया। एक घंटे से ज्यादा समय तक युवक गड्ढे में दबा रहा। जंगली जानवर के नोचने पर युवक को होश आया। किसी तरह वो गड्ढे से निकलकर पास की बस्ती में पहुंचा। 13 दिन से युवक हॉस्पिटल में भर्ती है। 13 दिन बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। अरतौनी के रहने वाली रामवती ने थाना सिकंदरा में तहरीर दी थी कि 18 जुलाई को उनके क्षेत्र में दो पक्षों में विवाद हुआ था। एक पक्ष का एक व्यक्ति उनके घर के बाहर खड़े होकर गालियां दे रहा था। जिस पर उनके बेटे रूपकिशोर ने उसे वहां से जाने को कहा। 18 जुलाई की रात को ही चार युवक रूपकिशोर के पास पहुंचे। अंकित, गौरव, करन और आकाश ने कहा कि प्रधान पुष्पेंद्र ने रूपकिशोर को बुलाया है। रूपकिशोर उनके साथ चला गया। चारों ने गांव के बाहर खेतों की ओर ले जाकर रूपकिशोर को बुरी तरह पीटा। रूपकिशोर की टीशर्ट से उसके गले में फंदा बनाकर उसे घसीटते हुए ले गए। मारपीट करने के बाद उसे मरा हुआ समझकर यमुना किनारे रेत में गड्ढा खोद कर दफना दिया। जानवर नोचने लगे मांस रूपकिशोर का खून सूंघकर कुछ जंगली जानवर गड्ढे पर पहुंचे। बेहोश रूपकिशोर का मांस नोच कर खाने लगे। मांस नोचने पर दर्द हुआ तो रूपकिशोर होश में आया। किसी तरह गड्ढे से निकल कर पास की ही बस्ती में पहुंचा।

भाकियू अराजनैतिक प्रतिनिधिमंडल मुख्य सचिव से मिला, किसानों की समस्याओं से अवगत कराया ज्ञापन सौंपा

लखनऊ में भाकियू अराजनैतिक प्रतिनिधिमंडल की बैठक में मनोज कुमार सिंह मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपते हुए साथ में भाकियू अराजनैतिक पदाधिकारी।

बलदेव।

लखनऊ में भाकियू अराजनैतिक के 13 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह से मिला, मुख्य सचिव को किसानों की समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा, व विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। जिसमें मई 23 में बलदेव क्षेत्र के दुर्घटना में मरे चार युवकों को शीघ्र मुआवजा का आश्वासन दिया। मुख्य सचिव ने किसानों की समस्याओं का शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया। बैठक लोकभवन में मनोज कुमार सिंह मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में देवेश चतुर्वेदी अपर मुख्य सचिव कृषि, पावर कॉर्पोरेशन चेयरमैन आशीष गोयल, वीणा कुमारी प्रमुख सचिव गन्ना, चीनी उद्योग, गुरु प्रसाद प्रमुख सचिव राजस्व, योगेश कुमार प्रमुख सचिव पशुपालन, मनीषा सदस्य राजस्व परिषद, बीएल मीना प्रमुख सचिव उद्यान, जितेंद्र तोमर कृषि निदेशक, जेएस नवीन चकबंदी आयुक्त, अनुराग यादव सचिव कृषि, अंजनी कुमार मंडी निदेशक सहित 25 विभाग शामिल रहे । मंडल अध्यक्ष

राजकुमार तोमर ने बताया 23 सूत्रीय मांगों पर लोकभवन में मुख्य सचिव कार्यालय के सभागार में चर्चा हुई। बैठक में निजी नलकूप की बिजली को पंजीकरण व शर्तों से मुक्त करने, आलू निकासी का आदेश बदलने, अंश निर्धारण की त्रुटि ठीक करने, बाढ़ में उपजाऊ भूमि को ठीक हो, फसलों का मुआवजा, गन्ना भुगतान, चीनी मिलों पर सख्ती, चकबंदी अधिनियम में बदलाव हो आदि से अवगत कराते हुए समाधान की मांग की । मुख्य सचिव ने सभी विषयों पर विचार कर समाधान का आश्वासन दिया। बैठक में राजेन्द्र सिंह राष्ट्रीय संरक्षक, राजेश चौहान राष्ट्रीय अध्यक्ष, राकेश त्यागी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, धर्मेन्द्र कुमार राष्ट्रीय प्रवक्ता, हरिनाम सिंह प्रदेश अध्यक्ष, राजकुमार मंडल अध्यक्ष आगरा, दिगम्बर सिंह युवा प्रदेश अध्यक्ष, राजवीर सिंह, राम स्वरूप वर्मा, अनार सिंह आदि थे।

मेंटल हेल्थ को बूस्ट करने में मददगार है अरोमाथेरेपी

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में फिजिकल हेल्थ खराब होने के साथ ही मेंटल हेल्थ पर भी काफी असर पड़ रहा है। हर दूसरा बंदा काम के बोझ के तले इतना दब गया है कि उसे अपने लिए टाइम ही नहीं है। तनाव के कारण एंग्जाइटी और डिप्रेशन जैसी दिक्कत होने लगी है। लोगों की नींद प्रभावित हो रही है, फोकस करने में परेशानी आती है। अगर आप भी इस तरह की परेशानी होती है तो आप मेंटल हेल्थ को बूस्ट करने के लिए अरोमाथेरेपी का सहारा ले सकते हैं।

क्या होती है अरोमाथेरेपी

अरोमाथेरेपी जैसा की इसके नाम से मालूम चल रहा है अरोमा मतलब खुशबू और थेरेपी मतलब इलाज,खुशबू की मदद से इलाज करने को ही हम अरोमाथेरेपी कहते हैं । यह मानसिक तनाव का इलाज करने का सबसे कारगर तरीका है। एसेंशियल ऑयल्स इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं,यह तेल पौधों,जड़ी बूटियों फूलों,पंखुड़ियों जैसी चीजों से निकाले जाते हैं।

मेंटल हेल्थ को कैसे बूस्ट करता है अरोमाथेरेपी

एक्सपर्ट के मुताबिक लैवेंडर कैमोमाइल जैसे एसेंशियल ऑयल्स में शांत करने वाले गुण होते हैं जो तनाव और चिंता को कम करने में मदद करते हैं,इससे बेहतर नींद को बढ़ावा मिलता है और जब आप सुकून भरी नींद सोते हैं तो इससे मस्तिष्क के सेल्स रिपेयर होते हैं । एसेंशियल ऑयल्स की खुशबू लेने से कोर्टिसोल का स्तर कम हो सकता है,जो तनाव के लिए जिम्मेदार हार्मोन होता है,जब आपका कोर्टिसोल हार्मोनकम होता है तो आपको सुकून भरी नींद आती है इससे मेंटल हेल्थ बूस्ट होता है। एसेंशियल ऑयल्स मूड पर पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं,अवसाद की भावनाओं को कम कर देवदार की लकड़ी और चंदन जैसी सुगंध गहरी, अधिक आरामदायक नींद चक्र को बढ़ावा देकर नींद की गुणवत्ता को बढ़ा सकती है। क्लैरी सेज जैसे एसेंशियल ऑयल नींद को नियंत्रित करने वाले हार्मोन को संतुलित करने में मदद कर सकते हैं जिससे नींद का पैटर्न सही हो जाता है। अच्छी खुशबू वाला कमरा एक शांत और आरामदायक वातावरण बनाता है जिससे आराम करना और नींद आना आसान हो जाता है।

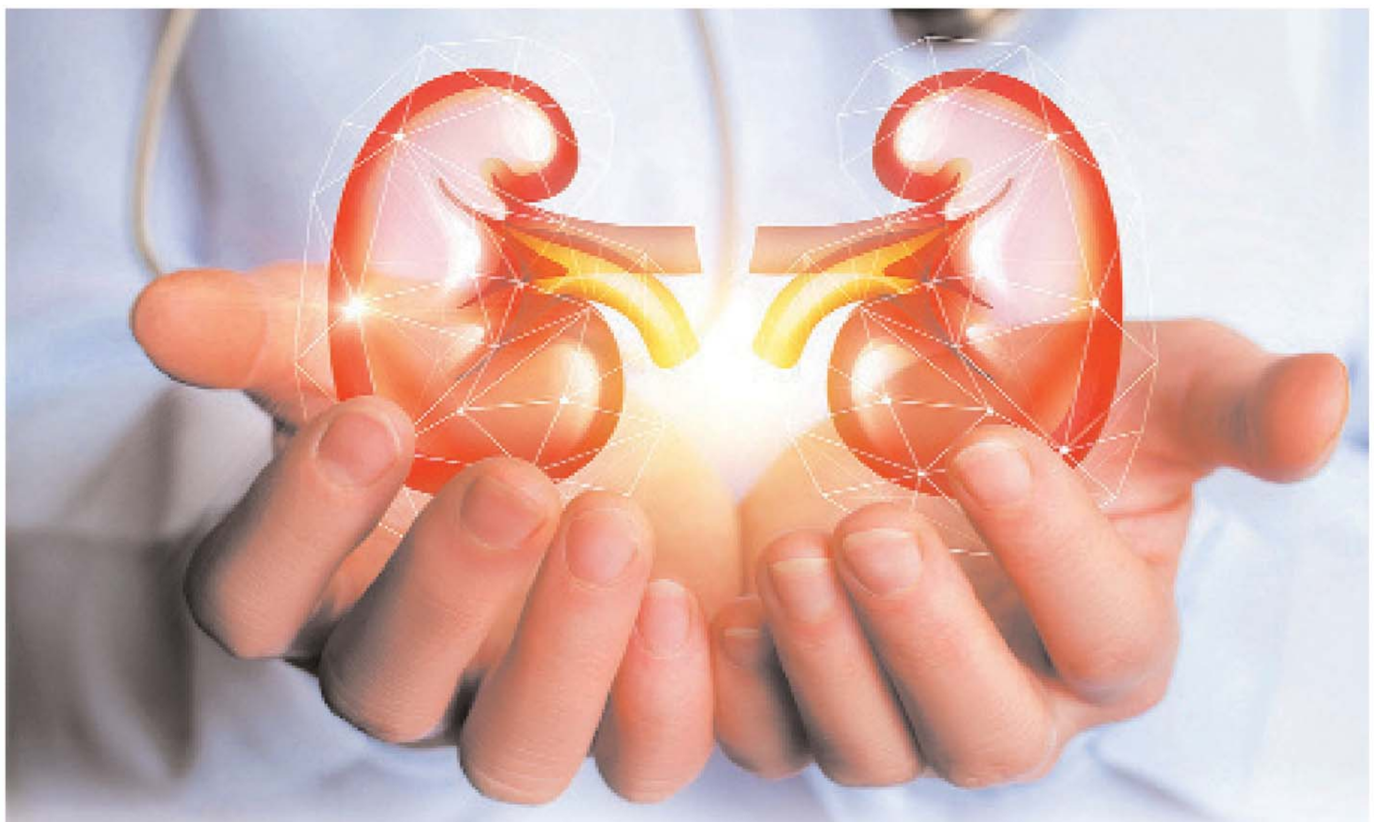

किडनी की बीमारी में आपका शरीर आपको देता है ये संकेत

स्किन और नाखूनों से ये दिखाई देता है कि हमारी किडनी में किस तरह की बीमारी होने जा रही है। आपको ये ध्यान रखना चाहिए कि किडनी के लक्षण काफी गंभीर हो सकते हैं।

हमारा शरीर आने वाले हर खतरे का संकेत पहले से ही देने लगता है। शरीर में अगर कोई बड़ी समस्या होने वाली है तो उससे पहले छोटी-छोटी चीज़ों से हमें कुछ न कुछ संकेत मिलते रहते हैं। शरीर का कोई भी बड़ा ऑर्गेन खराब हो रहा हो तो कई बार हमें स्किन और बालों के जरिए भी उसके संकेत मिलने लगते हैं। ऐसा ही किडनी की बीमारी के साथ भी होता है। किडनी की बीमारी होने से पहले स्किन पर कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। यहां सिर्फ बालों का झड़ना या फिर हेयर लाइन शुरू होते ही फ्लेकी स्किन नहीं बल्कि नाखूनों, पैरों, हाथों आदि पर भी असर दिखता है और आपको ये ध्यान रखना चाहिए कि अगर ऐसे कोई लक्षण दिख रहे हैं तो आपको एक्सपर्ट की सलाह लेनी चाहिए। पर आखिर कौन से संकेत हैं जो साफ दिखाई देते हैं।

किडनी की बीमारी के समय शरीर में होती है ये समस्या

स्किन, बाल और नाखून हमारी सेहत को लेकर बहुत ही जरूरी संकेत देते हैं। कोई भी छुपी हुई बीमारी जैसे मालन्यूट्रीशन, माइक्रोन्यूट्रिएंट्स का ओवरडोज, दवाओं का असर या बीमारी आदि के संकेत इन दोनों से मिल जाते हैं। जिन लोगों को किडनी की बीमारी या किडनी फेलियर का रिस्क होता है उन्हें जिंक, कैल्शियम, आयरन, विटामिन क्रजैसे मिनरल्स दिए जाते हैं। जिन मरीज़ों को डायलेसिस की जररूत होती है उन्हें इन मिनरल्स की कमी के लिए रीनल विटामिन्स दिए जाते हैं जिनमें विटामिन क्रकॉम्प्लेक्स के हाई लेवल होते हैं। कैल्शियम और आयरन को बल्ड लेवल में मॉनिटर किया जाता है और अगर ये लेवल कम होते हैं तो सप्लिमेंट्स उसी हिसाब से दिए जाते हैं।

किडनी की बीमारी के कारण स्किन पर दिखते हैं ये असर

किडनी की बीमारी के कारण शरीर में टॉक्सिन्स काफी बढ़ जाते हैं और इसके कारण स्किन में नाइट्रोजन भी बढ़ जाता है। स्किन बहुत ड्राई, खुजली वाली हो जाती है। इसी के साथ, स्किन में क्रैक्स, स्केल्स आदि बनने लगते हैं। स्किन काफी पतली हो जाती है और बहुत आसानी से स्ट्रेच मार्क्स भी आ जाते हैं जो कच्चे होते हैं और खुजली वाले भी होते हैं। इनमें आसानी से ब्लीडिंग होने लगती है। स्किन ज्यादा सफेद दिखने लगती है और इसका रंग भी ग्रे, ब्लू, पर्पल या येलो शेड का हो जाता है। सिस्ट्स और स्पॉट्स भी दिख सकते हैं।

हाथ और पैरों में आ जाती है बहुत ज्यादा सूजन

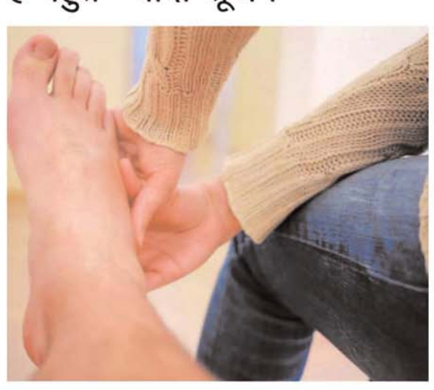

हाथों और पैरों में सूजन, चेहरे में सूजन, ऐड़ियों में सूजन आना बहुत ही आम लक्षण है जिसे लेकर आपको तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। शरीर से टॉक्सिन्स ठीक तरह से बाहर न निकल पाने के कारण ये होता है और आपको इस बात का ध्यान भी रखना चाहिए कि ऐसा लक्षण गंभीर समस्या की तरफ इशारा करता है इसलिए डॉक्टर से सलाह लें।

किडनी की बीमारी के कारण नाखूनों पर दिखते हैं ये असर

नाखूनों पर भी किडनी की बीमारी का असर साफ दिखाई देता है। सफेद बैंड्स या स्पॉट्स नाखूनों पर बनने लगते हैं और ये कमजोर, कच्चे और फ्लेकी हो जाते हैं। अक्सर ऐसे नाखूनों के बीच में लाइन बनने लगती है। हमारे नाखून कई और बीमारियों के संकेत भी देते हैं और ऐसे में हमें ये ध्यान रखना चाहिए कि हम ऐसे कोई भी लक्षण के दिखने पर डॉक्टर से बात करनी चाहिए।

स्किन पर दाने और रैशेज

जैसा कि हम पहले बता चुके हैं कि किडनी की बीमारी के कारण शरीर में टॉक्सिन बहुत ज्यादा इकट्ठा हो जाता है और ये रैशेज, बंप्स, ब्लीडिंग वाली स्ट्रेचमार्क्स आदि का कारण बनता है ऐसे में आप शरीर में कई तरह के मिनरल्स आदि का टेस्ट करवा सकते हैं। ये सारे लक्षण किसी अन्य वजह से भी हो सकते हैं, लेकिन ऐसा भी हो सकता है कि ये सिर्फ और सिर्फ किडनी के कारण हों। आपको ये ध्यान रखना होगा कि अगर आपको कोई समस्या हो रही है तो एक्सपर्ट की सलाह लेना ही किसी गंभीर रोग से मुक्ति का अच्छा कारण हो सकता है। अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न दिखाएं और डॉक्टर से सलाह लेते रहें।

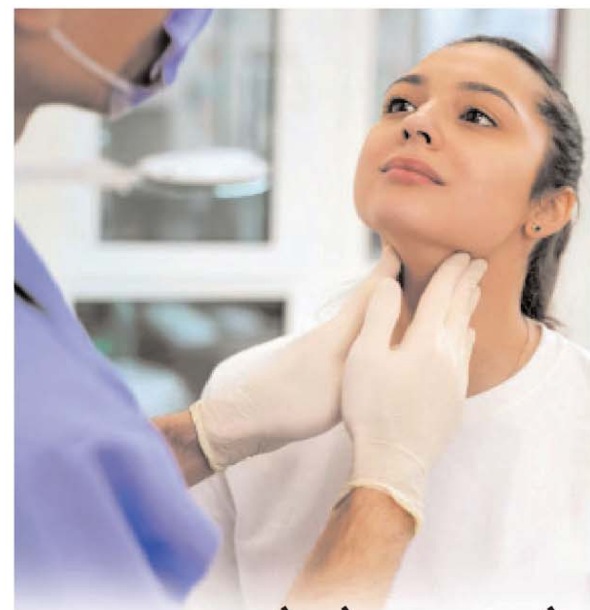

थायराइड कैसे करता है हार्ट हेल्थ को प्रभावित

आजकल थायराइड की बीमारी काफी आम हो चुकी है। थायराइड रोग वह स्थिति है जिसमें थायराइड ग्लैंड शरीर की जरूरत से कम या अधिक हार्मोन का निर्माण करने लगता है जिसके कारण कई सारी समस्याएं पैदा होती है। थायराइड के कारण जहां मोटापा हेयर फॉल , जोड़ों में दर्द जैसी समस्या होती है वहीं यह दिल की सेहत को भी बुरी तरह से प्रभावित करता है। इसको लेकर हमने एक्सपर्ट से बात की है। आइए जानते हैं थायराइड कैसे दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ा देता है।

कैसे करता है हार्ट हेल्थ को प्रभावित

एक्सपर्ट बताती हैं की दोनों ही थायराइड हार्ट हेल्थ को प्रभावित करता है। हाइपोथायरायडिज्म की बात करें तो इसमें थायराइड हार्मोन का लेवल शरीर में कम हो जाता है,इससे थायराइड ग्लैंड का फंक्शन कम होने लगता है,इससे मेटाबॉलिज्म खराब हो जाता है,इससे दिल को नुकसान हो सकता है जैसे इससे हार्ट रेट स्लो हो जाता है,इससे आपको ब्रेडीकार्डिया की स्थिति पैदा हो जाती है। इससे कोलेस्ट्रॉल भी बढ़ सकता है,इसके कारण हृदय का फैलाव हो सकता है। इससे दिल का दौरा पड़ सकता है ।थायराइड बढ़ने से हार्ट की धमनियां संकरी होने लगती है,इससे ब्लड का सर्कुलेशन ठीक ढंग से नहीं हो पाता है,लंबे समय तक यह स्थिति बनी रहने पर हार्ट अटैक आने का खतरा बना रहता है। हाइपरथायरायडिज्म में आपका थायराइड ग्लैंड ओवर एक्टिव हो जाता है इससे हाइपर मेटाबॉलिज्म होता है जिससे हार्ट रेट बढ़ सकता है,इससे ट्रैकी कार्डिया की स्थिति पैदा हो सकती है। इस स्थिति में भी हार्ट का फैलाव हो जाता है। ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है और इस तरह से हार्ट को नुकसान पहुंचता है।

क्या आपको भी बार-बार बर्फ खाने का मन करता है हो सकता है इस बीमारी का संकेत

क्या आपको भी हर वक्त कच्चा बर्फ चबाने का दिल करता है। अगर हां तो आपको फौरन डॉक्टर से मिलना चाहिए क्योंकि यह एक गंभीर डिसऑर्डर की तरफ इशारा करता है।

गर्मियों के मौसम में हर किसी को कुछ ना कुछ ठंडा खाने का मन करता है। ठंडा पानी तो हर कोई पीता है, लेकिन आइसक्रीम मिल जाए तो सोने पर सुहागा हो जाता है। गर्मी से राहत पाने के लिए कुछ लोग तो घर में रखे आइस क्यूब भी खाते हैं। लेकिन अगर आप बार-बार कच्ची बर्फ चबाते हैं तो इसे इग्नोर ना करें। दरअसल आपकी यह आदत किसी बीमारी की तरफ इशारा करती है। आइए जानते हैं बार-बार बर्फ खाने का मन क्यों करता है।

क्या आपको भी बार-बार बर्फ खाने का मन करता है आपको भी बार-बार बर्फ खाने की क्रेविंग होती है तो शायद आप पिका डिसऑर्डर से पीड़ित हैं। वैसे तो यह बच्चों या गर्भवती महिलाओं में होता है,लेकिन अगर आप में आयरन की कमी हो तो भी आपको इसकी क्रेविंग हो सकती है। एक्सपर्ट बताते हैं कि एनीमिया से पीड़ित लोगों में रेड ब्लड सेल्स की कमी हो जाती है ऐसे में लोगों को बर्फ खाने की इच्छा बढ़ जाती है। वहीं जो लोग मानसिक तनाव से गुजर रहे होते हैं उन्हें भी बर्फ खाने की क्रेविंग होती है। अगर यह क्रेविंग लंबे समय तक बनी हुई है तो आपको तुरंत डॉक्टर से मिलकर इसका इलाज करवाना चाहिए।

क्या हैं इसके नुकसान

- दांतों में दर्द, बर्फ आपके दांत की इनेमल की परत को डैमेज कर सकती है।
- एनीमिया की गंभीर समस्या,इसके कारण हार्ट हेल्थ को नुकसान पहुंचता है।
- पेट में इंफेक्शन और कब्ज की समस्या

छींक क्यों नहीं रोकनी चाहिए

छींक आना नॉर्मल है। लेकिन, अगर आपको बहुत अधिक छींक आती है, तो इसे नजरअंदाज करें। इसके अलावा, अगर आप छींक आते वक्त इसे रोकती हैं, तो इससे भी सेहत को नुकसान हो सकता है।

हमारा शरीर सेहतमंद रहने के लिए कई नेचुरल प्रोसेस को फॉलो करता है। पेट साफ होना, गैस बाहर निकलना, डकार आना और छींक आना समेत कई ऐसी चीजें हैं, जिनका हमारी सेहत से गहरा कनेक्शन है। कई बार, नाक के अंदर डस्ट और पाउडर जैसे पार्टिकल्स चले जाते हैं। इन्हें बाहर निकालने के लिए, छींक आती है। वहीं, सर्दी-जुकाम होने पर भी छींक आती है। हालांकि, अगर आपको अक्सर बहुत अधिक छींक आती हैं, तो इसके पीछे कुछ हेल्थ कंडीशन्स हो सकती हैं। आमतौर पर छींक आना काफी नॉर्मल होता है। कई लोग, छींक आने पर इसे रोक लेते हैं। लेकिन, सेहत के लिहाज से ऐसा करना गलत है। एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर आप छींक रोकती हैं, तो इससे स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं। इस बारे में डॉक्टर नीतिका कोहली जानकारी दे रही हैं। वह आयुर्वेद में एमडी हैं। उन्हें इस फील्ड मे लगभग 17 सालों का अनुभव है।

छींक रोकने से सेहत को हो सकता है नुकसान

- दरअसल, हमारी नाक में एक म्यूकस नाम की झिल्ली होती है। इसके टिश्यू या सेल्स पर जब कोई डस्ट पार्टिकल आकर चिपकता है, तो इसे बाहर निकालने के लिए छींक आती है।
- आयुर्वेद में छींक को श्वतु कहा जाता है। इसे अधारणीय वेग कहा जाता है। इसकी गिनती उन वेगों में होती हैं, जिन्हें रोका नहीं जा सकता है और रोकना भी नहीं चाहिए।
- छींक के जरिए, बैक्टीरिया और वायरस नाक से बाहर निकल जाते हैं। इसलिए, यह फायदेमंद होती है।
- छींक रोकना सेहत के लिहाज से सही नहीं है। इससे गर्दन अकड़ सकती है और साइनस की दिक्कत भी हो सकती है।
- अगर आप छींक आने पर इसे रोकने की कोशिश करते हैं, तो इससे फेस की नर्व्स और मसल्स कमजोर हो सकती हैं।
- यह शरीर की सफाई का एक नेचुरल प्रोसेस है। इसलिए, इसे होल्ड नहीं करना चाहिए।
- एक्सपर्ट के मुताबिक, कई बार सोशल एटिकेट्स या अन्य कई वजहों से लोग छींक को रोक लेते हैं। लेकिन, छींक रोकने से फेफड़ों पर दबाव पड़ता है। इससे श्वसन तंत्र पर बुरा असर हो सकता है।
- छींक के जरिए, बाहर निकलने वाली हवा का प्रेशर काफी तेज होता है। इसे रोकने से, आंख, नाक और कान के ब्लड वेसल्स पर असर पड़ सकता है।
- छींक आने पर उसे रोकने की कोशिश न करें। एक्सपर्ट की सलाह पर जरूर ध्यान दें। अगर आपको स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या है, तो हमें आर्टिकल के ऊपर दिए गए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम अपने आर्टिकल्स के जरिए आपकी समस्या को हल करने की कोशिश करेंगे।

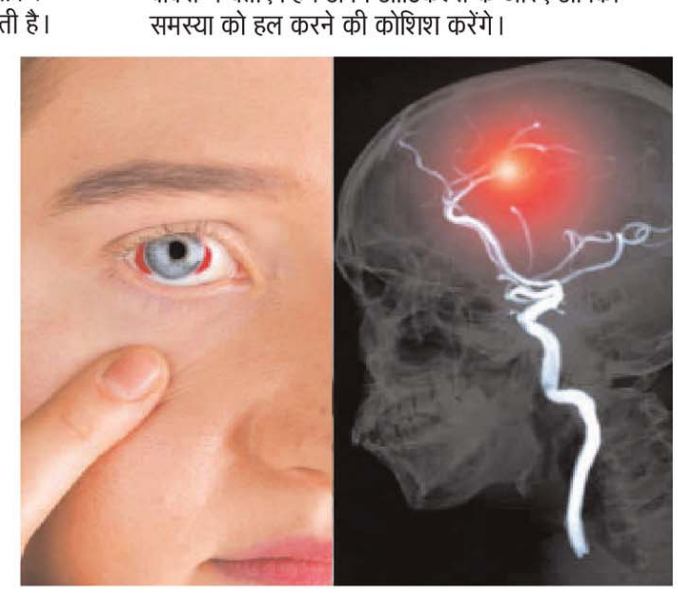

पिछले महीने धीमी रही भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर

नई दिल्ली ।

भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर नए ठेकों और उत्पादन की धीमी रफ्तार की वजह से जुलाई माह में मामूली रूप से धीमी रही। वहीं लागत दबाव तथा मांग में मजबूती के कारण अक्टूबर 2013 के बाद से बिक्री कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि हुई। गुरुवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जुलाई में घटकर 58.1 हो गया जो जून में 58.3 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है। एचएसबीसी के एक अर्थशास्त्री ने कहा` कि भारत के मुख्य विनिर्माण पीएमआई में जुलाई में विस्तार की गति मामूली धीमी रही लेकिन अधिकतर घटकों के मजबूत स्तर पर बने रहने के कारण यह छोटी गिरावट चिंता का कारण नहीं है। भारतीय विनिर्माताओं ने जून से मंदी के बावजूद नए ठेकों में पर्याप्त वृद्धि की सूचना दी। एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका और पश्चिम एशिया में स्थित ग्राहकों की ओर से मांग में मजबूती की भी खबर है। भारतीय विनिर्माताओं ने जुलाई में अंतरराष्ट्रीय बिक्री में मजबूत वृद्धि का अनुभव किया। सर्वेक्षण के अनुसार विस्तार की समग्र दर उल्लेखनीय रही और 13 वर्षों में दूसरी सबसे मजबूत थी। कीमतों के मोर्चे पर, मांग में उछाल ने भी कीमतों पर दबाव डाला। कच्चे माल की लागत में करीब दो वर्षों में सबसे तेज वृद्धि हुई, जिसने अक्टूबर 2013 के बाद से बिक्री कीमतों में सबसे तेज वृद्धि में योगदान दिया। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

मारुति सुजुकी इंडिया का मुनाफा 47 फीसदी बढ़ा, राजस्व में भी इजाफा

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी ऑटो कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने पहली तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही अप्रैल-जून में ऑटो कंपनी का मुनाफा 46.9 फीसदी बढ़ गया है। इस दौरान कंपनी ने 3,650 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 2,485.1 करोड़ रुपये था। पहली तिमाही के रिजल्ट की घोषणा के बाद कंपनी के शेयरों में 3.67 फीसदी की तेजी आई है। यह स्टॉक एनएसई पर 13,346.05 रुपये के भाव पर बंद हुआ है। इस तेजी के साथ कंपनी का मार्केट कैप बढ़कर 4.20 लाख करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी का अप्रैल-जून का राजस्व 10 फीसदी बढ़कर 35,531 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 32,327 करोड़ रुपये था। 8 ब्रोकरेज कंपनियों के मनीकंट्रोल पोल में अनुमान लगाया गया था कि ऑटो कंपनी का पहली तिमाही का नेट प्रॉफिट 3,235 करोड़ रुपये और राजस्व 34,566 करोड़ रुपये रहेगा। पहली तिमाही में कंपनी का ऑपरेटिंग मार्जिन एक साल पहले की तुलना में 350 बेसिस प्वाइंट बढ़कर 12.5 फीसदी हो गया, जिसकी वजह मुख्य रूप से कमोडिटी की कीमतों में नरमी रही। एक्सचेंजों को दी गई जानकारी में मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा कि कंपनी ने अप्रैल-जून के दौरान 5.22 लाख वाहन बेचे गए, जो सालाना आधार पर 5 फीसदी ज्यादा है।

सोना 70,000 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी लगभग 84,900 रुपए

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के वायदा भाव कारोबार में गुरुवार को भी तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गुरुवार को तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 70,000 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 84,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में भी सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 339 रुपये की तेजी के साथ 69,994 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 365 रुपये की तेजी के साथ 70,020 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 173 रुपये की तेजी के साथ 83,769 रुपये पर खुला। इस समय यह 304 रुपये की तेजी के साथ 83,900 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,493.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,473 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 14.60 डॉलर की तेजी के साथ 2,487.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.16 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 28.93 डॉलर था। इस समय यह 0.06 डॉलर की तेजी के साथ 28.99 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

कई फिनफ्लूएंसर्स सेबी की रडार पर, होगी कार्रवाई

नई दिल्ली ।

सोशल मीडिया में कई लोग या फिनफ्लूएंसर्स शेयर बाजार को लेकर गैर-कानूनी और भ्रामक जानकारी देते हैं। इनकी सलाह मानकर कई लोग बाजार में निवेश करते हैं और ठगे जाते हैं। अब ऐसे लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। दरअसल, कई फिनफ्लूएंसर्स मार्केट रेगुलेटर सेबी की रडार पर आ गए हैं। सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया ने सोशल मीडिया पर शेयर बाजार से जुड़ी गलत जानकारी देने वाली 8,890 पोस्ट्स की पहचान की है, जिनमें कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सेबी ने इस बारे में संबंधित प्लेटफॉर्म्स और ऐप्स के बारे में जानकारी दी है। इनमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम, यूट्यूब आदि शामिल हैं। बाजार के बारे में झूठे क्लेम के लिए इनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पिछले एक साल से सेबी ऐसे भ्रामक या गैरकानूनी सलाह पर लगाम लगाने की कोशिश कर रहा है जो फाइनेंशियल इनफ्लूएंसर्स या फिनफ्लूएंसर्स की तरफ से दिए जाते हैं। मार्केट रेगुलेटर ने कहा है कि निवेशकों को गारंटीड रिटर्न का वादा किया जाता है। उन्हें भ्रम में डाल रखने के लिए टेक्निकल शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है। सोशल मीडिया और ऐड में भ्रामक सबूत दिए जाते हैं।

देश के सैकड़ों बैंकों पर रैनसमवेयर अटैक से कामकाज ठप

नई दिल्ली ।

देश के करीब 300 बैंक पर साइबर अटैक की चपेट में आ गए हैं, जिससे यूपीआई, नेफ्ट से हित कई बैंकिंग सेवाएं ठप हो गई हैं। नेशनल बैंकिंग सिस्टम ने एक नोटिस जारी कर जानकारी दी कि कुछ बैंकों में यूपीआई, आईपीएमएस और अन्य पेमेंट सिस्टम ग्राहकों के लिए उपलब्ध नहीं हैं। दरअसल, बैंकों को टेक्निकल सपोर्ट उपलब्ध कराने वाली कंपनी सी-एज टेक्नोलॉजीस पर रैनसमवेयर अटैक किया गया है जिसकी वजह से 300 बैंकों में कामकाज ठप हो गया है। मामला सामने आने के बाद नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने कंपनी पर अस्थाई रूप से रोक लगा दी है। नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक नोटिस जारी करते हुए कहा` कि पेमेंट इको-सिस्टम पर बड़े प्रभाव को रोकने के लिए एनपीसीआई ने सीएज टेक्नोलॉजी को एनपीसीआई द्वारा संचालित खुदरा पेमेंट सिस्टम तक पहुंचने से अस्थायी रूप से अलग कर दिया है। सीएज की ओर सर्विस लेने वाले बैंकों के ग्राहक कुछ समय तक पेमेंट सिस्टम का उपयोग नहीं कर पाएंगे। एनपीसीआई के मुताबिक सीएज एक टेक्नोलॉजी सर्विस प्रोवाइडर कंपनी है। ज्यादातर इसकी सर्विस का इस्तेमाल को-ऑपरेटिव और क्षेत्रीय बैंक करते हैं। ऐसे में इन बैंक पर रेनसोमवेयर का प्रभाव अधिक रहा है। बताया गया है` कि गुजरात के 17 जिलों के को-ऑपरेटिव बैंक प्रभावित हुए हैं।

टीपी परिवर्त महाराष्ट्र में सौर परियोजना स्थापित करेगी

नई दिल्ली । टीपी परिवर्त लिमिटेड ने महाराष्ट्र के अकोला में टाटा स्टील के लिए 70 मेगावाट की सौर परियोजना स्थापित करने के लिए एक समझौते पर दस्तखत किए हैं। टीपी परिवर्त टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) की अनुषंगी कंपनी है। वहीं टीपीआरईएल, टाटा पावर की अनुषंगी कंपनी है। बीएसई को दी सूचना के अनुसार टीपी परिवर्त ने देश की अग्रणी इस्पात विनिर्माण कंपनियों में से एक टाटा स्टील के साथ महाराष्ट्र के अकोला में 70 मेगावाट के समूह कैप्टिव सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए विद्युत वितरण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी सूचना के अनुसार इस परियोजना से सालाना 15.4 करोड़ यूनिट बिजली उत्पन्न होने और कार्बन उत्सर्जन में 1,15,000 टन की कमी आने की उम्मीद है।

एफडीआई आकर्षित करने रणनीतिक सुधार जरूरी: जीटीआरआई

नई दिल्ली । देश में वैश्विक निवेशकों को ओर अधिक आकर्षित करने रणनीतिक सुधारों की जरूरत है, क्योंकि प्रचुर संभावनाएं होने के बावजूद एफडीआई आंकड़े यह बताते हैं कि देश ने अपने अवसरों का पूरी तरह से लाभ नहीं लिया है। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने गुरुवार को यह बात कही। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने चार-चरणीय योजना का सुझाव दिया और कहा कि भारत को विदेशी निवेशकों के लिए एक अग्रणी विकल्प के रूप में स्थापित करने में मदद करने वाले उपायों में देश में स्थानांतरित होने वाली कंपनियों के लिए लागत संबंधी नुकसान को कम करना, समूचे कारोबारी चक्र में व्यापार सुगमता में सुधार करना और निवेश प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए एक रूपरेखा स्थापित करना शामिल है। भारत ने वित्त वर्ष 2023-24 में 44.4 अरब अमरीकी डॉलर का एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) आकर्षित किया, जो उसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का केवल 1.1 प्रतिशत है। आर्थिक शोध संस्थान ने कहा कि विश्व विकास रिपोर्ट 2023 में उल्लेख है कि देश चीन (189.1 अरब अमरीकी डॉलर), ब्राजील (86.1 अरब अमरीकी डॉलर), ऑस्ट्रेलिया (61.6 अरब अमरीकी डॉलर) और कनाडा (52.6 अरब अमरीकी डॉलर) जैसे देशों से काफी पीछे है। जीटीआरआई ने सुझाव दिया गया कि भारत को चीन से स्थानांतरित होने वाले या वैकल्पिक उत्पादन स्थानों पर विचार करने वाले व्यवसायों को आकर्षित करने के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी लागत संरचना की पेशकश करनी चाहिए। इसके लिए भारत को चार लागत-संबंधी घटकों श्रम, दर सामग्री, ऊर्जा और वित्तीय लागत पर ध्यान देने की जरूरत है।

सेमसंग का दूसरी तिमाही में परिचालन लाभ 15 गुना बढ़ा

मुंबई । इस साल की दूसरी तिमाही में सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स का परिचालन लाभ एक साल पहले की तुलना में 15 गुना से अधिक बढ़ गया। पेरिचालन लाभ बढ़ने का मुख्य कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीकों के विस्तार के बीच मेमोरी चिप्स की मजबूत मांग बताया जा रहा है।दक्षिण कोरियाई सेमीकंडक्टर और स्मार्टफोन दिग्गज ने एक बयान में कहा कि अप्रैल-जून तिमाही के लिए उसका परिचालन लाभ 10.4 ट्रिलियन वॉन (7.5 बिलियन) रहा, जो पिछले साल की समान अवधि में 670 बिलियन वॉन था।यह पहली बार है जब सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने 2022 की तीसरी तिमाही के बाद से सात तिमाहियों में 10 ट्रिलियन वॉन से अधिक का परिचालन लाभ दर्ज किया है। सैमसंग ने कहा कि उसकी समेकित राजस्व लगभग 23 फीसदी बढ़कर 74 ट्रिलियन वॉन (53 बिलियन) हो गया। कंपनी ने कहा कि अनुकूल बाजार स्थितियों ने उच्च औसत बिक्री कीमतों को प्रेरित किया, जबकि ऑर्गेनिक लाइट-एमिटिंग डायोड पैनलों की मजबूत बिक्री ने भी बेहतर परिणामों में योगदान दिया। कंपनी ने कहा कि उसके चिप व्यवसाय ने जून तक तीन महीने की अवधि के लिए बिक्री में 28.6 ट्रिलियन वॉन अर्जित किए, जिसमें 6.45 ट्रिलियन वॉन का परिचालन लाभ था। यह कंपनी के प्रमुख व्यवसाय के लिए एक साल से अधिक समय में पहला तिमाही परिचालन लाभ था, क्योंकि यह 2023 की पहली तिमाही से लगातार पांच तिमाहियों तक घाटे में रहा था।

शेयर बाजार रिकार्ड स्तर पर बंद , निफ्टी पहली बार 25,000 से ऊपर पहुंचा

सेंसेक्स 81,867 पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को भी तेजी रही। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज में खरीददारी हावी रहने से आया है। इससे आज बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी रिकॉर्ड उच्च स्तर पर बंद हुए। निफ्टी आज पहली बार 25,000 से ऊपर पहुंचा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 126.21 अंक करीब 0.15 फीसदी बढ़कर 81,867.55 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 59.75 अंक तकरीबन 0.24 फीसदी बढ़कर पहली बार 25,000 के ऊपर जाने के बाद 25,010.90 के सबसे उच्च स्तर पर बंद हुआ।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के 15 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। पावर ग्रिड, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक, नेस्ले इंडिया और अदाणी पोर्ट्स सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। इसके अलावा, मारुति, भारती एयरटेल, रिलायंस, जेएस्डब्लूय स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, एचयूएल, टाइटन और टीसीएस के शेयर भी लाभ के साथ बढ़े हैं।

दूसरी ओर 15 शेयर गिरावट पर बंद हुए। इसमें एमएंडएम , टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, एसबीआई और टाटा मोटर्स के शेयर रहे। इसके अलावा, एलएंडटी, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, कोटक बैंक, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनैंस, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक और सन फार्मा के शेयर भी नीचे आये।

वहीं आज एशियाई बाजार में गिरावट रही। जापान के निक्केई में 2.58 फीसदी और हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग में 0.36 फीसदी की गिरावट है। चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.26 फीसदी की गिरावट है।

गत दिवस अमेरिकी बाजार का डाओ जोंस 0.24फीसदी चढ़कर 40,842 पर बंद हुआ। नेसडेक 2.64 फीसदी की बढ़त के साथ 17,599 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 में 1.58फीसदी की तेजी रही।

गत दिवस भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह बाजार में शानदार तेजी देखने को मिली। बाजार के प्रमुख इंडेक्स हरे निशान में कारोबार करते दिख रहे थे। बीएसई सेंसेक्स 388 अंकों की बढ़त के साथ 82,000 का आंकड़ा पार कर पहली बार 82,129.49 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी50 127 अंकों की बढ़ोतरी के साथ पहली बार 25,000 के आंकड़े को पार कर 25,078.30 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचा। व्यापक बाजारों में भी तेजी देखी गई। स्मालकैप 0.44 फीसदी बढ़ा जबकि मिडकैप में 0.35 फीसदीकी तेजी देखी गई।

सीगल का आईपीओ खुला, 5 अगस्त तक कर सकेंगे बिडिंग

मुंबई । सीगल इंडिया लिमिटेड का आईपीओ खुल गया है। रिटेल निवेशक 5 अगस्त तक आईपीओ के लिए बिडिंग कर सकेंगे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर कंपनी के शेयर 8 अगस्त को लिस्ट होंगे। इस इश्यू के जरिए कंपनी 1,252.66 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 684.25 करोड़ रुपए के 17,063,640 फ्रेश शेयर इश्यू कर रही है। जबकि कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए 568.41 करोड़ के 14,174,840 शेयर बेच रहे हैं। सीगल इंडिया लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 380-401 रुपए तय किया है। रिटेल निवेशक न्यूनतम 37 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 401 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,837 निवेश करने होंगे। वहीं अधिकतम 481 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 192,881 रुपए खर्च करने होंगे।

1 अगस्त से बढ़े कामर्शियल एलपीजी सिलेंडर के भाव

- हवाई ईंधन के दाम भी 3006.71 रुपये प्रति किलोलीटर बढ़े

नई दिल्ली ।

भारत में तेल कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को घरेलू और कमर्शियल सिलेंडर के दामों में बदलाव करती हैं। गुरुवार 1 अगस्त से सरकारी तेल कंपेनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। पिछले महीने 1 जुलाई को, तेल कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 30 रुपये की कटौती की थी, लेकिन अब 1 अगस्त से इसकी कीमत 6.50 रुपये बढ़ा दी गई है, जिससे दिल्ली में इसका नया भाव 1646 रुपये से बढ़कर 1652.50 रुपये हो गया है। इसके अतिरिक्त ओएमसीएस ने हवाई ईंधन के दामों में भी वृद्धि की है, जिससे हवाई यात्रा महंगी हो सकती है। तेल कंपनियों ने हवाई ईंधन के दामों में 3006.71 रुपये प्रति किलोलीटर की वृद्धि की है, जो गुरुवार से ही लागू हो जाएगी। तेल कंपनियों ने हवाई ईंधन के दामों में 3006.71 रुपये प्रति किलोलीटर की वृद्धि की है। हर महीने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बदलाव से सीएनजी और पीएनजी की कीमतें भी प्रभावित होती हैं। अब 19 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलिंडर के लिए ग्राहकों को 6.5 रुपये अधिक चुकाने होंगे। वहीं घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में कॉमर्शियल सिलेंडर 6.5 रुपए बढ़कर 1652.5 रुपए, कोलकाता में 8.5 रुपए बढ़कर 1764.5, मुंबई में 7.0 रुपए बढ़कर 1605.0 रुपए और चैन्नई में 7.5 रुपए बढ़कर 1817.0 रुपए हो गए हैं। घरेलू सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कंपनियों ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत स्थिर रखी है, जिससे दिल्ली में यह सिलेंडर अभी भी 803 रुपये की दर पर उपलब्ध रहेगा। कोलकाता में 14.2 किलो वाला घरेलू एलपीजी सिलेंडर 829 रुपये, मुंबई में 802.50 रुपये और चेन्नई में 818.50 रुपये का मिलेगा।

हीरो फिनकॉर्प ने आईपीओ लाने सेबी के पास जमा किए दस्तावेज

नई दिल्ली । दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी हीरो मोटोकॉर्प की वित्तीय सेवा इकाई हीरो फिनकॉर्प ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 3,668 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दाखिल किए गए आईपीओ दस्तावेज के अनुसार प्रस्तावित आईपीओ 2,100 करोड़ रुपये के ताजा और 1,568 करोड़ रुपये बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। ओएफएस में शेयर बेचने वाली कंपनियां एएचवीएफ-2 होल्डिंग्स सिंगापुर-2 पीटीई लिमिटेड, एपिस ग्रोथ -2 (हिबिस्कस) पीटीई. लिमिटेड, लिंक इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट और ओटर लिमिटेड हैं। निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी की पूंजी बढ़ाने के लिए किया जाएगा, ताकि ऋण गतिविधियों के लिए भविष्य की वित्तपोषण आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। हीरो फिनकॉर्प एक गैर-बैंक वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) है। यह भारत में मुख्य रूप से खुदरा, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के लिए वित्तीय उत्पादों की एक विविध श्रृंखला पेश करती है।

ब्रेनबीज के आईपीओ का मूल्य दायरा 440-465 रुपए प्रति शेयर

नई दिल्ली । ऑनलाइन ई-वाणिज्य मंच फर्स्टक्राई की मूल कंपनी ब्रेनबीज सॉल्यूशंस ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 440-465 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी का 4,194 करोड़ रुपये का आईपीओ छह अगस्त को खुलेगा। तीन दिन का निर्गम आठ अगस्त को बंद होगा। एंकर (बड़े) निवेशक पांच अगस्त को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे। पुणे स्थित ब्रेनबीज सॉल्यूशंस के प्रस्तावित निर्गम में 1,666 करोड़ रुपये मूल्य के नए शेयर और 2,528 करोड़ रुपये के 5.44 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। इससे इस आईपीओ का आकार 4,194 करोड़ रुपये है।

राहुल की जनगणना की मांग के परिणाम

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

आगा खान ने यह पिटीशन दी थी या ली गई थी, यह बहस का विषय हो सकता है, लेकिन अंग्रेज सरकार ने उसे सही रूप से पकड़ लिया था। इसका तरीका उन्होंने 1910 की जनगणना में निकाला। उन्होंने हिंदू को आगे हिंदू, जनजाति और अछूत नाम से तीन हिस्सों में बांट दिया। उस समय कांग्रेस ने इसका विरोध किया था। लेकिन ब्रिटिश नीति कामयाब रही और 1947 में देश विभाजित हो गया। अंग्रेजों के चले जाने के बाद कुछ लोगों ने मांग की थी कि जनगणना जाति के आधार पर की जाए, लेकिन पंडित जवाहर लाल नेहरू इसके पीछे छुपी भावना को समझ गए थे, इसलिए उन्होंने इस मांग को ठुकरा दिया था।

इस प्रतिवेदन का अगला भाग चौंकाने वाला है, जिसमें आगा खान कहते हैं कि जब भारतीयों को किसी भी संस्थान में उनकी संख्या के बल पर हिस्सेदारी दी जाए तो मुसलमानों को हिस्सेदारी का आधार उनकी संख्या को न माना जाए, बल्कि यह आधार रखा जाए कि मुसलमानों ने ब्रिटिश साम्राज्य की कितनी सेवा की है। आज भी यह शक जाहिर किया जाता है कि आगा खान ने यह प्रतिवेदन स्वयं दिया था या फिर अंग्रेजों ने उसे ऐसा प्रतिवेदन देने के लिए कहा था। ब्रिटिश सरकार ने शायद तभी से देश को विभाजित करने की योजना बनानी शुरू कर दी थी। आगा खान की पिटीशन से वायसराय इतना तो समझ गए थे कि हिंदुओं की जनसंख्या कृत्रिम रूप से कम करने का अवसर है...

वर्ष 1857 की आजादी की पहली लड़ाई के बाद जब ब्रिटेन ने ईस्ट इंडिया कम्पनी को अपदस्थ कर भारत का शासन स्वयं संभाल लिया तो उसने 1880 में भारत में पहली बार जनगणना शुरू की। उस समय मरदमशुमारी के लिए हिंदू, मुसलमान और ईसाई के नाम से तीन कॉलम होते थे। सिख, बौद्ध, जैन, ईरानी (पारसी को ईरानी कहा जाता था) की गणना भी अलग होती थी। सन् 1900 तक जनगणना इसी हिसाब से चलती रही। इस जनगणना में ब्रिटिश सरकार की यह इच्छा थी कि भारत में विभिन्न मजहबों के लोगों की संख्या कितनी है, यह जान लिया जाए ताकि आगे की रणनीति बनाने में आसानी रहे। अब तक भारत में विदेशी मूल के मजहबों को मानने वालों की संख्या भी अच्छी खासी हो गई थी। विदेशी मूल के तीन मजहब ही भारत में पैर पसार रहे थे। इस्लाम पंथ, एशिया पंथ और मसीही पंथ (क्रिश्चियन)। तीनों का भारत में आगमन मोटे तौर पर आक्रमणकारियों के माध्यम से हुआ था। अरबों, तुर्कों व मुगलों के लंबे शासन काल में इस्लाम पंथ में मतांतरित हो जाने वाले भारतीयों की संख्या भी अब तक काफी हो गई थी। इस्लाम पंथ में मतांतरित भारतीयों के अतिरिक्त एटीएम, यानी विदेशी मूल के मुसलमान भी थे। उस समय ईसाइयों की गिनती तो इस देश में नाममात्र ही थी। केरल में कुछ सीरिआई ईसाई थे जिन्होंने कभी अपने देश में इस्लामी आक्रमणों से भाग कर इस देश में शरण ले रखी थी। इसी प्रकार यूरोपीय जातियों को भी भारत के कुछ हिस्सों पर राज करते हुए लगभग सौ साल हो ही गए थे। इसलिए ईसाई पंथ में मतांतरित भारतीयों की भी कुछ संख्या थी ही। कुछ एंग्लो इंडियन थे। लेकिन इनकी संख्या उस समय निश्चित ही

उंगलियों पर गिनी जा सकती थी।

वर्ष 1900 की जनगणना में ईसाई केवल एक प्रतिशत थे और मुसलमान 21 फीसदी थे। मुसलमानों में विदेशी मूल के मुसलमान, देसी मुसलमान और शिया मजहब को मानने वाले भी शामिल थे। इन दोनों के अतिरिक्त शेष भारतीय हिंदू हैं। लेकिन यह भी साफ हो गया था कि ब्रिटिश सरकार ने इस जनगणना में हिंदू शब्द को भौगोलिक न मान कर उसे मजहब का द्योतक शब्द मान लिया था। लेकिन 1885 में कांग्रेस और 1905 में मुस्लिम लीग के गठन से देश में कहीं-कहीं कुछ निकायों में भारतीयों को हिस्सा देने के लिए कानून बनने शुरू हो गए थे। यह चयन मतदान द्वारा होता था। यह ठीक है कि मतदान का अधिकार कुछ गिने-चुने भारतीयों को ही दिया जाता था, लेकिन एक नई पद्धति की शुरूआत तो थी ही। 1909 के अधिनियम में तो विधानपालिकाओं में भी चुनाव द्वारा कुछ स्थान भारतीयों द्वारा भरे जाने थे। इसलिए 1910 की जनगणना से पहले मुसलमानों का एटीएम (अरब, तुर्क, मुगल) मूल का खेमा सक्रिय हो गया। उनकी चिंता थी कि ब्रिटिश सरकार ने इस्लाम पंथी (जिसमें मुसलमान और शिया पंथी दोनों ही शामिल थे) व मसीही के अतिरिक्त अन्य सभी भारतीयों को हिंदू स्वीकार लिया था। इसका अर्थ परोक्ष रूप से यही था कि हिंदू इस देश की भौगोलिक पहचान को ही इंगित करता है। ब्रिटिश सरकार ने मुसलमान और मसीही समुदाय को तो इस भौगोलिक पहचान से अलग कर ही दिया था। लेकिन यदि हिंदू को भी खंडित किया जा सके तो भारत को मानसिक तौर पर घायल करना आसान हो सकता था। 1910 की गणना से पहले एटीएम और ब्रिटिश सरकार ने इस संबंधी पूरी रणनीति तैयार कर ली थी। उसकी शुरूआत आगा खान के ज्ञापन से होती है जो उसने जनगणना के बारे में सरकार को दिया था। लेकिन हिंदू के भौगोलिक आधार को आगे बांटने की जरूरत ब्रिटिश सरकार को क्यों हुई, इसकी चर्चा भीमराव अंबेडकर ने की है। उनका मानना है कि इस प्रश्न का उत्तर मुसलमानों द्वारा आगा खान के नेतृत्व में 1909 में ब्रिटिश सरकार को दिए गए प्रतिवेदन में से मिलेगा।

यह मैमोरंडम आगा खान ने उस समय के वायसराय लार्ड मिंटो को दिया था। आगा खान ने इस प्रतिवेदन में लिखा था कि 1900 की जनगणना में मुसलमानों की संख्या 62 मिलियन है, जो कि भारत की कुल जनसंख्या का 1/5 प्रतिशत से लेकर 1/4 प्रतिशत के बीच ठहरता है। आगा खान ने आगे कहा कि जनगणना में से असभ्य समुदाय के लोगों, जिन्हें छिटपुट मजहब और एनिमिस्ट के नाते दर्ज कर रखा है, को निकाल दिया जाए। दूसरे, उन लोगों को जिन्हें हिंदू मान लिया गया है, लेकिन वे हिंदू नहीं हैं, भी निकाल दिया जाए तो देश में हिंदुओं की तुलना में मुसलमानों की संख्या का प्रतिशत और भी बढ़ जाएगा। अंबेडकर ने वह पूरा मैमोरंडम अपनी किताब द्यअछूत कौन थेद्य में दिया है। लेकिन इस प्रतिवेदन का अगला भाग चौंकाने वाला है, जिसमें आगा खान कहते हैं कि जब भारतीयों को किसी भी संस्थान में उनकी संख्या के बल पर हिस्सेदारी दी जाए तो मुसलमानों को हिस्सेदारी का आधार उनकी संख्या को न माना जाए, बल्कि यह आधार रखा जाए कि मुसलमानों ने ब्रिटिश साम्राज्य की कितनी सेवा की है। आज भी यह शक जाहिर किया जाता है कि आगा खान ने यह प्रतिवेदन स्वयं दिया था या फिर अंग्रेजों ने उसे ऐसा प्रतिवेदन देने के लिए कहा था। ब्रिटिश सरकार ने शायद तभी से देश को विभाजित करने की योजना बनानी शुरू कर दी थी। अंबेडकर ने प्रश्न को आगे और बढ़ाया है। एक बात तो स्पष्ट है कि आगा खान की पिटीशन से वायसराय इतना तो समझ गए थे कि प्रथमया, हिंदू को उसकी भौगोलिकता से काट कर मजहब से पहले ही जोड़ दिया गया है, अब कृत्रिम रूप से उसकी जनसंख्या कम करने का भी अवसर है।

आगा खान ने यह पिटीशन दी थी या ली गई थी, यह बहस का विषय हो सकता है, लेकिन अंग्रेज सरकार ने उसे सही रूप से पकड़ लिया था। इसका तरीका उन्होंने 1910 की जनगणना में निकाला। उन्होंने हिंदू को आगे हिंदू, जनजाति और अछूत नाम से तीन हिस्सों में बांट दिया। उस समय कांग्रेस ने इसका विरोध किया था। लेकिन ब्रिटिश नीति कामयाब रही और 1947 में देश विभाजित हो गया। अंग्रेजों के चले जाने के बाद कुछ लोगों ने मांग की थी कि जनगणना जाति के आधार पर की जाए, लेकिन पंडित जवाहर लाल नेहरु इसके पीछे छुपी भावना को समझ गए थे, इसलिए उन्होंने इस मांग को ठुकरा दिया था। लेकिन आज नेहरु की हवेली पर जिन लोगों का कब्जा हो गया है, वे इटली के मैकियावली के सिद्धांतों पर चलते हुए किसी भी कीमत पर सत्ता प्राप्त करना चाहते हैं। इसलिए वे आज 2024 में उसी नीति को फिर से जीवित करना चाहते हैं, जो ब्रिटिश सरकार ने शुरू की थी। राहुल गांधी सलाहकारों की दी हुई स्क्रिप्ट पढ? की बजाय यदि बाबा साहेब अंबेडकर का संविधान सभा के अंतिम सत्र में दिया गया उनका भाषण पढ़ लें तो वे देश की ज्यादा सेवा करेंगे।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार है)

संपादकीय

जालसाजी की सजा

पूजा खेड़कर अब अफसर नहीं रहेंगी। यूपीएससी ने ट्रेनी पूजा का न केवल सिलेक्शन रद्द कर दिया है बल्कि वह भविष्य में भी किसी इम्तिहान में शामिल नहीं हो पाएंगी। उन पर उम्र, माता-पिता की गलत जानकारी, पहचान बदलने, तय सीमा से अधिक बार सिविल सेवा में शामिल होने के आरोप हैं। पूजा को दस्तावज की जांच के बाद सीएसई-2022 के नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया गया। कारण बताओ नोटिस जारी किए गए, उनके भी कोई जवाब नहीं मिले। पुणे में पूजा ट्रेनी अफसर थीं, उस दौरान वीआइपी नंबर वाली निजी ऑड़ी में लाल बत्ती व महाराष्ट्र सरकार की प्लेट भी लगवा ली। शिकायत के बाद वहां से उनका तबादला हो गया, इसी दरम्यान हुई जांच में कई खुलासे होते चले गए। इस मामले के बाद यूपीएससी ने पंद्रह हजार से ज्यादा रिकमेंडेट्ट उम्मीदवारों के दस्तावेज को भी जांचा। पूजा मनोरमा दिलीप खेड़कर ने न केवल अपना नाम, बल्कि मां-बाप का नाम बार-बार बदल कर परीक्षा दी। नाम के साथ, हस्ताक्षर, ई-मेल आईड़ी, पता, मोबाइल नंबर व फर्जी दस्तावेज भी लगातार बदले। इसलिए पता नहीं चल पाया कि पूजा कुल कितनी बार इस महत्वपूर्ण परीक्षा में शामिल हुई। जिस ओबीसी कैटेगरी से होने का दावा उन्होंने किया उसके प्रमाणपत्र के लिए अभिभावकों की सालाना आमदनी आठ लाख से कम होनी चाहिए। पूजा के पिता अवकाशप्राप्त आईएएस हैं, उनके चुनावी हलफनामे के अनुसार उनकी सालाना आमदनी 43 लाख रुपये व संपत्ति चालीस करोड़.की है। इस लिहाज से वह नॉन-क्रीमीलेयर कोटे का लाभ लेने की दोषी भी हैं। सत्रह करोड़. की संपत्ति की मालिक पूजा पेशे से ड़ॉक्टर हैं। तीन सालों में विभिन्न दस्तावेज में उनकी उम्र बस एक वर्ष ही बढ़ी। उनके कई विकलांगता प्रमाण-पत्र भी सामने आ चुके हैं और विभिन्न दस्तावेज में आधार कार्ड. की बजाय राशन-कार्ड. नत्थी है। यह मामला पेचीदा, धोखाधड़ी व जालसाजी का भी है। कानून व कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग करने के अलावा फजीर्वाड़े. व जालसाजी से पूजा ने देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा को धूमिल किया है। उन्हीं को नहीं, बल्कि इस प्रक्रिया में शामिल तमाम लोगों को सख्त सजा होनी चाहिए ताकि भविष्य में कोई ऐसी हिम्मत भी न कर सके।

चिंतन-मनन

दूसरों के दुख से अपना दुख ज्यादा बेहतर

एक कहावत है राजा दुखी, प्रजा दुखी सुखिया का दुख दुना। कहने का अर्थ यह है कि संसार में जिसे देखो वह अपने को दुखी ही कहेगा। राजा का अपना दुख है, प्रजा का अपना और जिसे आप सुखी माने बैठें हैं उससे पूछ कर देंखेंगे तो वह भी अपने दुखों की पोटरी खोलकर अपनी व्यथा गाने लगेगा। लेकिन अगर आपके पास यह विकल्प हो कि आप अपना दुख किसी और को देकर दूसरे का दुख खुद स्वीकार कर लें तब आप कहेंगे कि अपना ही दुख भला है। इस संदर्भ में एक कथा है कि किसी गांव में एक फकीर आये। उनकी विशेषता यह थी कि वे किसी की भी समस्या दूर कर देते थे। उनकी इस विशेषता के बारे जिसे भी पता चला, वह उनके पास दौड़ा आया। अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई और लोग जल्दी से जल्दी अपनी समस्या फकीर को बताने की जुगत भिड़ाने लगे। नतीजा यह हुआ कि हर कोई बोलने लगा। कोलाहल मच गया। फकीर ने सभी को चुप होने के लिए कहा। सभी लोग चुप हो गये तब फकीर ने कहा, मैं सबकी समस्या दूर कर दूंगा। आप सब लोग एक-एक कागज पर अपनी समस्या लिखकर लाएं और मुझे दे दें।

कुछ ही देर में कागजों का ढेर लग गया। फकीर ने कागजों को एक टोकरी में रखा और उसे सबके बीच में रख दिया। एक आदमी की तरफ इशारा करके फकीर मे कहा, यहां से शुरू करके सब बारी-बारी से आएंगे और एक-एक कागज उठा लें। ध्यान रहे किसी को अपना कागज नहीं उठाना है। लोग एक-एक कर आए कागज उठा-उठा कर अपनी-अपनी जगह बैठ गए। फकीर ने कहा, अब इस कागज में लिखी किसी दूसरे की समस्या पढ़ो। अगर चाहो तो मैं तुम्हारी समस्या दूर कर दूंगा पर उसके बदले कागज पर लिखी समस्या तुम्हारी हो जाएगी। तुम्हें लगता है कि तुम्हारी समस्या बड़ी है तो उसे दूर करवाकर कागज पर लिखी दूसरे की छोटी-सी समस्या अपना लो। चाहो तो आपस में कागज बदल लो। जब तय कर लो कि अपनी समस्या के बदले कौन सी समस्या लोगे तो मेरे पास आ जाना।

लोगों ने जब अपने पास कागज पर लिखी समस्या पढी तो वे घबरा गए। लोग एक दूसरे से कागज बदल-बदल कर पढ़ रहे थे। हर बार उन्हें लगता कि उनकी समस्या तो जैसी है वैसी है, पर इस नई समस्या का सामना नहीं कर पाएंगे। ...

आसान नहीं है 'विकसित भारत -2047'

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'विकसित भारत-2047' पर देश में हर जगह चर्चा हो रही है। चचाओं का केंद्र अगले कुछ वर्षों में 7 प्रतिशत सालाना से अधिक औसत आर्थिक वृद्धि दर हासिल करना है। इस समय भारत और चीन की तुलना करना उपयोगी हो सकता है। विश्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 1991 में दोनों देशों में कृषि में रोजगार का प्रतिशत आसपास ही था। चीन में यह 60 प्रतिशत तथा भारत में 63 प्रतिशत था, किंतु विश्व बैंक के अनुसार करीब 30 साल बाद चीन में यह तेजी से कम होकर 23 प्रतिशत रह गया, जो भारत के 44 प्रतिशत आंकड़े से बहुत कम है। इन 30 साल के भीतर चीन में लगभग 20 करोड़ कृषि श्रमिक उद्योग और सेवा क्षेत्रों में चले गए। विश्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक भारत में भी काफी संख्या में श्रमिक खेती से बाहर चले गए मगर इसी दौरान कृषि में रोजगार पाने वालों की संख्या 3.5 करोड़ बढ़ गई।

भारत को मौजूदा निम्न-मध्यम आय स्तर से उच्च आय स्तर या उच्च मध्यम आय स्तर तक लाने के लिए जरूरी बदलाव पर भी सबका ध्यान केंद्रित है । यह बदलाव रोजगार के ढांचे में होना है, जिसके तहत कृषि क्षेत्र से जुड़ा रोजगार घटना चाहिए और उद्योग तथा सेवा क्षेत्र का रोजगार उतना ही बढ़ना चाहिए। वैसे भारत 2047 तक विकसित देशों की श्रेणी में शामिल होने की आकांक्षा रखता है और इन देशों की अर्थव्यवस्थाओं में कृषि रोजगार के प्रतिशत की बात करें तो आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) देशों में यह लगभग 5 प्रतिशत है जो भारत में कृषि में वर्तमान रोजगार के प्रतिशत का लगभग

आठवां हिस्सा है।

उच्च-मध्यम आमदनी वाले देशों में भी कृषि में रोजगार की हिस्सेदारी आज भारत की तुलना में केवल आधी है। विकसित देशों की श्रेणी में शामिल कृषि वस्तुओं के प्रमुख निर्यातक जैसे न्यूजीलैंड या ब्राजील में भी कृषि में रोजगार की हिस्सेदारी केवल 6-8 प्रतिशत के भीतर है। अगर भारत को 2047 तक उच्च आमदनी वाले देश का दर्जा हासिल करना है या उच्च-मध्यम आय के स्तर तक पहुंचना है तो उसे कृषि से बड़ी संख्या में श्रमिक उद्योग और सेवा क्षेत्र की ओर भेजने होंगे। इससे भी ज्यादा नाटकीय मामला वियतनाम का है, जहां 1991 में रोजगार में कृषि की हिस्सेदारी 75 प्रतिशत थी मगर 2021 में घटकर 29 फीसदी रह गई। इसका बड़ा कारण यह है कि चीन और वियतनाम में इन वर्षों के दौरान अधिक निर्भरता विनिर्माण में रोजगार सृजन और निर्यात बढ़ाने वाली वृद्धि पर रही है।

भारत के मामले में 1991 और 2021 के आंकड़ों की तुलना में एक अहम बिंदु छुप जाता है। कृषि की हिस्सेदारी में गिरावट और उद्योग तथा सेवाओं में वृद्धि मुख्य रूप से 1990-91 से 2014-15 के बीच यानी 25 वर्षों दौरान हुई। उसके बाद से विनिर्माण में वृद्धि की कई योजनाएं आने के बाद भी कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा गया है। संभवतः कोविड के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की वापसी की वजह से भी कृषि क्षेत्र से रोजगार स्थानांतरित होने की रफ्तार धीमी रही है।भारत में राज्यों के बीच अंतर पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। अहम मुद्दा यह है कि हम किस दर पर उद्योग और सेवा क्षेत्र में बेहतर रोजगार सृजन कर सकते हैं ताकि कामकाजी उम्र वाले लोगों की बढ़ती संख्या और कृषि क्षेत्र से आने वाले लोगों को इसमें खप सके। 2047 तक कामकाजी उम्र वाली आबादी (15 से 59 वर्ष) का आधिकारिक पूवार्नुमान लगाएं और मान लें कि काम ढूंढने वालों में करीब 65 प्रतिशत हिस्सेदारी इसी समूह की होगी तो हमारे पास रोजगार ढूंढने वाले करीब 12 करोड़ नए लोग होंगे।

इसके अलावा सबसे मुश्किल पूवार्नुमान कृषि क्षेत्र से निकलने वाले श्रम बल के दूसरे क्षेत्रों में स्थानांतरण के मूल्यांकन का स्तर है। अगर हम विकसित या उच्च आमदनी वाला देश बनना चाहते हैं तब कृषि क्षेत्र में रोजगार का हिस्सा कम होकर 10 प्रतिशत के स्तर पर आना चाहिए। इसका मतलब है कि लगभग 15 करोड़ लोगों को कृषि क्षेत्र छोड़ना होगा। इस तरह उद्योग और सेवा क्षेत्रों में 27 करोड़ से अधिक नए रोजगार पैदा करने की आवश्यकता है ताकि रोजगार ढूंढने वाली आबादी और कृषि क्षेत्र छोड़ने वाली अतिरिक्त आबादी इसमें खप सके। अगले 25 वर्षों में यह तादाद सालाना 1 करोड़ से अधिक नई उद्योग एवं सेवा क्षेत्र की नौकरियां हैं। असली चुनौती यह है कि हमें 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए एक ऐसी योजना चाहिए जो उद्योग और सेवा क्षेत्र में रोजगार के बेहतर मौके तैयार करे, खासतौर से उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में, जहां आज भी औसतन करीब 55 प्रतिशत लोग खेती में रोजगार पाते हैं। अगले 25 साल में देश में जितने भी नए कामगार बढ़ेंगे, उनमें से लगभग 90 प्रतिशत इन पांच राज्यों से होंगे।

- राकेश दुबे

केरल : तबाही की वजह तलाशनी होगी

प्रमोद भार्गव

नयनाभिराम प्राकृतिक संपदा और बहुआयामी जल-संसाधनों के कारण केरल को उत्तराखंड की तरह भगवान का घर माना जाता है किंतु मूसलाधार बारिश और भूस्खलन हिमालय से लेकर केरल तक तबाही के कारण बन रहे हैं। सुदूर दक्षिण राज्य केरल में प्रकृति ने रौद्र रूप दिखाया और भूस्खलन एवं चेरियाल नदी के जलभराव क्षेत्र में बसे चाय बागान मजदूरों के चार गांवों ने मिट्टी के मलबे में जल समाधि ले ली। चेरियाल नदी पहाड़ों से निकलती हुई समतल भूमि पर चार दिनों से चल रही बारिश के कारण अत्यंत तेज गति से बही। इसी समय पहाड़ जल के प्रवाह से बह पड़े और पत्थरों व मलबे से चूरलमाला, अट्टामाला, नूलपुझा और मुंडक्कई मलबे में पूरी तरह दब गए। जल की रफ्तार में हजारों पेड़, सैकड़ों वाहन भी जड़ों से उखड़ कर ग्रामों की ओर बहते चले आए। करीब 2200 की आबादी के 400 से ज्यादा घर कुछ पलों में मिट्टी के ढेर में बदल गए।

यह पूरा इलाका पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र माना जाता है। केरल में केदारनाथ की तरह जो जल तांडव आया, उसने तय कर दिया है कि यह आपदा भगवान की देन न होकर मानव निर्मित है। पर्यावरणविद् ने भी इस बाढ़ को मानव निर्मित आपदा करार दिया है। कारण, बड़ी मात्रा में जंगलों की कटाई और पर्यटन में वृद्धि। चेरियाल बाढ़ क्षेत्र की जीवनदायिनी नदी मानी जाती रही है, लेकिन वही आधुनिक विकास के चलते मौत का सबब बन गई। कृषि प्रधान इस इलाके में चाय के अलावा नारियल, केला, मसाले और शुष्क मेवा की फसलें भी खूब होती हैं। पर्यटन भी राज्य की आमदनी व रोजगार का मुख्य स्त्रोत है। आय के ये सभी संसाधन प्राकृतिक हैं। गोया, प्रकृति का इस तरह से रूठ जाना आर्थिक रूप से खस्ताहाल केरल पर लंबे समय से भारी पड़ रहा है क्योंकि इसके पहले बरसात में ही केरल के 80 बांधों में से 36 बांधों के दरवाजे एकाएक खोल दिए गए थे। बांधों से निकले पानी ने बड़ी तबाही मचाई थी। यह तबाही पूरी तरह मानवीय भूल थी, लेकिन सिंचाई विभाग के किसी नौकरशाह की जवाबदेही तय करके दंड दिया गया हो, ऐसा देखने में नहीं आया।

केदारनाथ, अमरनाथ, हिमाचल और कश्मीर के जल प्रलय से हमने कोई सीख नहीं ली। गोया वहां रोज बादल फट रहे हैं, पहाड़ के पहाड़ ढह रहे हैं। हिमाचल, असम और उत्तर प्रदेश में भी बारिश आफत बनी हुई है। बावजूद न तो हम शहरीकरण, औद्योगीकरण, तकनीकीकरण और तथाकथित आधुनिक विकास से जुड़ी नीतियां बदलने को तैयार हैं, और न ही ऐसे उपाय करने को प्रतिबद्ध हैं, जिनसे ग्रामीण आबादी शहरों की ओर पलायन करने को मजबूर न हो? शहरों में यह बढ़ती आबादी मुसीबत का पर्याय बन गई है। नतीजतन, प्राकृतिक आपदाएं भयावह होती जा रही हैं। सूरत, चेन्नई, बैंगलुरू, गुड़गांव ऐसे उदाहरण हैं, जो स्मार्ट सिटी होने के बावजूद बाढ़ की चपेट में रहे। यहां कई दिनों तक जनजीवन ठप रहा। बारिश का 90 प्रतिशत पानी तबाही मचाकर अपना खेल खेलता हुआ समुद्र में समा जाता है। यह संपत्ति की बरबादी तो करता ही है, खेतों की उपजाऊ मिट्टी भी बहाकर समुद्र में ले जाता है। देश हर तरह की तकनीक में पारंगत होने का दावा करता है, लेकिन जब हम बाढ़ की त्रासदी झेलते हैं, तो ज्यादातर लोग अपने बूते ही पानी में जान व सामान बचाते नजर आते हैं। आफत की बारिश के चलते डूब में आने वाले महानगर कुदरती प्रकोप के कठोर संकेत हैं, लेकिन हमारे नीति-नियंता हकीकत से आंखें चुराए हुए हैं। बाढ़ की यही स्थिति असम और बिहार जैसे राज्य भी हर साल झेलते हैं, यहां बाढ़ दशकों से आफत का पानी लाकर हजारों ग्रामों को डूबो देती है। इस लिहाज से शहरों और ग्रामों को कथित रूप से स्मार्ट व आदर्श बनाने से पहले इनमें ढांचागत सुधार के साथ ऐसे उपायों को मूर्त रूप देने की जरूरत है, जिससे ग्रामों से पलायन रु के और शहरों पर आबादी का दबाव न बढ़े ?

आफत की यह बारिश चेतावनी है कि हमारे नीति-नियंता, देश और समाज के जागरूक प्रतिनिधि के रूप में दूरदृष्टि से काम नहीं ले रहे हैं। कृषि एवं आपदा प्रबंधन से जुड़ी संसदीय समिति ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि जलवायु परिवर्तन से कई फसलों की पैदावार में कमी आ सकती है, लेकिन सोयाबीन, चना, मूंगफली, नारियल और आलू की पैदावार में बढ़त हो सकती है। हालांकि कृषि मंत्रालय का मानना है कि जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए खेती की पद्धतियों को बदल दिया जाए तो अनेक फसलों की पैदावार में 10-40 फीसद बढ़ोतरी संभव है। बड़ते तापमान के चलते भारत ही नहीं, दुनिया में वर्षा चक्र में बदलाव के संकेत 2008 में ही मिल गए थे, बावजूद इस चेतावनी को सरकार ने गंभीरता से नहीं लिया। बहरहाल, हर साल बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं का संकट नहीं झेलना पड़े, अतएव क्रांतिकारी पहल करना जरूरी हो गया है। वरना देश हर वर्ष किसी न किसी राज्य या महानगर में बाढ़ जैसी भीषण त्रासदी झेलते रहने को विवश होता रहेगा?

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

मैं साधारण परिवार से हूं, मेहनत से पहचान बनाई है: कृति सेनन

हाल ही में बालीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन ने नेपोटिज्म पर खुलकर अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा था, हर किसी की अपनी जर्नी होती है। अगर मैं एक फिल्मी परिवार से होती, तो मेरे लिए काम करना आसान होता। लोग मुझे पहले से ही जानते और मुझे जल्दी मौके मिलते। लेकिन मैं एक साधारण परिवार से हूं, इसलिए मुझे अपनी मेहनत से अपनी पहचान बनानी पड़ी। बड़े पर्दे का अब जाना माना चेहरा बन चुकी कृति दिल्ली से हैं। उनका जन्म 27 जुलाई 1990 को दिल्ली के पंजाबी परिवार में हुआ। पिता राहुल सेनन एक चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं, तो मां गीता सेनन दिल्ली यूनिवर्सिटी में फिजिक्स की प्रोफेसर। एक्ट्रेस ने अपनी स्कूलिंग दिल्ली पब्लिक स्कूल से की और नोएडा के एक कॉलेज से इंजीनियरिंग की। इसके साथ उन्होंने मॉडलिंग भी की। कृति को पहला बड़ा ब्रेक हिंदी सिनेमा में नहीं बल्कि साउथ सिनेमा में मिला। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत सुपरस्टार महेश बाबू की तेलुगू थ्रिलर फिल्म नेनोक्काडाइन से की थी। बॉलीवुड डेब्यू टाइगर श्रॉफ की फिल्म हीरोपंती से किया। ये फिल्म ब्लॉकबस्टर रही। इसके लिए उन्हें आईफा अवॉर्ड स्टार डेब्यू ऑफ द इयर फीमेल अवॉर्ड भी मिला। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह कई फिल्मों में नजर आईं, जिसमें लुका छिपी, बरेली की बर्फी, दिलवाले, राब्ता, हाउसफुल 4, पानीपत, बच्चन पांडे, आदिपुरुष, हम दो हमारे दो, भेड़िया, शहजादा, गणपत, तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया और क्रू जैसी फिल्मों में नजर आईं। सुपर स्टार प्रभास के साथ आदिपुरुष में भी वो जानकी की भूमिका में दिखीं। कृति ने कई स्पेशल सॉन्ग भी किए, जैसे फिल्म स्त्री के आओ कभी हवेली पे, फिल्म कलंक के ऐरा गैराआदि।युवा, ऊर्जावान एक्टर अपने करियर को लेकर जितनी समर्पित हैं उतना ही खुद को बिजनेस वूमन के तौर पर भी साबित कर रही हैं। कृति सेनन का फैशन और क्लोदिंग लेबल भी है, जिसका नाम मिसेज टेकन है। वह इसकी सह-मालकिन हैं। हाल ही में उन्होंने अपना प्रोडक्शन हाउस ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स लॉन्च किया। इस बैनर के तले पहली फिल्म जल्द ही पर्दे पर रिलीज होगी, जिसका नाम दो पत्ती है। इस फिल्म में काजोल लीड रोल में नजर आएंगी। बता दें कि बॉलीवुड की कुछ हस्तियां ऐसी भी हैं जिनको विरासत में एक्टिंग नहीं मिली हैं। उन्होंने अपने बेहतरीन एक्टिंग के दम पर सिनेमा में अपनी पहचान बनाई। कृति सेनन भी ऐसी ही एक्टर हैं, जिन्हें इंडस्ट्री का आउटसाइडर कहा जाता है। आज कृति अपना 34वां जन्मदिन मना रही हैं।

जाह्नवी को पसंद नहीं आया ओरी का हेयरस्टाइल

अपने बोल्ड स्टाइल के लिए मशहूर ओरहान अवत्रमणि यानी ओरी ने इंस्टाग्राम पर अपना नया हेयर स्टाइल फ्लॉन्ट किया। इसके साथ ही उन्होंने 9 से 5 जॉब करने वालों पर भी तंज कसा। ओरी के हेयर स्टाइल को जब उनकी बेस्ट फ्रेंड और एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर को पसंद नहीं आया, तो बाकी लोगों को कैसे आ सकता है। नेटिजंस ने ओरी को उनके हेयर स्टाइल और नौकरी पर तंज कसने पर ट्रोल किया। ओरहान अवत्रमणि ने इंस्टाग्राम पर अलग-अलग स्टाइल में अपने हेयर लुक को फ्लॉन्ट करती तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों के कैप्शन में उन्होंने लिखा,卐मैं हर शाम चेहरे पर एक लंबी मुस्कान लिए उठता हूं। और मैं निराशा या दुखी महसूस नहीं करता और हां, आप शायद अभी भी 9-5 में काम कर रहे हैंज और मुझे यह सच बहुत बुरा लगता है।卐ओरी की इस पोस्ट ने न सिर्फ नेटिजंस का बल्कि दोस्त जाह्नवी कपूर का भी पारा बढ़ा दिया। जाह्नवी कपूर ने ओरी की पोस्ट पर कमेंट किया, 卐यह बिल्कुल भी अच्छा नहीं लग रहा।卐 कई लोगों ने जॉब करने वालों पर असंवेदनशीलता और कई लोगों ने उनके हेयर स्टाइल की आलोचना की। ट्रोल्स ने हेयर स्टाइल का मज़ाक उड़ाया। मुर्गे से उनकी तुलना की और कुछ ने उनके फैशन सेंस पर सवाल उठाए। मीम्स और नेगेटिव कमेंट्स अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से फैल गए। एक यूजर ने लिखा, 卐स्टाइलिस्ट का नाम? बचने के लिए?卐 एक अन्य ने कमेंट किया, 卐मुर्गे ने ओरी को काट दिया।卐 एक और यूजर ने लिखा, 卐भाई तुम्हारी पूरी पर्सनैलिटी 9 से 5 काम करने वाले लोगों का अपमान करने पर आधारित है। जिन नर्स ने आपको जन्म दिया, वे 9-5 काम करती थीं, लेकिन क्या ही कर सकते हैं।卐 हालांकि कुछ लोगों ने उनके हेयर स्टाइल को कूल बताया है। बता दें कि ओरहान अवत्रमणि यानी ओरी अपने फैशन सेंस और पब्लिक अपीयरेंस को लेकर चर्चा में रहते हैं। ओरी ने सबको अपने नए लुक से चौंका दिया। नेटिजन्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया।

करीना अपनी मां की तरह ईसाई धर्म करती हैं फॉलो

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर को लेकर हमेशा से लोग जानना चाहते हैं कि वो आखिर किस धर्म का पालन करती हैं। क्योंकि उनका जन्म हिंदू फैमिली में हुआ है और उनकी शादी मुस्लिम परिवार में हुई है। अब तैमूर-जेह की नैनी ने खुलासा कर दिया है कि करीना किस धर्म को मानती हैं। करीना कपूर अपने बच्चों का खास ध्यान रखती हैं। हर कोई उनकी परवरिश की तारीफ करता है। करीना अपने दोनों बच्चों को डिसिप्लेन में

रखती हैं। इस बारे में खुद एक्स नैनी ललिता डी सिल्वा ने बताया है। एक इंटरव्यू में ललिता डी सिल्वा ने करीना कपूर के बारे में बात की। उन्होंने कहा- करीना अपने बच्चों से बहुत प्यार करती हैं। वो बहुत ही डिसिप्लेन में रहती हैं और इसके पीछे की वजह उनकी मां बबीता है। ललिता डी सिल्वा ने आगे कहा- करीना कपूर अपनी मां की तरह ईसाई धर्म फॉलो करती हैं। वो मुझसे चर्च में गाए जाने वाले भजन को बजाने के लिए कहती थीं। उन्हें ये बहुत पसंद है। ललिता ने आगे बताया कि वो अपने बच्चों को हर धर्म के बारे में सिखाती हैं। वो कई बार मुझसे इक ओंकार बजाने के लिए भी कहती थीं। वो अपने परिवार में होली से लेकर ईद तक हर त्योहार को बहुत ही धूमधाम से मनाती हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो करीना कपूर के पास कई प्रोजेक्ट्स हैं। वो जल्द ही द बकिंगम मर्डर में नजर आने वाली हैं। ये फिल्म 13 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वो आखिरी बार फिल्म क्रू में कृति सेनन और तब्बू के साथ नजर आईं थीं। बता दें कि करीना हमेशा किसी ना किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। उनकी फिल्मों का तो फैंस को इंतजार रहता ही है साथ ही उनके बच्चों तैमूर और जेह के बारे में भी लोग जानना चाहता हैं। पब्लिक में जहां तैमूर शांत नजर आते हैं तो वहीं जेह मस्ती करते हुए दिखते हैं। करीना के बच्चों का क्यूट अंदाज देखकर फैंस भी खूब उन्हें पसंद करते हैं।

शोस्टॉपर के तौर पर रैंप पर शानदार वापसी की सोनाक्षी ने

हाल ही में बालीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल अपने हनीमून के लिए फिलीपींस गये थे। उन्होंने दिल्ली में इंडिया कॉउचर वीक में डिजाइनर डॉली जेके कलेक्शन के लिए शोस्टॉपर के तौर पर रैंप पर शानदार वापसी की। अभिनेता ज़हीर इक़बाल से शादी के बाद सोनाक्षी का यह पहला रैंप वॉक है। सोनाक्षी के कई वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं और फ़ैशन की दुनिया में उनकी वापसी पर प्रशंसक प्यार बरसा रहे हैं। वॉक के दौरान सोनाक्षी सीक्विन थाई-हाई स्लिट गाउन में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने अपनी मिलियन-डॉलर स्माइल बिखेरी, अपने लहराते घुंघराले बालों को खुला छोड़ा। रैंप पर सोनाक्षी पहले से कहीं ज़्यादा कॉन्फिडेंट दिखीं। उन्होंने अपने चमकीले गुलाबी गाउन को केप और हील्स के साथ स्टाइल किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस इवेंट के दौरान सोनाक्षी ने जहीर के साथ अपनी शादी के बारे में भी खुलकर बात की।

उन्होंने कहा, मुझे सच में लगता है कि सिंपल दुल्हनें फिर से वापस आने वाली हैं। ईमानदारी से कहूं तो मुझे अपनी शादी का पूरा आनंद लेने की आजादी मिली क्योंकि मैं बहुत सहज थी। और मैं सांस लेने और घूमने में सक्षम थी। मैंने खुद पर कोई तनाव नहीं लिया। इसलिए मुझे लगता है कि सिंपल लेकिन खूबसूरत दुल्हन, यह निश्चित रूप से आने वाला ट्रेंड होगा। शादी समारोह के बाद इस जोड़े ने मुंबई में एक शानदार रिसेप्शन का आयोजन किया, जिसमें सलमान खान समेत इंडस्ट्री के तमाम सितारे शामिल हुए। शादी के बाद से ही जहीर और सोनाक्षी अपनी नई-नवेली जिंदगी का भरपूर लुत्फ उठा रहे हैं। इस दौरान दोनों कई जगहों पर घूमे और कई बार डिनर डेट का भी लुत्फ उठाया। सोनाक्षी सिन्हा के वर्क फ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी जल्द ही खिलाड़ी 1080 में नजर आएंगी। यह कबीर सदानंद द्वारा निर्देशित एक एक्शन फिल्म होगी। इस फिल्म में सोनाक्षी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा वह मल्टीस्टारर फिल्म हाउसफुल 5 में नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सोनाक्षी इस फिल्म में कैमियो रोल में नजर आएंगी।

सलमान खान से बेहद डरती हैं जरीन खान

एक्ट्रेस जरीन खान ने कहा कि कैटरीना जैसी दिखने ही उनके करियर के लिए अभिशाप बन गया है।इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि वह सलमान खान से बेहद डरती हैं। जरीन खान को यूं तो फिल्मों में 14 साल हो चुके हैं।उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फिल्म वीर से की थी। यह फिल्म साल 2010 में रिलीज हुई थी।फिल्म में लोगों ने सलमान संग उनकी जोड़ी काफी पसंद किया था।फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी हिट साबित हुई थी।कैटरीना कैफ जैसी दिखने की वजह से जरीन सनसनी बन गई थीं।हालांकि, कैटरीना जैसी दिखना ही करियर के लिए सबसे बड़ी कमियों में से एक बन गई.जरीन खान हाल ही में भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया के पॉडकास्ट शो में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर ढेर सारी बातें शेयर की।इस दौरान उन्होंने बताया कि वह क्यों अपने करियर के पीक प्वॉइंट पर फ्लॉप एक्ट्रेस बन गईं। जरीन खान ने इस बातचीत में खुलासा करते हुए कहा, फिल्म वीर के बाद उनकी जिंदगी बद से बदतर बन गई. मेरी बहुत आलोचना हुई। यह फिल्म मेरे लिए जिंदगी बदलने वाली पल थी। शुरुआत में मुझे बहुत खुशी हुई कि मेरी तुलना कैटरीना कैफ से की जा रही है, लेकिन इंडस्ट्री में चीजें बदतर होती चली गईं। मैं जहां मोटी और थुलथुली थी , वहीं कैटरीना कैफ बेहद सुंदर और अच्छी पर्सनैलिटी वाली थी। ऐसे में उनसे मेरी तुलना होती तो मैं फूले नहीं समाती थी। जरीन आगे बताती हैं कि उनका चहकना कैसे शांत हुआ और खुद को खोई हुई महसूस करने लगीं। उन्होंने कहा, मेरा ये चहकना तब शांत हो गया, जब इंडस्ट्री में इसे गलत तरीके से लिया गया। यह सब उल्टा पड़ गया। बाद में मैंने खुद को इंडस्ट्री में एक खोई हुई बच्ची जैसी महसूस करने लगी। इसके साथ ही मैं झिझक भी महसूस करने लगी थी। मैं वाकई में बहुत लोगों को नहीं जानती थी, लेकिन उन्हें लगने लगा कि मैं घमंडी हूं क्योंकि सलमान खान ने मुझे लॉन्च किया है। हालांकि, ऐसा कुछ नहीं था। जरीन खान ने आगे बताया कि आलोचना ने उन पर इतना बुरा असर डाला कि एक समय ऐसा भी आया जब वह घर पर ही रहना पसंद करती थीं। उन्होंने कहा, एक समय ऐसा भी था जब मैं अपने घर से बाहर निकलने से भी डरती थी क्योंकि लोग मेरे कपड़ों पर कमेंट करते थे। यह तुलना बहुत नेगेटिव तरीके से होती थी। मुझे इतने सारे नाम दिए गए कि एक समय तो मैं घर पर ही बैठना चाहती थी। लोगों ने मुझे फ्लॉफ घोषित कर दिया था।जरीन खान आगे अपना दर्द शेयर करते हुए कहती हैं कि कैटरीना संग मेरी तुलना होने का नतीजा ये हुआ कि मुझे काम मिलना ही बंद हो गया। लोगों ने अपने दरवाजे मेरे लिए बंद कर दिए। इसका नजीता ये हुआ कि मेरे पास बिल भरने के भी पैसे नहीं बचे। मेरी लाइफ एकदम खराब हो गई। जरीन खान ने दावा किया कि फिल्म वीर के बाद काफी दिनों तक वह बेराजगार बैठी रहीं। उनके पास काम नहीं था। काफी दिनों बाद उन्हें फिल्म रेडी में कैरेक्टर ढीला गाने के बाद उनकी सोच बदल गई। इस गाने को करने के बाद उन्हें जो भी काम मिल रहा था, वो उसे बिना सोचे समझे करती चली गईं। मैं एक अमीर घराने से नहीं आती, मैं अपने घर की अकेली कमाने वाली हूं, इसलिए उस समय, मैं अपना घर चलाने के लिए नौकरी करना चाहती थी। इतने मुश्किल समय में फिर उनके हाथ हेट स्टोरी लगी, लेकिन यह उनके जीवन का बहुत ही अजीब समय था। वह बिना कुछ समझे इसे ज्वॉइंन किया था। बता दें कि जरीन खान को आखिरी बार 2021 की फिल्म हम भी अकेले तुम भी अकेले में देखा गया था। बता दें कि जरीन खान की तुलना अक्सर कैटरीना कैफ से की जाती थी।

जुनैद खान की फिल्म महाराज की सक्सेस पार्टी, एक्स वाइफ के संग दिए पोज

अभिनेता आमिर खान के बड़े बेटे जुनैद खान भी अब फिल्मी दुनिया में कदम रख चुके हैं। जुनैद खान की डेब्यू फिल्म 'महाराज' थी। जो 22 जून को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफिलक्स पर रिलीज हुई थी। इसी के चलते अब आमिर खान ने बेटे के लिए एक पार्टी होस्ट की, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। फिल्म का निर्माण आमिर करेंगे और इसकी शूटिंग जापान में होने की खबर है। इसके अलावा जुनैद का नाम खुशी कपूर के साथ एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में भी सामने आ रहा है। आमिर खान ने बेटे की सफलता के लिए अब घर पर सक्सेस पार्टी का आयोन किया, जिसकी एक झलक डायरेक्टर सिद्धार्थ ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की है और कैप्शन में लिखा, गुड टाइम्स और हार्ट इमोजी भी बनाया। हालांकि, रिलीज से पहले फिल्म को लेकर कई तरह की कंट्रोवर्सी भी देखने को मिली, लेकिन जब ओटीटी पर आई तो दर्शकों ने खूब प्यार भी दिया। फोटो में आमिर खान की भी झलक देखने को मिली, जिसमें कैप्शन दिया गया, जीवन भर उनका फैन रहूंगा। तब भी उनसे प्यार करता था। अब और हमेशा उनसे और भी ज्यादा प्यार करता रहूंगा। सिद्धार्थ पी मल्होत्रा द्वारा निर्देशित फिल्म महाराज में जयदीप अहलात, शालिनी पांडे और श्रावरी स्पेशल भी नजर आए। महाराज की कहानी एक रियल ऐतिहासिक अदालती मामले पर आधारित है, जिसमें एक साहसी पत्रकार एक प्रतिष्ठित नेता के अनैतिक आचरण पर सवाल उठाता है। महाराज के बाद अब जुनैद खान जल्द ही साई पल्लवी के साथ सह-कलाकार के रूप में निर्देशन और अभिनय करेंगे।

बीते 6 साल से दर्शकों को निराश कर रहे हैं आमिर खान

लगातार ब्लॉकबस्टर फिल्म देने वाले बालीवुड के सुपर स्टार आमिर खान बीते 6 साल से दर्शकों को निराश कर रहे हैं। हालांकि, अब लगता है कि आमिर खान एक बार फिर से नई शुरुआत करने के लिए एकदम तैयार हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार आमिर खान एक नई रणनीति के साथ वापसी करने का प्लान किया है।

सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि आमिर अपनी एक साल में एक फिल्म की रणनीति पर वापस जाने प्लान किया है। वह साल में कम से कम एक फिल्म जरूर करने की योजना बना रहे हैं। वह इसके लिए कमर कस चुके हैं। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि आमिर खान ने फिल्मों से ब्रेक लेकर यह महसूस किया कि बतौर अभिनेता और एक स्टार के रूप में वे ऐसा काम नहीं कर पा रहे हैं जैसा कि वे करते आ रहे हैं। भले ही क्रिसमस पर उनकी कई फिल्में रिलीज होंगी। जैसे जेनेलिया डिसूजा के साथ 'सितारे जमीन पर' और वीर दास की 'हैप्पी पटेल' फिल्में हैं। हालांकि वे फिर से एक्टिंग की दुनिया में हाथ आजमाना चाह रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, परफेक्शनिस्ट के पास भी अपने एक्टिंग करियर के लिए भी कई बड़ी योजनाएं हैं। वह पूरे दिल से एक बार फिर से एक्टिंग की दुनिया में उतरना चाहते हैं। हालांकि, उनकी स्टैटजी पहले से एकदम जुदा होगी।

याद दिला दें कि आमिर खान की फिल्में बीते 6 साल से बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से पीट रही हैं। उनका ये हाल साल 2018 से अब तक जारी है। साल 2018 में आई फिल्म 'ठग्स ऑफ़ हिंदोस्तान' जो एक भारी बजट में बनी काफी महंगी फिल्म थी, लेकिन ये दर्शकों को इम्प्रेस करने में चूक गई थी। इस फिल्म में आमिर खान के साथ अमिताभ बच्चन और कैटरीना कैफ जैसे सितारे भी थे। इस फिल्म के रिलीज के बाद आमिर खान की 'लाल सिंह चड्ढा' भी 2022 में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने में नाकाम रही। इस फिल्म के फ्लॉप होने के बाद आमिर खान ने फिल्मों से ब्रेक लेना ही उचित समझा। बीते दो साल से आमिर खान की बतौर एक्टर कोई फिल्म नहीं आई है। बता दें कि आमिर खान बतौर प्रोड्यूसर एक के बाद एक फिल्में प्रोड्यसर कर रहे हैं।

आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस में बनी हालिया रिलीज 'लापता लेडीज' को हर किसी को पसंद आई। इस फिल्म के आमिर खान की एक्स वाइफ किरण राव के डायरेक्ट किया था। अब उनके प्रोडक्शन में 'सितारे ज़मीन पर', 'लाहौर 1947' और 'हैप्पी पटेल' है। मालूम हो कि 59 साल के हो चुके आमिर खान ने फिल्म इंडस्ट्री में कई सारे गोल्स स्थापित किये हैं। बॉक्स ऑफिस पर ताबतोड़ कमाई करने का रिकॉर्ड उन्हीं के नाम है। बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़, 200 करोड़ और 300 करोड़ रुपये के क्लब की शुरुआत करने का श्रेय उन्हीं की फिल्मों को जाता है। 'गजनी', '3 इडियट्स', 'पीके', 'दंगल', 'लगान' और 'दिल चाहता है' जैसी उनकी फिल्मों की तूती अभी भी बॉक्स ऑफिस पर बोलती हैं।

पेरिस ओलंपिक

6 और 8 अगस्त को एक्शन में नजर आएंगे नीरज चोपड़ा

- नीरज चोपड़ा क्या फिर से जीत पाएंगे गोल्ड मेडल?

पेरिस, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत को अपने स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा से बड़ी उम्मीद है। नीरज ने टोक्यो ओलिंपक 2018 में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीता था और एक बार फिर से उनसे पेरिस में भी बड़ी उम्मीद है। नीरज चोपड़ा अगर इस बार भी गोल्ड मेडल जीतने में कामयाब हो जाते हैं तो वो इतिहास रच देंगे। आपको बताते हैं कि नीरज चोपड़ा किस दिन मैदान पर नजर आएंगे।

भारत की तरफ से ओलिंपिक इतिहास में गोल्ड मेडल जीतने वाले सिर्फ दो खिलाड़ी हैं जिसमें एक अभिनव बिंद्रा हैं तो दूसरे नीरज चोपड़ा हैं। वहीं भारत की तरफ से अब तक किसी भी खिलाड़ी ने दो गोल्ड मेडल ओलिंपिक में नहीं जीते हैं, लेकिन नीरज का जिस तरह का प्रदर्शन रहा है ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि वो भारत के लिए ओलंपिक में दो गोल्ड मेडल जीतने का कमाल कर सकते हैं। नीरज चोपड़ा टोक्यो ओलंपिक में 6 अगस्त को मैदान पर क्वालिफिकेशन राउंड में उतरेंगे। इसमें अगर वो फाइनल के लिए क्वालिफाई कर जाते हैं तो फिर 8 अगस्त को एक्शन में दिखेंगे। 8 अगस्त को मेन्स जैवलिन थ्रो की शुरुआत भारतीय समय के मुताबिक दिन के 11.55 बजे होगी।

इतिहास रचने के करीब हैं नीरज चोपड़ा

नीरज चोपड़ा अगर 8 अगस्त को मेन्स जैवलिन थ्रो इवेंट में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीत जाते हैं तो वो इस प्रतियोगिता में अपने टाइटल का बचाव करने वाले वर्ल्ड के 5वें एथलीट बन जाएंगे। यही नहीं वो ओलिंपिक में लगातार दो गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट भी बन जाएंगे। नीरज चोपड़ा से पहले जैवलिन थ्रो इवेंट में एरिक लेमिंग (स्वीडन- 1908 और 1912), जॉनी मायरा (फिनलैंड- 1920 और 1924), जान जेलेजनी (चेक गणराज्य- 1992, 1996 और 2000) और एंड्रियास थोरकिल्डसन (नॉर्वे- 2004 और 2008) ही ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंनेअपने खिताब का बचाव किया था।

टेबल टेनिस के कड़े मुकाबले में स्टार मनिका बत्रा को मिली हार

- टूट गया मेडल का सपना

पेरिस, एजेंसी। भारत की स्टार टेबल टेनिस प्लेयर मनिका बत्रा पेरिस ओलंपिक 2024 में एकल स्पर्धा के प्री क्वार्टर फाइनल में जापान की मियू हिरानो से 1-4 से हारकर बाहर हो गईं। लेकिन उन्होंने मुकाबले में जापान की मियू हिरानो को कड़ी टक्कर दी। अंत में बाजी जापानी के खिलाड़ी के हाथ लगी। मनिका को 47 मिनट तक चले अंतिम 16 के मुकाबले में हिरानो ने 11-6, 11-9, 12-14, 11-8, 11-6 से शिकस्त दी। मनिका ने दो गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए तीसरे गेम में 14-12 से जीत दर्ज की। लेकिन इसके बाद इस लय को जारी नहीं रख सकी और अगले दो गेम गंवाकर बाहर हो गईं।

पहले दो गेम हारने के बाद मनिका ने की थी वापसी

मनिका बत्रा ने पहला गेम 11-6 से गंवा दिया था। इससे वह 0-1 से पिछड़ गईं। पहले गेम में उनके पास बढ़त लेने का चांस था, लेकिन वह दबाव में आ गईं और गलतियां कर बैठीं। दूसरे गेम में भी पहले गेम जैसी ही कहानी दोहराई गई। जब वह उन्होंने 11-9 से गेम गंवा दिया। उनके पास लीड लेने का मौका था, लेकिन वह चूक गईं। मनिका बत्रा ने तीसरे गेम में बहुत ही शानदार प्रदर्शन किया। शुरुआत में ही लीड ले ली थी। लेकिन इसके बाद हिरानो ने लीड बराबर कर दी। एक समय पर दोनों ही प्लेयर्स गेम जीतने की कगार पर थीं। पर अंत में बाजी मनिका के हाथ लगी। उन्होंने 14-12 से गेम जीत लिया। उन्होंने चौथे और पांचवें गेम में भी हिरानो को टक्कर दी। लेकिन जापानी प्लेयर के अनुभव के आगे मनिका टिक नहीं पाईं। उन्होंने मैच 4-1 से गंवा दिया और उनसे मेडल की उम्मीद टूट गई।

इंडिया वर्सेस श्रीलंका

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से दो और खिलाड़ी बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज से पहले श्रीलंका की पेस बैटरी डाउन हो गई है। दो और तेज गेंदबाज भारत के खिलाफ एकदिवसीय मैचों से बाहर हो गए हैं।

मथीशा पथिराना को कंधे में परेशानी और दिलशान मदुशंका को हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है। श्रीलंका को दुष्मंथा चमीरा के भी सेवाएं नहीं मिलनी हैं, जो बीमारी के कारण बाहर हैं। इसके अलावा नुवान तुषारा के अंगूठे में फ्रैक्चर है। ये दोनों खिलाड़ी टी20 में भी नहीं खेले थे।

वाह! भारत को मिल गए तेंदुलकर-गांगुली

ये दोनों हैं विराट कोहली-रोहित शर्मा जैसे खतरनाक

नई दिल्ली, एजेंसी। एक समय था जब भारतीय टीम के लिमिटेड क्रिकेट फॉर्मेट में महान सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली का सिक्का चलता था। इस ओपनिंग जोड़ी से दुनिया का हर गेंदबाज कांपता था। दाएं और बाएं हाथ के ओपनरों की इस तरह की जोड़ी फिर भारत को नहीं मिली।

गौतम गंभीर और वीरेंद्र सहवाग सीन में जरूर आए, लेकिन बहुत समय तक नहीं रहे। कुछ ऐसा ही देखने को मिला शिखर धवन और रोहित शर्मा के साथ। हालांकि, अब इस तरह की कामयाब जोड़ी बनती दिख रही है। जी हां, हम बात कर रहे हैं शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल के बारे में। इस महीने की शुरुआत में भारत को टी20 इंटरनेशनल में शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल के रूप में एक नई ओपनिंग जोड़ी मिली। इस जोड़ी को रोहित शर्मा और विराट कोहली की स्टार बल्लेबाजी जोड़ी की जगह लेने की जिम्मेदारी है, जिन्होंने पिछले महीने टीम के विजयी टी20 विश्व कप अभियान में भारत के सभी मैचों में ओपनिंग की थी।

श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में को भारत की शानदार 3-0 की जीत दिलाई और इस जोड़ी में भारतीय क्रिकेट विशेषज्ञों को भविष्य दिखने लगा है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि इस जोड़ी ने भारत को शुरुआती टी20 में आक्रामक शुरुआत दी। पहले छह ओवरों में 74 रन बनाए और टीम के लिए जबरदस्त फाउंडेशन तैयार किया। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के दौरान दो मैचों में भी शानदार प्रदर्शन किया जहां गिल ने टीम की अगुआई की थी। भारत के पूर्व बल्लेबाज रोबिन उथप्पा ने अब युवा ओपनिंग जोड़ी की काफी प्रशंसा की है और सौरव गांगुली-सचिन तेंदुलकर की महान जोड़ी से उनकी तुलना की है।

कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट में 27,000 रन पूरे करने के करीब

नईदिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लगभग एक महीन के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली मैदान पर नजर आने वाले हैं। भारत और श्रीलंका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत 2 अगस्त से होगी और इस वनडे सीरीज में विराट कोहली का जलवा क्रिकेट प्रेमियों को देखने को मिलेगा। वहीं इस सीरीज का दूसरा मुकाबला 4 अगस्त जबकि तीसरा मैच 7 अगस्त को खेला जाएगा। विराट कोहली के लिए टी20 वर्ल्ड कप 2024 ज्यादा अच्छा नहीं रहा था, लेकिन फाइनल मुकाबले में उन्होंने भारत के लिए उपयोगी पारी खेली थी और भारत को चैंपियन बनाने में बड़ी भूमिका निभाई थी।

कोहली ने भारत के चैंपियन बनने के बाद क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप को अलविदा कह दिया था। हालांकि वो भारत के लिए अभी टेस्ट और वनडे खेलते रहेंगे। कोहली श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज में खेलेंगे और इस दौरान उनके पास इंटरनेशनल क्रिकेट में 27,000 रन पूरा करने का शानदार मौका होगा।

विराट कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट में 27,000 रन पूरे करने के करीब पहुंच गए हैं और श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के दौरान वो आसानी से रन के इस आंकड़े को छू सकते हैं। इंटरनेशनल क्रिकटे में विराट कोहली ने 530 मैचों में अब तक 26,884 रन बनाए हैं और वनडे सीरीज के दौरान वो जैसे ही 116 रन बना लेंगे वो रन के इस आंकड़े (27,000) तक पहुंच जाएंगे।

इंटरनेशनल क्रिकेट में कोहली से पहले 27,000 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, कुमार संगकारा और रिकी पोंटिंग हैं।

इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप 5 बल्लेबाज

सचिन तेंदुलकर – 34,357 रन
कुमार संगकारा – 28,016 रन
रिकी पोंटिंग – 27,483 रन
विराट कोहली – 26,884 रन
महेला जयवर्धने – 25,957 रन

दीप्ति शर्मा की घर वापसी, बंगाल का साथ छोड़ अब उत्तर प्रदेश से खेलेंगी क्रिकेट

नईदिल्ली , एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर खिलाड़ी दीप्ति शर्मा ने आगामी घरेलू सत्र से पहले बंगाल का साथ छोड़ दिया है। वह अब अपने गृह राज्य उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करती दिखेंगी। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल से उन्हें नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट भी मिल गया है।

उत्तर प्रदेश पुलिस में नौकरी मिलने के कारण दीप्ति ने यह फैसला लिया है। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली ने दीप्ति शर्मा को लेकर स्पोर्टस्टार को बताया, दीप्ति को उत्तर प्रदेश पुलिस में नौकरी मिल गई है और इसलिए वह वहां शिफ्ट होना चाहती थीं। हमने पहले ही उसे एनओसी जारी कर दी है। इसी साल जनवरी में दीप्ति को उत्तर प्रदेश सरकार ने पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) पद से सम्मानित किया था। भारत की महिला क्रिकेट टीम की प्रमुख सदस्य दीप्ति कुछ साल पहले झूलन गोस्वामी और मिठू मुखर्जी के कहने पर उत्तर प्रदेश से बंगाल चली गई थीं।

पिछले साल खबरें आई थीं कि वह बंगाल टीम को छोड़ने वाली हैं। हालांकि, सीएबी अधिकारियों ने उन्हें बंगाल के साथ बने रहने के लिए लिए मना लिया था। गांगुली के मुताबिक, दीप्ति के रिप्लेसमेंट के तौर पर किसी बाहरी खिलाड़ी को साइन किया जाए या नहीं, इस पर अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है।

साउथ अफ्रीका–अफगानिस्तान के बीच पहली बार होगी क्रिकेट सीरीज

नईदिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका की टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में जगह बनाई थी। लेकिन टीम को फाइनल में भारत के खिलाफ 7 रनों से हार झेलनी पड़ी थी। पिछले कुछ समय से साउथ अफ्रीका ने क्रिकेट की दुनिया में अच्छा प्रदर्शन किया है। अब साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान के बीच 18 सितंबर से शारजाह में तीन वनडे मैचों की सीरीज होगी। दोनों टीमों के बीच ये पहली बाइलेटरल सीरीज होगी। इससे पहले दोनों टीमों के बीच एक भी बाइलेटल सीरीज नहीं हुई है।

दोनों टीमों के बीच हुए हैं अभी तक सिर्फ दो वनडे मैचः बाइलेटल सीरीज से ही दोनों टीमें चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी करना चाहेंगे। साउथ अफ्रीका ने अफगानिस्तान के खिलाफ सिर्फ दो एकदिवसीय मैच खेले हैं, जिसमें हर बार बाजी साउथ अफ्रीका ने मारी है। दोनों ही मैच वनडे वर्ल्ड कप में हुए थे। एक साल 2019 में और दूसरा 2023 में। दोनों टीमें हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप 2024

के सेमीफाइनल में आपस में भिड़ी थीं, तब अफ्रीकी टीम ने जीत दर्ज की थी। क्रिकेट साउथ अफ्रीका के चेयरमैन चेयरमैन लॉसन ने कहा कि हम अफगानिस्तान के साथ इस ऐतिहासिक वनडे सीरीज को शुरू करने के लिए उत्साहित हैं। अफगानिस्तान अपने हालिया प्रदर्शन से एक बहुत ही प्रतिस्पर्धी टीम बन गई है। उन्होंने आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 और टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अच्छा प्रदर्शन किया है।

यह हमारे क्रिकेट संबंधों को मजबूत करने के लिए एक अहम पल होगा। हम एक प्रतिस्पर्धी और मनोरंजक सीरीज की उम्मीद करते हैं।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मीरवाइज अशरफ ने कहा कि ये मैच शुरू में हमारे एफटीपी का हिस्सा नहीं थे। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका में अपने समकक्षों के साथ हमारी बातचीत के आधार पर, हमने निष्कर्ष निकाला कि हम सितंबर में वनडे सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करेंगे।

आईपीएल 2025

काव्या मारन नियमों से नाराज

नईदिल्ली, एजेंसी। बीसीसीआई आईपीएल मेगा ऑक्शन के लिए तैयार है. ऐसा माना जा रहा है कि आईपीएल 2025 से पहले मेगा ऑक्शन संभव है. लेकिन अब तक मेगा ऑक्शन पर आईपीएल टीमों की समान राय बन नहीं सकी है. दरअसल, इस पर आईपीएल मालिकों की राय अलग-अलग है. इसके अलावा आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर नियम समेत कई अन्य मसलों पर बीसीसीआई और टीमों के मालिक आमने-सामने है. वहीं, अब सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन की नाराजगी सामने आई है.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन नियमों से बेहद नाखुश हैं. क्रिकबज की खबर की मानें तो काव्या मारन ने बीसीसीआई के साथ टीम मालिकों की बैठक के बाद नियमों पर नाराजगी जताई. काव्या मारन ने कहा कि टीम बनाने में लंबा वक्त लगता है, इससे पहले काफी मंथन करना पड़ता है, युवा खिलाड़ियों पर निवेश करना होता है, युवा खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में वक्त लगता है.

ऐसे में मेगा ऑक्शन ठीक ठीक नहीं है, क्योंकि ऑक्शन में आपके खिलाड़ी ऑक्शन में दूसरी टीमों का हिस्सा बन जाते हैं. जबकि इससे पहले आप उन युवा खिलाड़ियों पर निवेश करते हैं. इसके बाद काव्या मारन सनराइजर्स हैदराबाद के युवा खिलाड़ी अभिषेक शर्मा का उदाहरण देती हैं. काव्या मारन कहती हैं कि अभिषेक शर्मा को तैयार

करने में 3 साल का वक्त लगा. इस खिलाड़ी को हमने 3 साल तक तैयार कर बेहतर बनाया.

अब अभिषेक शर्मा हमारे लिए अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन इसके पीछे हमारी मेहनत है. उन्होंने कहा कि अभिषेक शर्मा इकलौते उदाहरण नहीं हैं, इस तरह के उदाहरण आपको बाकी टीमों में भी मिल जाएंगे. लिहाजा, सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन मेगा ऑक्शन की पक्षधर नहीं हैं.

ब्राजील में हुए नाव हादसे में मरने वालों की संख्या 5 हुई

साओ पाउलो। उत्तरी ब्राजील की अमेज़ॅन नदी में गत सोमवार को एक यात्री नाव में आग लगने और डूबने से 3 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं अब घायलों में से दो और लोगों की मौत हो गई। अब इस हादसे में मरने वालों की संख्या 5 हो गई है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि दौ सौ से ज्यादा लोगों को ले जा रही यात्री नाव एम. मोंटेइरो में अमेज़ॅनस में उरीनी नगर पालिका के पास आग लग गई। राज्य सरकार ने बताया कि पिछले कुछ घंटों में घायल यात्रियों में से दो की और मौत हो गई, जिससे मरने वालों की संख्या 5 हो गई। मीडिया ने कहा कि कुछ प्रत्यक्षदर्शियों का मानना है कि आग आतिशबाजी के कारण लगी होगी। तीन दिनों में अमेज़ॅनस राज्य में यात्री नावों में लगी यह दूसरी आग थी। पिछले शनिवार को नाव कोमांडेंट सूजा तृतीय आग लगने के बाद डूब गई थी, जिसमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई थी और पांच लापता बताए गए थे।

भुगतान न किए जाने से कई उड़ानें रद्द, यात्री दुबई में फंसे

दुबई। एयरपोर्ट प्राधिकरण को भुगतान न किए जाने के कारण कई उड़ानें रद्द होने से स्पाइसजेट के सैकड़ों यात्री दुबई एयरपोर्ट पर फंस हुए हैं। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने गुरुवार को बताया कि परिचालन संबंधी कारणों से दुबई से भारत आने वाली कुछ उड़ानें रद्द कर दी गईं है, लेकिन उन्होंने विस्तृत जानकारी नहीं दी। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि दुबई से भारत के कई शहरों के लिए संचालित होने वाली स्पाइसजेट की करीब दस उड़ानें बकाया भुगतान न होने के कारण रद्द कर दी गईं है। इस वजह से दुबई में सैकड़ों यात्री फंस गए हैं। एअरलाइन प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी ने तुरंत कदम उठाते हुए फंसे यात्रियों को अगली उड़ानों में बुकिंग दी और उनके लिए होटल में ठहरने की व्यवस्था भी की। उन्होंने कहा कि दुबई से एअरलाइन की सभी निर्धारित उड़ानें अब योजना के मुताबिक संचालित हो रही हैं।

यूक्रेन को मिला एफ-16 लड़ाकू विमान, रुस को देगा मुंह तोड़ जवाब

-कई महीनों से की जा रही थी मांग, अमेरिका दे रहा पायलटों को प्रशिक्षण

वाशिंगटन। रुस और यूक्रेन जंग को दो से ज्यादा हो चुके हैं और इसमें दोनों ही देशों ने बहुत कुछ खो दिया है। जान-माल का भारी नुकसान हुआ है लेकिन दोनों ही एक-दूसरे पर बराबर हमले कर रहे हैं। जंग के बीच अब अमेरिका ने यूक्रेन को पहला एफ-16 लड़ाकू विमान भेज दिया है, जिसकी मांग यूक्रेन रूसी मिसाइल हमलों से निपटने के लिए कई महीनों से कर रहा था। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि यूक्रेन अब रुस को मुंह तोड़ जवाब देगा। जानकारी के मुताबिक यूक्रेन कई महीनों से अपने पश्चिमी सहयोगियों से एफ-16 लड़ाकू विमान देने की मांग कर रहा है। उसका कहना है कि रूस द्वारा उसके खिलाफ दागी जा रही मिसाइलों से निपटने के लिए एफ-16 लड़ाकू विमान की बहुत जरूरत है क्योंकि यह दुश्मन के हवाई हमले को नाकाम करने में सक्षम है। पश्चिमी देशों ने पहले आशंका जताई थी कि उन्नत हथियारों की आपूर्ति करने से युद्ध और भड़क सकता है साथ ही लड़ाकू विमानों की आपूर्ति करने में हिचकिचाहट दिखाई थी। अमेरिका यूक्रेन के पायलटों को इन लड़ाकू विमानों को उड़ाने का प्रशिक्षण भी दे रहा है। हालांकि अभी यह साफ नहीं हुआ है कि पहले चरण में यूक्रेन को कितने लड़ाकू विमान उपलब्ध कराए गए या किन देशों ने उसे ये विमान दिए। यूक्रेन की सरकार ने भी लड़ाकू विमान मिलने की पुष्टि नहीं की है। नाटो सदस्य बेल्जियम, डेनमार्क, नीदरलैंड और नॉर्वे ने यूक्रेन को 60 से ज्यादा विमान देने की प्रतिबद्धता जताई है। हालांकि, रूस के हवाई बेड़े के मुकाबले यह संख्या बहुत कम है। यूक्रेन के एक अधिकारी के मुताबिक रूस के हवाई हमलों को नाकाम करने के लिए उसे कम से कम 130 एफ-16 लड़ाकू विमानों की जरूरत है।

दूषित भोजन सालाना 4,20,000 से अधिक की ले लेता है जान, जलवायु परिवर्तन से बढ़ सकता है भोजन के विषाक्त होने का खतरा

जिनेवा। दूषित भोजन हर साल 4,20,000 से अधिक लोगों की जान ले लेता है। जलवायु परिवर्तन से भोजन के विषाक्त होने का खतरा और बढ सकता है। वैज्ञानिक इसके लिए बेहतर तरीके से तैयार होने में हमारी मदद करने के लिए अनुमान लगाने वाले कंप्यूटर मॉडलिंग की ओर रुख कर रहे हैं। खाद्य पदार्थों का संदूषण खेत से लेकर थाली तक लगभग हर स्तर पर हो सकता है। जानवरों के चारे में प्रवेश करने वाले बैक्टीरिया से, धूल या जानवरों के मल के संपर्क में आने से, खाद्य प्रसंस्करण के दौरान स्थानांतरित होने वाले संक्रमणों से, या अनुचित भंडारण से संदूषण फैल सकता है। जलवायु परिवर्तन के चलते हवा और पानी के तापमान में अत्यधिक और तेजी से बदलाव हुए हैं। इसने वर्षा चक्र और इसकी तीव्रता को प्रभावित किया है और बढ़ी हुई आर्द्रता ने गंभीर परिणामों के साथ खाद्य पदार्थों के उत्पादन में बदलाव किया है।हालांकि, इसमें शामिल कारकों के कारण सीधे अनुमान लगाना मुश्किल है, पर्यावरण में बदलाव ने जानवरों और मनुष्यों के बीच संचरण की अधिक आशंकाएं उत्पन्न हुई हैं। बाढ़ और सूखे जैसी मौसमी घटनाएं मिट्टी, पानी और पशु आहार को सीवेज से रसायनों और औद्योगिक एवं कृषि भूमि से विषाक्त पदार्थों और कीटनाशकों से दूषित कर सकती हैं। मलावी जैसे पहले से ही संसाधन की कमी वाले देशों में गर्म जलवायु और सीमित बारिश ने न केवल भोजन की उपलब्धता पर हानिकारक प्रभाव डाला है, बल्कि मक्का में एफ्लाटॉक्सिन (कवक से जहरीले कार्सिनोजेन्स) संदूषण के लिए अधिक अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण किया है।कैलिफ़ोर्निया, अमेरिका और कनाडा के कुछ हिस्सों में, रोमेन लेट्यूस में पाए जाने वाले ई। कोलाई का प्रकोप भारी वर्षा के बाद उपज वाले क्षेत्रों में बहने वाले वर्षा जल से हो सकता है। जलवायु परिवर्तन के चलते होने वाली खाद्य पदार्थों की कमी असुरक्षित खाद्य पदार्थों के उपभोग को बढ़ा सकती है और खेतों का जंगलों में विस्तार कर सकती है। बेहतर हस्तक्षेप डिजाइन करने के लिए एक समग्र मॉडल की आवश्यकता होगी। यॉर्क यूनिवर्सिटी, कनाडा के शोधकर्ताओं ने एक वैचारिक मॉडल विकसित किया है जो खाद्य-जनित जूनोटिक रोगों और उसे प्रभावित करने वाले कारकों में जटिल, अप्रत्याशित और गतिशील रूप से विकसित होने वाली पारस्परिक प्रभाव का पता लगा सकता है। इनमें चरम मौसमी घटनाओं, पर्यावरणीय प्रभाव, खाद्य आपूर्ति श्रृंखला, खाद्य सुरक्षा प्रथाओं, आपदा प्रबंधन और घरेलू सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति के बीच संबंधों का विश्लेषण शामिल है।

गर्मी का असर पडता है पक्षियों की जनसंख्या पर भी, ताजा अध्ययन में हुआ यह खुलासा

लंदन। गर्मी ने जेबरा फिंच पक्षियों के टेस्टिंग की तो सैकड़ों जीन्स की गतिविधियों पर असर डाला है, लेकिन मस्तिष्क को कम प्रभावित किया है। इससे पता चलता है कि मस्तिष्क गर्मी पर कम प्रतिक्रिया करता है। एक ताजा अध्ययन में यह दावा किया गया है। ग्रीष्म लहर के प्रभावों को लेकर एक पर्यावरणीय अध्ययन में पक्षियों पर शोध किया है। इसमें गर्मी का पक्षियों के के बर्ताव और उनके शरीर क्रिया विज्ञान पर क्या असर होता है इसकी पड़ताल की गई है। यह अध्ययन पक्षियों के जलवायु परिवर्तन का सामना करने की क्षमता के बारे में भी जानकारी देने वाला साबित हुआ है। इस अध्ययन कि पहली लेखक और शिकागो की लोयोला यूनिवर्सिटी में एसिस्टेंट प्रोफेसर सारा लिप्शूत्ज ने बताया कि गर्मी के बर्ताव संबंधी और शरीरक्रिया विज्ञान संबंधी प्रभावों की अधिकांश जानकारी हमें पानी के जीवों या फिर धरती के ठंडे खून के जीवों से मिलती हैं, लेकिन ग्रीष्म लहर धरती के स्तनपायी जानवरों और पक्षियों के लिए भी बड़ी समस्या हो सकती है। खासतौर पर यदि गर्मी उनके प्रजनन अंगों के खास हिस्सों को प्रभावित करे तब ऐसा ज्यादा समस्याकारक हो सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि हम जानना चाहते थे कि इन समस्याओं से कैसे निपटा जाए, यह समझने के लिए यह समझना जरूरी है कि यह कैसे होता है। ग्रीष्म लहरें गर्म खून के जानवरों के लिए घातक साबित हो सकती है लेकिन हाल ही में हुए जलवायु परिवर्तन पर हुए अध्ययनों में उन पर बर्ताव संबंधी और शरीरविज्ञानसंबंधी एक तरह से गायब पाए गए हैं। शोधकर्ता गर्मी के कुछ कम घातक प्रभावों के बारे जानना चाहते थे जो जानवरों को नहीं मारते हैं लेकिन उनका जलवायु परिवर्तन के अनुसार ढलने या बदलने की क्षमता पर असर होता है।लिप्शूत्ज और उसके साथियों ने जेबरा फिंचों को चार घंटे के हीट चैलेंज का सामना कराया। इसमें जंगली पक्षी वही अनुभव करते हैं जो ग्रीष्मकाल के दिनों में दोपहर के समय की गर्मी में करते हैं। जेबरा फिंच को अध्ययन के लिए इसलिए चुना गया क्योंकि गाने वाले पक्षी अपने मूल निवास ऑस्ट्रेलिया में भीषण गर्मी के तापमान के उतार चढ़ाव का सामना करते हैं।

मैरीलैंड एयरपोर्ट पर रुस से रिहा होकर पहुंची अलसू कुरमसशेवा का स्वागत करते हुए अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस व राष्ट्रपति जो बाइडेन।

ईरान का ऐलान, हानिया की मौत का बदला लेने इजराइल पर करो हमला

तेहरान। हमास चीफ इस्माइल हानिया की मौत की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। हानिया पर हमला तब हुआ जब वो तेहरान में थे। अब बदला लेने के लिए ईरान ने भी इजरायल पर हमला करने का ऐलान कर दिया है। इजरायल पर हमला करने की पुष्टि ईरान के अधिकारी भी कर चुके हैं। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातोल्लाह अली खामेनेई ने सेना को आदेश दिया है कि वह इजरायल पर हमला करे। ये आदेश सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल की इमरजेंसी बैठक के बाद दिया गया है। अब तक ये सामने नहीं आया है कि हमला किस तरह का होगा। ईरान किस ताकत के साथ इजरायल पर हमला बोलेगा। यह माना जा रहा है कि तेल अवीव पर हुए हमले जैसा ही होने वाला है। ईरान ड्रोन और मिसाइल से हमला करने की तैयारी में जुट गया है। ऐसा माना जा रहा है कि ईरान हमला करने में अपने सहयोगी देशों की मदद भी मांग सकता है। हानिया की मौत के बाद ही ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई ने कहा था कि वह इजरायल से इसका बदला जरुर लेंगे। इजरायल पर हमला करने से भी चूका नहीं जाएगा। हिजबुल्ला ने इजराइल द्वारा मंगलवार को बेरूत में किए गए अप्रत्याशित हमले में अपने शीर्ष कमांडर फौद शुकूर के मारे जाने की पुष्टि की है। ईरान समर्थित समूह ने पहले कहा था कि हमले में उसका कमांडर फौद शुकूर इमारत में ही था और स्थिति का पता लगाने के मलबे की तलाशी ली जा रही है। हिजबुल्ला ने यह घोषणा ऐसे समय की है जब तेहरान में रात में हुए हमले में हमास नेता इस्माइल हानिया को भी मार दिया गया। हमास और ईरान ने हानिया की मौत के लिए इजराइल को जिम्मेदार ठहराया है।

9/11 हमले के आरोपियों के साथ अमेरिका ने समझौता क्यों कर लिया? बाइडन प्रशासन के साथ हुई डील

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अलकायदा के चार आतंकियों ने चार प्लन को हाईजैक किया। दो को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में टकरा दिया। तीसरा प्लेन पेंटागन में गिरा। चौथे का कंट्रोल पैसेंजर्स ने अपने हाथ में ले लिया। जिसके बाद प्लेन एक खेत में क्रैश हो गया। इस हमले में करीब 3 हजार लोगों की मौत हुई। इसी हमले के बाद अमेरिका ने वॉर ऑन टेरर शुरू किया। सबसे पहले अफगानिस्तान में फौज उतारी और तालिबान को हटाया। फिर पूरी दुनिया में एंट्री टेरर ऑपरेशन चलाया। सैकड़ों संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया। जिन्हें अलग अलग मिलिट्री बेस पर रखा गया। टॉर्चर की कहानी भी सामने आई जिसके बाद संदिग्ध आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलाना मुश्किल हो गया। अब अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमेंट ने तीन आरोपियों के साथ समझौता कर लिया

है। पेंटागन ने मोहम्मद, वालिद बिन अताश और मुस्तफा अल-हवसावी से जुड़े सौदों का पूरा विवरण जारी नहीं किया, लेकिन अमेरिकी मीडिया ने बताया कि तीनों मौत की सजा के बजाय आजीवन कारावास की सजा के बदले में अपना गुनाह कबूल करेंगे।

1941 में पर्ल हार्बर, हवाई पर जापानी हमले के बाद 9/11 का हमला अमेरिकी धरती पर सबसे घातक हमला था, जिसमें 2,400 लोग मारे गए थे। बीबीसी के अमेरिकी सहयोगी सीबीएस न्यूज़ के अनुसार, अभियोजकों द्वारा पीड़ितों के परिवारों को भेजे गए एक पत्र में पहली बार दलील समझौते की घोषणा की गई थी। इसमें कहा गया है कि सैन्य अदालत के समक्ष याचिका अगले सप्ताह की शुरुआत में आ सकती है। तीनों को बाद में सैन्य अधिकारियों के एक पैनल द्वारा सजा सुनाई जाएगी। अभियोजकों ने कहा कि परिवारों को सजा की सुनवाई के दौरान पीड़ित-प्रभाव वाले बयान देने का अवसर मिल सकता है, जो 2025 की गर्मियों में होने की उम्मीद है। अभियोजकों ने यह भी स्वीकार किया कि इस सौदे से उन हजारों परिवार के सदस्यों के बीच तीव्र भावना और मिश्रित प्रतिक्रिया उत्पन्न होने की संभावना है, जिन्होंने किसी को खो दिया है। 12 साल की प्री-ट्रायल मुकदमेबाजी के बाद प्री-ट्रायल समझौते में प्रवेश करने का निर्णय हल्के में नहीं लिया गया; हालाँकि, यह हमारा सामूहिक, तर्कसंगत और सद्भावनापूर्ण निर्णय है कि यह प्रस्ताव अंतिम निर्णय और न्याय का सबसे अच्छा मार्ग है।

भारतीय हथियारों का बड़ा खरीददार बना...चीन का दुश्मन देश

मनीला (एजेंसी)। दक्षिण चीन सागर में चीन की दादागिरी से जूझ रहा फिलीपींस ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल खरीदने के बाद अब भारत से बड़े पैमाने पर अन्य हथियार खरीदने की तैयारी में है। भारत में फिलीपींस के राजदूत जोसेल एफ इग्नासिओ ने कहा कि प्रतिरोधक क्षमता हासिल करने के लिए भारत के हथियार बेहद मुफीद हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी फिलीपींस भारत से हथियार खरीदते रहेगा।

जोसेल ने एक इंटरव्यू में कहा कि भारत अब फिलीपींस के लिए एक स्वाभाविक पार्टनर है। खासकर होरिजोन 3 प्लान के तहत फिलीपींस की सेना को आधुनिक बनाने में भारत की भूमिका अहम है। इस प्लान का ऐलान साल 2023 में फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर ने किया था। जोसेल ने कहा, कई चरणों में पिछले एक दशक से फिलीपींस की सेना एक आधुनिकीकरण प्रोग्राम चला रही है। फिलीपींस सरकार ने होरिजोन 1 और होरिजोन 2 नाम से सेना को आधुनिक बनाने का कार्यक्रम क्रमशः साल 2013 और 2018 में शुरू किया था। अ?ब नए राष?ट्रपति मार्कोस जूनियर ने होरिजोन 3 कार्यक्रम शुरू किया है जिसके तहत चीन के साथ तनाव को देखकर फिलीपींस की क्षेत्रीय और तटीय सुरक्षा को मजबूत किया जा रहा है। इस पूरे कार्यक्रम को अगले 10 साल तक चलाया जाएगा।

फिलीपींस का अमेरिका के साथ रक्षा समझौता है। फिलीपींस अब लगातार भारत के साथ रक्षा समझौता बढ़ा रहा है, ताकि चीन की चुनौती से निपटा जा सके। भारत ने हाल ही में फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की आपूर्ति की है। साल 2022 में यह पूरा सौदा 37 करोड़ 50 लाख डॉलर का हुआ था। फिलीपींस के पास कुल 7600 द्वीप हैं और उनकी सुरक्षा करना उसके लिए बड़ी चुनौती बन गया है। राजदूत ने संकेत दिया कि आने वाले समय में भारत के साथ कई बड़े रक्षा सौदे होने जा रहे हैं। भारत फिलीपींस को नौसैनिक सिस्टम, फाइटर प्लेन, तोप और सैन्य हेलिकॉप्टर बेचना चाहता है। इस लेकर बातचीत चल रही है।

बाइडेन वाली गलती दोहराने लगी कमला हैरिस, खुद को बता दिया अमेरिकी राष्ट्रपति

वाशिंगटन। दिवंगत डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि शीला जैक्सन ली की स्तुति के दौरान, कमला हैरिस ने गलती से खुद को राष्ट्रपति बता दिया, जिससे उपस्थित लोगों में हलचल मच गई। हैरिस द्वारा बार-बार खुद को सुधारने की कोशिशों के बावजूद, इस चूक के कारण भीड़ की ओर से तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिली। हैरिस की अनपेक्षित टिप्पणी तुरंत चर्चा का विषय बन गई और वीडियो में कैप्चर भीड़ की प्रतिक्रिया अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। 1 अगस्त को संभावित डेमोक्रेटिक उम्मीदवार ने ह्यूस्टन के एक चर्च में श्रद्धांजलि दी, जिसमें डेमोक्रेटिक नेता बिल और हिलेरी क्लिंटन सहित अन्य लोग शामिल हुए। दिवंगत कांग्रेस सदस्य की स्तुति के दौरान, हैरिस ने जैक्सन ली के प्रमुख योगदानों पर प्रकाश डाला, जिसमें जूनटीन को संघीय अवकाश बनाने में उनकी भूमिका, महिलाओं के खिलाफ हिंसा अधिनियम को फिर से अधिकृत करना और अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियों के साथ एलजीबीटीक्यू अधिकारों का समर्थन करना शामिल है।

खुलासा : स्मगलिंग कर लाए गए रिमोट कंट्रोल बम से हुई थी हमास प्रमुख की हत्या

तेहरान(एजेंसी)। हाल ही में हमास प्रमुख इस्माइल हानिया की हुई हत्या के बाद धीरे धीरे राज उजागर हो रहे हैं। जो जानकारियां मीडिया में आ रही हैं उसके मुताबिक जिस रिमोट कंट्रोल बम से हानिया की हत्या हुई थी वो दो माह पहले स्मगलिंग कर लाया था। बता दें कि हमास चीफ इस्माइल हानिया ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए तेहरान गए थे। वह ईरानी सेना आईआरजीसी के जिस गेस्टहाउस में ठहरे थे, वहीं उनकी हत्या कर दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान की सेना इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के दो सदस्यों सहित कई अधिकारियों के हवाले से इसकी जानकारी दी गई। यह नया खुलासा उन शुरुआती रिपोर्ट्स से

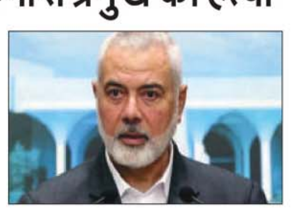

बिल्कुल अलग है, जिनमें कहा गया कि मिसाइल हमले में हानिया की मौत हुई थी। रिपोर्ट में ईरान के कुछ अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि तेहरान में हानिया की हत्या आईआरजीसी के लिए बेहद शर्मिंदगी की बात है क्योंकि जिस गेस्टहाउस में हानिया और अन्य गणमान्य लोग ठहरे थे, वही इसे ऑपरेट करता है। हानिया तेहरान में नेशहत नाम के आईआरजीसी के कंपाउंड में ठहरा हुआ था। इस कंपाउंड का इस्तेमाल सीक्रेट मीटिंग्स और हानिया जैसे हाई प्रोफाइल गेस्ट के लिए था।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू पर प्यार बरसा रहा अमेरिका, कहा- मुद्दे को हाई लेवल तक उठाएंगे

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने एक बार फिर से खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू का राग अलापा है। अमेरिका ने दोहराया है कि वह पन्नू की कथित हत्या के संबंध में चल रही जांच में भारत सरकार से जवाबदेही की उम्मीद करता है। अमेरिकी विदेश विभाग ने साफ कहा कि इस मामले को अमेरिका हाई लेवल पर भारत सरकार के सामने अपनी चिंताओं को उठाता रहेगा। विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा, हम अमेरिकी धरती पर एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की असफल कोशिश एक भारतीय सरकारी कर्मचारी की कथित भूमिका के संबंध में भारत सरकार से जवाबदेही की उम्मीद

करते हैं, हम हाई लेवल पर सीधे भारत सरकार के साथ अपनी चिंताओं को उठाते रहेंगे।पटेल से कनाडा में भी हुई गुरुपतवंत पन्नू की हत्या की कोशिश के बारे में जब पूछा तो उन्होंने कहा, कनाडा से जो खबर आई हैं, मैं आपको कनाडाई सरकार के पास उन मुद्दों पर टिप्पणी करने के लिए कहूंगा। यह घटना कनाडा के अधिकार क्षेत्र में हुई है।

बता दें कि गुरुपतवंत पन्नू की हत्या की कोशिश को लेकर भारत में जांच चल रही है। अमेरिका ने अपने एजेंट के जरिए पन्नू की हत्या करवाने का आरोप भारत पर लगाया है। भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर गुरपतवंत पन्नू की कथित असफल हत्या की साजिश में शामिल होने का आरोप है। भारत ने खालिस्तान को समर्थन करने वाले गुरपतवंत सिंह पन्नू को आतंकवादी घोषित किया हुआ है। अमेरिकी के कानून विभाग ने आरोप लगाया है कि 52 साल के निखित गुप्ता भारत सरकार का सहयोगी है और उन्होंने और अन्य लोगों के साथ मिलकर न्यूयॉर्क में पन्नू की हत्या की साजिश रचने में मदद की थी। पन्नू के पास अमेरिका के साथ में कनाडाई नागरिकता है।

ट्रंप ने कई देशों पर साधा निशाना बोले- अमेरिका भेजे जा रहे दूसरे देशों से रेपिस्ट और हत्यारे

-कमला हैरिस के चलते भारत को भी नहीं छोड़ा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने कई देशों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि दक्षिण अमेरिका, एशिया, अफ्रीका और मिडल ईस्ट के देशों से अमेरिका में अपराधी, रेपिस्ट, अपराधी गैंग के सदस्यों और दिमागी रूप से बीमार लोगों को अमेरिका भेजा जा रहा है।

ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला और अल साल्वाडोर में जेलों और पागलखानों को खाली किया जा रहा है और उन्हें अवैध तरीके से अमेरिका भेजा जा रहा है। इससे उनके देशों में अपराध में कमी देखी जा रही है। वहीं अमेरिका

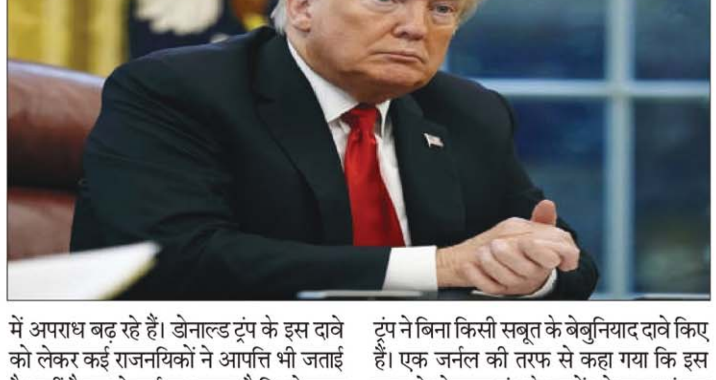

में अपराध बढ़ रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के इस दावे को लेकर कई राजनयिकों ने आपत्ति भी जताई है। वहीं फैक्ट चेकर्स का कहना है कि डोनाल्ड ट्रंप ने बिना किसी सबूत के बेबुनियाद दावे किए हैं। एक जर्नल की तरफ से कहा गया कि इस तरह से डोनाल्ड ट्रंप के दावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उनके दावों से जुड़ी सच्चाई सामने लाई जाएगी।

एक रिपोर्ट में कहा गया कि बाहर से आने वाले लोगों का क्राइम रेट अमेरिका में पैदा होने वाले लोगों से कम है। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप इस तरह के दावे कमला हैरिस पर हमला करने के लिए कर रहे हैं। दरअसल कमला हैरिस भारतीय मूल की हैं और एक ब्लैक महिला हैं। ऐसे में डोनाल्ड ट्रंप अफ्रीकी और दक्षिण एशियाई देशों से कथित अवैध इमिग्रेशन को मुद्दा बना रहे हैं। हालांकि डेमोक्रेट्स ने भी डोनाल्ड ट्रंप को घेरने में कसर नहीं छोड़ी क्योंकि उनके साथी उपराष्ट्रपति उम्मीदवार जेडी वेंस की पत्नी भी भारतीय मूल की हैं।

बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने भारत का सीधा नाम नहीं लिया लेकिन कमला हैरिस पर हमला बोलते हुए वह भारत की तरफ भी इशारा करते हैं। कमला हैरिस भारतीय मूल के हैं इसलिए डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण एशिया को भी इस लिस्ट में शामिल किया है। अपनी प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इमिग्रेशन को लेकर वह जिस तरह के विचार रखती हैं वे अमेरिका के लिए खतरनाक हैं। अगर वह राष्ट्रपति बनीं तो देश को तबाह कर देंगी। उन्होंने कहा कि वह अमेरिका को नरक बनाने की तैयारी कर रही हैं। बता दें कि सर्वे में कमला हैरिस से पिछड़ने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने हमले और तेज कर दिए हैं। उन्होंने अवैध इमिग्रेशन को मुद्दा बनाना शुरू किया है। इससे पहले वह सेंट्रल और साउथ अमेरिका पर ही ज्यादा बोल रहे थे।

डर नाम की कोई चीज राहुल गांधी के अंदर नहीं : पप्पू यादव

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का चक्रव्यूह वाला बयान काफी चर्चा में है। अब राहुल गांधी ने पोस्ट में लिखा कि भाजपा के लोगों को उनका चक्रव्यूह भाषण पसंद नहीं आया और ईडी के लोगों ने उन्हें बताया है कि छापेमारी की योजना बन रही है। राहुल गांधी के पोस्ट पर बिहार की पूर्णिया सीट से सांसद पप्पू यादव ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) एक पॉकेट की संगठन बन चुकी है। यह पूंजीपति और उद्योगपतियों का संगठन है। ईडी पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि शरद पवार के लिए अलग कानून है और अजित के लिए अलग। नीतीश कुमार के लिए पहले अलग कानून था, अब अलग हो गया है। चंद्रबाबू नायडू और जगन के लिए अलग कानून हो गया है। स्वाभाविक है कि राहुल गांधी विपक्ष की मजबूत आवाज हैं। उन्होंने ईडी की छापेमारी की बात कही है, तब इसका मतलब है कि उन्हें इसकी खबर है। राहुल गांधी हमेशा मरने के लिए तैयार रहते हैं। डर नाम की कोई चीज उनके अंदर नहीं है। उनके परिवार ने मौत को बेहद करीब से देखा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी हजारों किमी बिना किसी सुरक्षा के जनता के बीच चलते हैं। इसलिए न ही उन्हें किसी संस्था से डर लगता है और न ही किसी व्यक्ति से। जो ईमानदार होता है उसे किसी चीज से डर नहीं लगता है। राहुल गांधी संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।

राउ आईएएस कोचिंग हादसे की जांच सीबीआई को सौंपी

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने 2 अगस्त को राउ आईएएस कोचिंग हादसे की जांच सीबीआई को सौंप दी है। साथ ही सेंट्रल विजिलेंस कमेटी के अधिकारी को जांच की निगरानी करने के निर्देश दिए। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि लोगों को जांच पर शक न हो, साथ ही हादसे की गंभीरता, सरकारी कर्मचारियों के भ्रष्टाचार में शामिल होने की संभावना के चलते फैसला लिया गया है। कुटुंब ट्रस्ट की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई की। दिल्ली के राउ आईएएस कोचिंग के बेसमेंट में स्थित लाइब्रेरी में पानी भरने से 27 जुलाई को तीन स्टूडेंट्स की मौत हो गई थी। इसके पहले कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को फटकार लगाकर कहा था कि आप सड़क से गुजर रहे व्यक्ति को कैसे अरेस्ट कर सकते हैं। आपको माफी मांगनी चाहिए। पुलिस का सम्मान तब होता है, जब आप अपराधी को गिरफ्तार करते हैं और निर्दोष को छोड़ देते हैं। अगर आप निर्दोष को गिरफ्तार कर दोषी को छोड़ देते हैं, तब यह दुख की बात है। अच्छा हुआ, आपने पानी का चालान नहीं काटा। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने माफी मांगी।

हिमाचल में संकट का दौर...आठ स्कूली बच्चे लापता , समेच गांव के 34 लोग लापता

शिमला । हिमाचल प्रदेश में बादल फटने से भारी तबाही हुई है। शिमला, कुल्लू और मंडी जैसे तीन इलाकों में बादल फटने से कई लोगों की मौत हुई और हादसे में 50 लोग लापता हैं। अब समेज गांव के आठ स्कूली बच्चों के लापता होने की खबर है। लापता बच्चों में सात लड़किया और एक छात्र शामिल है। लापता हुए सभी छात्र बैडमिंटन और वॉलीबॉल के खिलाड़ी हैं। स्कूल के प्रिंसिपल अरविंद ने कहा कि लापता छात्रों में 12वीं क्लास के हैं, 4 मैट्रिक और 6वीं और 9वीं कक्षा के एक-एक छात्र शामिल है। ये सभी छात्र स्थानीय निवासी थे। ये सभी बैडमिंटन और वॉलीबॉल खिलाड़ी थे। प्राकृतिक आपदा से जुझ रहे हिमाचल में शुक्रवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस हुए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति में भूकंप के झटके महसूस हुए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.2 की रही। हालांकि, इसमें किसी तरह के जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ। रामपुर के समेच गांव के 34 लोग लापता हैं, इसमें 18 महिलाएं शामिल हैं। वहीं, मंडी के रामबन गांव तक जाने वाले सभी रास्ते क्षतिग्रस्त हैं। जगह जगह झरने बह रहे हैं। मलबा-कीचड़ और चट्टानें राहत और बचाव दलों को हर एक कदम पर चुनौती दे रहे हैं।

बिहार में बिजली गिरने से 24 घंटे में 12 लोगों की मौत, सीएम नीतीश ने किया मुआवजे का ऐलान

पटना। बिहार में भारी बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से 12 लोगों की मौत हो गई है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, बिहार के चार जिलों में पिछले 24 घंटों में बिजली गिरने से 12 लोगों की जान गई है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, गया में वज्रपात की चपेट में आकर पांच मौतें हुई हैं। जबकि जहानाबाद में 3 और नालंदा एवं रोहतास में दो-दो लोगों की जान गई है। बता दें कि मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, बिहार में 2 अगस्त को बादल छाए रहेंगे और कुछ जगहों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं, न्यूनतम तापमान 27 डिग्री और अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आकाशीय बिजली गिरने की घटना पर संवेदना व्यक्त की और प्रत्येक मृतक के परिजनों को 4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। सीएम ने लोगों से आपदा प्रबंधन विभाग की सलाह का पालन करने का भी आग्रह किया। फरवरी में राज्य विधानसभा के बजट सत्र के दौरान प्रस्तुत नवीनतम बिहार आर्थिक सर्वेक्षण (2023-24) में कहा गया है कि राज्य में 2022 में बिजली गिरने से संबंधित 400 मौतें हुई हैं। सबसे ज्यादा मौतें गया (46), भोजपुर (23), नवादा (21), बांका (21), औरंगाबाद (20) और नालंदा और कैमूर में 18-18 मौते हुई हैं। सर्वेक्षण में यह भी कहा गया है कि बिहार ने 2022-23 में आपदा प्रबंधन के लिए 430.92 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। जिसमें सबसे बड़ा हिस्सा, 285.22 करोड़ रुपये बिजली गिरने और डूबने जैसी स्थानीय आपदाओं के लिए समर्पित हैं।

छेड़छाड़ के आरोपी सेना के जवान को कोर्ट मार्शल ने किया बरी

नई दिल्ली। यहां की सैन्य अदालत ने एक अधिकारी की बेटी से छेड़छाड़ के आरोपी जवान को बरी कर दिया है। आरोपी सिपाही सिग्नल कोर से है और उस अधिकारी से जुड़ा हुआ था। जो दिल्ली के एक नागरिक क्षेत्र में रह रहा था। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि अदालत ने पाया कि आरोपी सिग्नलमैन दोषी नहीं है। मामले का पीठासीन अधिकारी कर्नल रैंक का अधिकारी है और उनके द्वारा सुनाया गया फैसला अभी सेना के वरिष्ठ अधिकारियों की पुष्टि के अधीन है। अधिकारी की बेटी से कथित छेड़छाड़ का मामला 2019 में सामने आया था, जिसके बाद जवान को कोर्ट मार्शल ने 11 जुलाई को वह जवान 10 साल ज्यादा वक्त तक अधिकारी का सहायक रहा था। महिला द्वारा जवान पर लगाए गए आरोपों के खिलाफ अगस्त 2019 में मामला शुरू हुआ था और 11 जुलाई को कोर्ट मार्शल ने अपना फैसला सुना दिया है। आर्मी कोर्ट ने फैसले का कारण बताते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष द्वारा उनके समक्ष पेश किए सबूतों पर सावधानीपूर्वक विचार और जांच करने बाद ये निष्कर्ष निकाला है कि अभियोजन पक्ष आरोपी के खिलाफ आरोप साबित करने में सक्षम नहीं है। वहीं, इस मामले में कथित घटना के तीन महीने बाद महिला ने आधिकारिक तौर पर सैनिक के खिलाफ आरोप लगाए थे, क्योंकि वह एंट्रेंस एग्जाम के लिए अपनी पढ़ाई पर फोकस करना चाहती थी। सैनिक के वकील आनंद कुमार ने कहा कि यह मामला प्रशासनिक मुद्दों के कारण थोड़ा लंबा खिंच गया, लेकिन आखिरकार सैन्य अदालत से न्याय मिला है।

इलेक्टोरल बॉन्ड मामले में एसआईटी जांच की मांग वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड दान के जरिए से कॉरपोरेट्स और राजनीतिक दलों के बीच कथित तौर पर लेन-देन की व्यवस्था की विशेष जांच दल द्वारा जांच की मांग करने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। फरवरी में सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द कर दिया था, जो राजनीतिक दलों को गुमनाम फंडिंग की अनुमति देती थी, और एसबीआई को तुरंत चुनावी बॉन्ड जारी करना बंद करने का आदेश दिया था।

2027 तक 42 अरब डॉलर के निवेश का लक्ष्य, भारत और जापान ट्रेड पर जयशंकर ने कहा

नई दिल्ली (एजेंसी) । सेंटर फॉर एयर पावर स्टडीज में 7वें जसजीत सिंह मेमोरियल लेक्चर में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि विश्व मामलों को आकार देने में बढ़ते राष्ट्रवाद की भूमिका को भी पहचाना जाना चाहिए। दुनिया के उन हिस्सों में जहां पुराना वैश्वीकरण मंत्र अभी भी प्रचलित है। सच्चाई यह है कि यह कई विकसित समाजों में निराशा को दर्शाता है जहां खराब भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक विकल्पों के कारण जीवन की गुणवत्ता खराब हो गई है। चाहे आप इसे पसंद करें या न करें लेकिन निकट भविष्य में दुनिया में राष्ट्रवादी काफी बढ़ जाएगा। यह जरूरी है कि भारत वैश्विक घटनाओं का मूल्यांकन करे और हमारे लिए राष्ट्रीय हित में जो अच्छा है उसकी गणना की जाए। ज्यादातर मामलों में जो भारत के लिए अच्छा है वह दुनिया के लिए भी अच्छा होता है। इसी के चलते ग्लोबल साउथ के साथ हमने मजबूत संबंध विकसित किया है और उन्होंने हम पर विश्वास जताया है।

पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंधों पर विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि हम आज मानते हैं कि हमारे इतिहास को देखते हुए, पड़ोसियों के आकार को देखते हुए, हमारे पड़ोसियों और हमारे समाजशास्त्र को देखते हुए, इन रिश्तों को संभालना आसान नहीं है। भारत के बारे में हमारे कई पड़ोसियों की भावनाओं में राजनीतिक उतार-चढ़ाव होंगे। ये ऐसी वास्तविकताएं हैं जिन्हें हमें समय-समय पर स्वीकार करना होगा। हमारे कुछ पड़ोसियों में ऐसे अवसर आए हैं जब हम राजनीतिक बन गए हैं मुद्दा यह है कि हम वास्तव में कुछ बहुत गंभीर स्थितियों को कम करने में कामयाब रहे हैं... हमारे पड़ोस में, हमने दिखाया है कि हमारे पास खड़े होने, अपने हितों को आगे बढ़ाने, अन्य देशों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता है, और अक्सर मैं कहूंगा- उन्हें संसाधन दें और निश्चित रूप से उनसे बेहतर प्रदर्शन करें, इसलिए मुझे लगता है कि हमारा रिकॉर्ड बहुत ठोस है।

एस जयशंकर ने कहा कि मैं सहमत हूं कि जापान के साथ व्यापार बढ़ाने की गुंजाइश है। हमारा लक्ष्य 2027 तक 5 ट्रिलियन येन है। हम लक्ष्य के आधे रास्ते पर हैं। भू-अर्थशास्त्र में बदलाव के साथ, हमें जापान के साथ अधिक मेहनत करनी होगी... जापान के रणनीतिक लोग भी समझते हैं कि उन्हें भारत के साथ काम करना है और हमारे हित बहुत समान हैं।

मणिपुर में जागी शांति की उम्मीद... मेइती और हमार समुदाय के बीच सहमति

नई दिल्ली । मणिपुर के हालात सामान्य होने का इंतजार पूरा देश कर रहा है। वहीं राज्य और केंद्र भी तमाम उपायों के माध्यम से कानून व्यवस्था की स्थिति को बहाल करने की कोशिशों में लगी हुई हैं। यह कोशिशें रंग लाईं जब मेइती और हमार समुदायों के प्रतिनिधियों ने मणिपुर के हिंसा प्रभावित जिरीबाम जिले में शांति बहाली के लिए हर संभव प्रयास करने पर सहमति जाहिर की। एक जिले में शांति पर बात बनना कोई कम उपलब्धि नहीं है। इसलिए देश को उम्मीद है कि जिरीबाम जिले में शांति स्थापित होने के बाद पूरे राज्य में भी शांति और समृद्धि आएगी। बता दें कि अधिकारियों ने बताया है कि असम के कछार में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक प्रतिष्ठान में हुई बैठक में दोनों पक्षों के बीच यह समझौता हुआ। बैठक का संचालन जिरीबाम जिला प्रशासन, असम राइफल्स और सीआरपीएफ ने किया। बैठक में जिरीबाम जिले के थाडौ, पैते और मिजो समुदायों के प्रतिनिधि मौजूद थे। बैठक के बाद इन समुदायों के प्रतिनिधियों द्वारा जारी संयुक्त बयान में कहा गया, ''बैठक में यह संकल्प लिया गया कि दोनों पक्ष सामान्य स्थिति बहाल करने तथा आगजनी और गोलीबारी की घटनाओं को रोकने के लिए हर संभव प्रयास होगा। दोनों पक्ष जिरीबाम जिले में कार्यरत सभी सुरक्षा बलों को पूर्ण सहयोग देने वाले है। बताया जा रहा है कि अगली बैठक 15 अगस्त को होगी।

वायनाड हादसा~गांव और जंगलों में मिल रहीं लाशें, अब तक 308 की हुई मौत

वायनाड (एजेंसी) । वायनाड में हुए भूस्खलन हादसे में अब तक 308 लोगों की मौत हो चुकी है। रेस्क्यू ऑपरेशन में गांव और जंगलों से लाशे मिल रहीं हैं। यहां युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव कर चल रहा है। रेस्क्यू में जुटे बचावकर्मियों को अब तक 195 शव ही मिले हैं। बाकी, लोगों की मौत की पुष्टि उनके बॉडी पार्ट्स से की गई है। यानी 105 लोगों के शव का कोई ना कोई हिस्सा बरामद हुआ है, जिससे उनकी मौत कंफर्म हुई है।

सेना ने हादसे के बाद जो बेली ब्रिज बनाया है, इससे 25 एंबुलेंस मुंडकई पहुंचाई जाएंगी। मिट्टी में दबे शवों का पता लगाने के लिए दिल्ली से ड्रोन आधारित रडार शनिवार को आने वाला है। तलाशी अभियान में 6 कुत्तों की भी मदद ली जा रही है। आज तमिलनाडु से 4 और कुत्ते लाए जाएंगे। 40 टीमें लोगों के रेस्क्यू में जुटे हुए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन को प्रभावी बनाने के लिए सर्च क्षेत्र को 6 अलग-अलग भागों में बांटने की बात चल रही है। इनमें से पहला क्षेत्र अट्टामाला और आरणमाला से बना है। दूसरा क्षेत्र मुंडकई, तीसरा क्षेत्र पुंजरीमट्टम, चौथा क्षेत्र वेल्लरमाला विलेज रोड, पांचवां क्षेत्र जीवीएचएसएस वेल्लरमाला और छठा इलाका नदी का बहाव क्षेत्र है। हर टीम के साथ तीन स्थानीय लोग और एक वन विभाग का कर्मचारी भी शामिल किया जाएगा। इसके अलावा चलियार नदी के आसपास के 8 पुलिस स्टेशनों के पुलिसवाले और तैराकी में माहिर लोग भी खोज करने जा रहे हैं। इसके अलावा हेलिकॉप्टर के जरिए भी सर्च ऑपरेशन चलाया जा जा रहा है। तटरक्षक और नौसेना के साथ वन विभाग के कर्मचारी उन जगहों पर भी खोज करने जा रहे हैं, जहां शवों के बहकर आने की संभावना है। बता दें कि वायनाड में पहली लैंडस्लाइड 30 जुलाई की सुबह तड़के करीब 2 बजे हुई। इसके बाद सुबह करीब 4.10 बजे फिर एक बार लैंडस्लाइड हुई। इसके साथ ही तीसरी बार फिर लैंडस्लाइड हुई। लैंडस्लाइड में वायनाड के 4 गांव मलबे के ढेर में तब्दील हो गए, जिनमें से लोगों को निकालने के लिए लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। रेस्क्यू ऑपरेशन की प्रगति के साथ मरने वालों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है।

राज्यपाल सम्मेलन: एक समृद्ध अनुभव होगा और कामकाज में मदद मिलेगी : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली (एजेंसी)। । दिल्ली में शुक्रवार से शुरू हुई दो दिनी राज्यपाल कांफ्रेंस राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यपालों को संबोधित किया। सम्मेलन में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि सम्मेलन का विचार-विमर्श प्रतिभागियों के लिए एक समृद्ध अनुभव होगा और उन्हें अपने कामकाज में मदद मिलेगी। मुर्मू ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, गरीबों और वंचित वर्गों के विकास, युवा विकास, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक खेती सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

इस कार्यक्रम में केंद्र द्वारा तय एजेंडे पर किए गए काम की समीक्षा होगी। एमपी के विधानसभा चुनाव के पहले राज्यपालों की भूमिका में बदलाव कर केंद्र ने अंतर्राज्यीय मुद्दों को लेकर हर राज्यपाल को पड़ोसी राज्य के साथ बैठक करने के निर्देश दिए थे। इसके चलते प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ सहित कुछ राज्यों के साथ बैठक भी की है। बैठक में एमपी के सीमावर्ती जिलों और दूसरे राज्यों के एमपी से सटे सीमावर्ती जिलों की समस्याओं, बड़ी परियोजनाओं को लेकर चर्चा हुई थी।

अब दिल्ली में हो रही राज्यपाल कांफ्रेंस में इन मसलों पर केंद्र की ओर से रिपोर्ट ली जाएगी और अब तक की गई बैठकों की समीक्षा भी की जाएगी। राज्यपाल के दिल्ली प्रवास और दिल्ली में होने वाली बैठक के मद्देनजर राज्य सरकार ने संबंधित विभागों को निर्देश जारी कर विभाग से संबंधित अपडेट जानकारी राज्यपाल को सौंपी है।

इस दो दिनी कांफ्रेंस के पहले 10 राज्यों के राज्यपाल बदले हैं या उनके राज्य बदले गए हैं। राजभवन सूत्रों के अनुसार राज्यपालों की भूमिका में बदलाव समय के साथ हुआ है। इस कारण कांफ्रेंस में राष्ट्रपति मुर्मू राज्यपालों को कुछ और जिम्मेदारी भरे काम सौंप सकती हैं।

अयोध्या में उस बच्ची से मिल आओ राहुल और अखिलेश... जिससे गैंगरेप तुम्हारे नेता ने किया : आचार्य कृष्णम

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष नेता राहुल गांधी और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर पूर्व कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम भड़क गए हैं। उन्होंने पोस्ट के द्वारा उसमें कुछ तीखे सवाल पूछे हैं। आचार्य कृष्णम ने कहा कि अयोध्या में 12 साल की बच्ची से गैंगरेप हुआ। बच्ची से मिलने के लिए अयोध्या चले जाओ। उस बच्ची से मिलने अयोध्या चले जाओ, जिसके साथ गैंग-रेप तुम्हारी पार्टी नेता ने ही किया है। कांग्रेसी नेता ने अपने पोस्ट में राहुल गांधी और अखिलेश यादव को भी टैग किया। उन्होंने कहा, सेक्युलरिज्म मौन है, ये मोईन खान कौन है।

दरअसल अयोध्या में 12 साल की बच्ची से गैंगरेप मामले में राजनीति तेज हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समाजवादी पार्टी से पूछ कि अब तक मामले में जो आरोपी मोईन खान हैं, उसके खिलाफ पार्टी ने कोई कार्रवाई क्यों नहीं की। आरोपी का अयोध्या सांसद के साथ नजदीकी रिश्ता है। सपा नेता मोईन खान पर 12 साल की बच्ची के साथ बलात्कार करने का आरोप है। बच्ची के साथ आरोपी के नौकर ने भी बलात्कार किया। आरोपी का मन नहीं भरा तब बच्ची का अश्लील वीडियो बना लिया। सोशल मीडिया पर वायरल की धमकी देकर बच्ची के साथ कई बार गैंगरेप किया गया। इस घटना की जानकारी सबके सामने तब आई जब बच्ची गर्भवती हो गई और उसने पूरी आपबीती अपनी मां को बताई। मां ने बेटी के साथ स्थानीय पुलिस थाने में शिकायत दी। हालांकि, पुलिस ने शुरुआती तौर पर कार्रवाई नहीं की। लेकिन, जब हिन्दू संगठनों ने पुलिस पर दबाव बनाया तो पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

घुसपैठ रोकना सिर्फ केंद्र की नहीं, सभी की जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री हिमंत

दिसपुर (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि घुसपैठ रोकना केवल केंद्र सरकार की नहीं बल्कि सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए राहुल गांधी से वह ''फॉर्मूला'' भी जानना चाहा कि ''अपनी जाति बताए बिना जाति सर्वेक्षण कैसे किया जाए।'' भाजपा के झारखंड चुनाव सह-प्रभारी शर्मा ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''झारखंड का संथाल परगना घुसपैठ से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। पिछले 20 वर्षों में इस क्षेत्र के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में घुसपैठियों की आबादी 50-60 प्रतिशत बढ़ गई है और स्थिति असम जैसी हो सकती है।''

उन्होंने दावा किया कि असम में मुस्लिम आबादी 1952 के 12 प्रतिशत से बढ़कर वर्तमान में 40-42 प्रतिशत हो गई है, जिसका मुख्य कारण घुसपैठ है। शर्मा ने कहा, ''अगर घुसपैठ जारी रही तो वह दिन दूर नहीं जब मुख्यमंत्री को उनके (घुसपैठियों के) सामने आत्मसमर्पण करना पड़ेगा। यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है, बल्कि राज्य को बचाना सभी की जिम्मेदारी है। राज्य सरकार को इस मुद्दे पर आम सहमति बनानी चाहिए और घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करनी चाहिए।'' झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने घुसपैठ के लिए बार-बार केंद्र को जिम्मेदार ठहराया है और कहा है कि इसे रोकना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जातीय सर्वेक्षण तो चाहते हैं लेकिन अपनी खुद की जाति का खुलासा नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा,'' जातीय सर्वेक्षण बिहार में कराया गया है। क्या यह सारे देश में कराया जाएगा या नहीं, यह एक अलग मामला है।

केदारनाथ में फंसे शिवपुरी जिले के श्रद्धालुओं से सिंधिया ने की बात

शिवपुरी । केदारनाथ में आई प्राकृतिक आपदा के कारण मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के श्रद्धालु फंस गए। कइयों को सुरक्षित निकालने के बाद शेष लोगों को निकालने की प्रक्रिया जारी है। वहीं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इन श्रद्धालुओं से बात कर उनकी हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने सुबह केदारनाथ में बादल फटने के कारण वहां फंसे हुए श्रद्धालुओं से बात की। उन्हें अपने लोकसभा क्षेत्र गुना-शिवपुरी के श्रद्धालुओं के समूह के केदारनाथ में फंसने की सूचना मिली थी। केंद्रीय मंत्री ने इस सूचना पर एनडीआरएफ के अधिकारियों से बात कर बचाव कार्यक्रम के माध्यम से बदरवास के लोगों को जल्द नीचे लाने का आग्रह किया था।

दस साल से भारत में रह रहे शरणार्थी को कोर्ट ने फटकारा कहा- उदारता का फायदा मत उठाओ

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमन का शख्स बीते दस सालों में पुणे में रहा रहा है। अब भारत छोड़ने को तैयार नहीं है। अवधि से ज्यादा समय तक ठहरे एक शरणार्थी को बॉम्बे हाईकोर्ट ने कड़ी फटकार लगाई है। इतना ही नहीं अदालत ने यमन के शख्स को पड़ोस में पाकिस्तान या किसी खाड़ी देश में जाने तक की सलाह दे दी। हाल ही में पुणे पुलिस की तरफ से उसे लीव इंडिया नोटिस जारी किया गया था। याचिकाकर्ता का कहना है कि वह 10 सालों से भारत में रह रहा है। मामले की सुनवाई जस्टिस रेवती मोहित डेरे और जस्टिस पृथ्वीराज चव्हाण की बेंच कर रही थी।

रिपोर्ट के अनुसार, जजों ने कहा, आप पाकिस्तान जा सकते हैं, जो पड़ोस में ही है। या आप किसी भी खाड़ी देश में जा सकते हैं। भारत के उदार रवैये का गलत फायदा न उठाएं। यमन के नागरिक खालिद गोमेई मोहम्मद हसन भारत में तय अवधि से ज्यादा रह रहे थे और उन्होंने पुलिस की तरफ से जारी नोटिस को भी कोर्ट में चुनौती दी थी।

वहीं दूसरी तरफ पुणे पुलिस की तरफ से कोर्ट में पेश हुए संदेश पाटिल की इस बात से कोर्ट सहमत था कि याचिकाकर्ता रिफ्यूजी कार्ड धारकों को अनुमति देने वाले 129 अन्य देशों में जा सकता है। कोर्ट ने कहा, हम आपको सिर्फ 15 दिनों तक सुरक्षा दे सकते हैं और उससे ज्यादा नहीं। इस दौरान कोर्ट ने कपल की बेटी की नागरिकता का भी मुद्दा उठाया, जिसका जन्म भारत में हुआ था। कोर्ट ने वकील से इस संबंध में सवाल किया। पाटिल ने कहा, मिलॉर्ड, अगर कोई पैरेंट भारतीय है, तो जन्म से ही भारतीय नागरिकता मिल सकती है। यहां दोनों यमन से हैं। साथ ही बच्ची का जन्म माता-पिता का वीजा खत्म होने के बाद हुआ है, जिसका मतलब है कि पैरेंट्स अवैध प्रवासी हैं। ऐसे में बच्ची को नागरिकता नहीं दी जा सकती।

बेंच ने पाया कि याचिकाकर्ता कुछ राहत चाहता था, क्योंकि वह ऑस्ट्रेलिया जाना चाहता है। हसन शरणार्थी कार्ड धारक हैं और उन्होंने जबरन डिपोर्ट किए जाने से बचने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। याचिका में हसन ने कहा कि यमन सबसे खराब मानवीय संकट से गुजर रहा है और इसलिए वह भारत में बीते 10 सालों से रह रहा है। उन्होंने याचिका में कहा कि 45 लाख नागरिक विस्थापित हो गए हैं। हसन मार्च 2014 में स्टूडेंट वीजा पर भारत आए थे और 2015 में मेडिकल वीजा पर उनकी पत्नी भारत पहुंची थीं। हसन का वीजा फरवरी 2017 में खत्म हो गया और पत्नी का वीजा सितंबर 2015 में एक्सपायर हो गया था। पुणे पुलिस की तरफ से इस साल फरवरी में उन्हें लीव इंडिया नोटिस जारी हुआ था और बाद में अप्रैल में भी नोटिस दिया गया था। पुलिस ने नोटिस मिलने के 14 दिनों में भारत छोड़ने के लिए कहा था। बेंच के सामने याचिकाकर्ता ने कम से कम ऑस्ट्रेलिया का वीजा मिलने तक डिपोर्टेशन से सुरक्षा की मांग की थी।